पारा आपडेट
मैक्सिमम 26.00 | मिनीमम 12.00
सूर्यास्त (आज) ▸ 17.34
सूर्योदय (कल) ▸ 06.30
बोकारो से प्रकाशित

संसेक्स 76,532.96 ● निफ्टी 23,163.10 ● डॉलर 86.55 ₹ ● सोना 81,590 ₹ ● चांदी 1,04,000 ₹ पेज 06 बापू की स्मृति सात्विक मूल्यों के... पेज 08 145 विकास योजनाओं का लोकार्पण

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
हर खबर पर नजर
माघ शुक्ल पक्ष प्रतिपदा संवत 2082

RNI No. : JHAHIN/2018/76658 | बोकारो, गुरुवार 30 जनवरी 2025 ● पृष्ठ : 12 मूल्य : 3/- रुपया ● वर्ष : 07 अंक : 207 | Email : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

सऊदी अरब में नौ भारतीयों की सड़क हादसे में मौत, विदेश मंत्री ने जताया दुख

नई दिल्ली। सऊदी अरब में सड़क हादसे में नौ भारतीय नागरिकों की मौत हो गई है। हादसा सऊदी अरब के पश्चिमी क्षेत्र के जिजान के निकट हुआ। हादसे पर दुख जताते हुए जेद्दा स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने कहा कि जेद्दा में भारत का वाणिज्य दूतावास पूर्ण सहायता प्रदान कर रहा है और अधिकारियों एवं परिवारों के संपर्क में है। हम घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। इस मामले के लिए एक समर्पित हेल्पलाइन स्थापित की गई है। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने हादसे पर दुख जताते हुए कहा कि उनकी भारतीय महावाणिज्य दूतावास में बातचीत हुई है। दूतावास पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायता मुहैया करा रहा है।

भारत-म्यांमार सीमा पर मुठभेड़ में 10 से ज्यादा केएनए-बी उग्रवादी ढेर, कई घायल

इंफाल। भारत-म्यांमार सीमा के पास बॉर्डर पिलर नंबर 87 के पास एक मुठभेड़ में कूकी नेशनल आर्मी- बर्मा (केएनए-बी) के 10 से ज्यादा उग्रवादी मारे गए, जबकि कई अन्य लोग घायल हो हुए हैं। मणिपुर पुलिस के उच्च पदस्थ सूत्रों ने बुधवार को बताया कि मणिपुर के कामजोंग जिले के कबाव घाटी में भारत-म्यांमार सीमा के पास सुरक्षाबलों और मणिपुर के विद्रोहियों व केएनए-बी सदस्यों के बीच जबरदस्त गोलीबारी हुई। इस गोलीबारी में क्षेत्र के सक्रिय केएनए-बी के 10 से ज्यादा उग्रवादी मारे गए हैं। हताहतों की सही संख्या अभी स्पष्ट नहीं है। लेकिन रिपोर्टों के मुताबिक 10 से ज्यादा उग्रवादी मारे गए हैं और कई अन्य घायल हुए हैं।

आचार संहिता उल्लंघन मामले में श्रम नियोजन मंत्री की न्यायालय में हुई पेशी

दुमका। व्यवहार न्यायालय के एमपी-एमएलए सह एसडीजेएम मोहित चौधरी के न्यायालय मे झारखंड के श्रम नियोजन मंत्री संजय यादव पेश हुए। कोर्ट मे पेश होने के बाद मंत्री संजय यादव बुधवार को रांची मे होने वाले कैबिनेट की बैठक मे शामिल होने के लिए रवाना हो गये। गोड्डा जिला के पथरगामा थाना मे 2014 के विधानसभा चुनाव के दौरान चुनाव अचार संहिता उल्लंघन मामले मे मंत्री संजय यादव पर मामला दर्ज हुआ था। मामले में गवाहों की गवाही शुरू है।

18 किग्रा ब्राउन शुगर और अफीम जब्त, तीन गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर पुलिस ने तीन अलग-अलग अभियान में 18 किलोग्राम से अधिक ब्राउन शुगर तथा अफीम जब्त कर तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पहले मामले में पुलिस ने थौबल जिले के लिलोंग मैरेन खुं से मेराइमयुम अली हसन (32) को गिरफ्तार किया। उसके पास से 37 साबुन डिब्बों में पैक 859 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई। दूसरे मामले में इंफाल पश्चिम के कंगलाटोंगबी मंदिर क्षेत्र से अनिल कटवाल (27) को गिरफ्तार किया गया। उसके चारपहिया वाहन में छुपाकर रखे गए 13 पैकेट अफीम (कुल वजन 13.20 किलोग्राम) जब्त किए गए। तीसरे मामले में, पुलिस ने इंफाल पश्चिम के लिलोंग बाजार से असम के कछार निवासी बशीर अहमद लश्कर (36) को गिरफ्तार किया। उसके पास से वेल्डिंग मशीन बॉक्स में छुपाकर रखी गई 4.24 किलोग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई।

महाकुम्भ में दर्दनाक हादसा : मौनी अमावस्या पर संगम की रेती पर मची भगदड़

30 श्रद्धालुओं की मौत

एजेंसी

महाकुम्भ नगर। प्रयागराज महाकुम्भ में मौनी अमावस्या के अवसर पर संगम नोज पर हुई भगदड़ में 30 श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जिसमें से 25 श्रद्धालुओं की शिनाख्त हो गई है। हादसे में 60 से ज्यादा श्रद्धालु घायल हैं। मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। मरने वालों में अधिकतर श्रद्धालु कर्नाटक, गुजरात और असम के हैं। मेलाधिकारी विजय किरन आनन्द और डीआईजी मेला वैभव कृष्ण ने बुधवार शाम को संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी।

वैभव कृष्ण ने बताया कि भारी भीड़ के दबाव में बैरिकेड्स टूटने से यह हादसा हुआ। हादसे में 90 श्रद्धालु घायल हुए। इसमें से 30 श्रद्धालुओं की मौत हुई। मृतकों में से 25 की पहचान हो चुकी है। शेष पांच की पहचान के प्रयास जारी हैं। 24 घायलों को घर भेज दिया गया है। 36 घायलों का इलाज प्रयागराज के स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल में जारी है।

मेलाधिकारी विजय किरन आनन्द ने बताया कि आज कोई वीवीआईपी या वीआईपी प्रोटोकाल नहीं था। आज किसी प्रकार के वीआईपी वाहन का प्रवेश नहीं था। उन्होंने बताया कि आगे भी अमृत स्नान के पर्व पर कोई वीआईपी प्रोटोकॉल नहीं होगा। मेलाधिकारी ने बताया कि ग्रीन कॉरिडोर बनाकर घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। मेला प्रशासन ने मृतकों एवं घायलों की जानकारी के लिए हेल्प लाइन नम्बर 1920 जारी किया।

मेला प्रशासन ने की मृतकों और घायलों की पुष्टि

जानकारी के लिए हेल्प लाइन नम्बर 1920 जारी

महाकुंभ भगदड़ में पलामू की महिला की भी मौत, बहन गंभीर

पलामू। उतरप्रदेश के प्रयागराज में 144 साल के बाद लगे महाकुंभ मेले में मची भगदड़ में पलामू की एक महिला भी शामिल है। महिला रेहला थाना क्षेत्र के तोलरा गांव की रहने वाली है, जिसकी पहचान गायत्री देवी (60) अमरेश पांडेय की पत्नी के रूप में हुई है। महिला की बहन गंभीर हो गई। गायत्री देवी का एक बेटा सीआरपीएफ में है। वह प्रयागराज क्षेत्र में ही ड्यूटी पर तैनात है। महिला के शव को पलामू लाया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, अमरेश पांडेय अपनी पत्नी गायत्री देवी और अपने रिश्तेदारों के साथ सोमवार को महाकुंभ में स्नान करने के लिए प्रयागराज गये थे। सभी लोग मंगलवार दोपहर में कुंभ मेला क्षेत्र पहुंच गये थे। मौनी अमावस्या पर प्रात: स्नान के लिए मंगलवार की रात को त्रिवेणी संगम तट के किनारे बालू पर ही सो गये थे। इसी बीच, मंगलवार की देर रात डेढ बजे अचानक भगदड़ मच गयी। भगदड़ में गायत्री देवी भीड़ के नीचे दब गयीं और उनकी मौत हो गयी।

जो नीचे गिर पड़ा वह उठ नहीं सका

इधर-उधर भागती भीड़ में जो नीचे गिर पड़ा वह उठ नहीं सका। जिसने भागने का प्रयास किया वह भी दब गया। मेला कंट्रोल रूम और पुलिस कंट्रोल रूम को यह सूचना मिली तो हड़कंप मच गया। हादसे की सूचना मिलने पर पैरामिलिट्री फोर्स, एबुंलेंस को अलग-अलग स्थान से संगम की ओर रवाना किया गया। इसके बाद एंबुलेंस में तमाम श्रद्धालुओं को भरकर लाया गया। केंद्रीय अस्पताल में कई लोगों को जमीन पर लिटाया गया था, जिनके बारे में एक अस्पताल कर्मी ने कहा कि उनकी मौत हो गई है।

राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री ने प्रयागराज महाकुंभ हादसे पर शोक व्यक्त किया

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को प्रयागराज महाकुंभ हादसे पर शोक व्यक्त किया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री ने इस संबंध में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री से बात की है। उन्होंने कहा कि इस त्रासदी में प्रभावित लोगों की सहायता के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने एक्स पर पोस्ट किया, 'प्रयागराज महाकुंभ में भगदड़ की घटना अत्यंत दुखद है। मैं हताहत हुए श्रद्धालुओं के परिवारजनों के प्रति शोक-संवेदना व्यक्त करती हूं और ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि घायल हुए सभी श्रद्धालु शीघ्र ही स्वस्थ हों।'

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया, 'प्रयागराज महाकुंभ में हुआ हादसा अत्यंत दुखद है। इसमें जिन श्रद्धालुओं ने अपने परिजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। इसके साथ ही मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। स्थानीय प्रशासन पीड़ितों की हरसंभव मदद में जुटा हुआ है। इस सिलसिले में मैंने मुख्यमंत्री योगी जी से बातचीत की है और मैं लगातार राज्य सरकार के संपर्क में हूं।'

महाकुंभ में हुई भगदड़ की खबर सुनकर मन व्यथित है : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि महाकुंभ में हुई दुखद भगदड़ की खबर सुनकर मन व्यथित है, जिसमें निर्दोष लोगों की जान चली गई है। सोरेन ने सोशल मीडिया एक्स पर बुधवार को कहा है कि मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं शोकसंतप्त तीर्थयात्री परिवारों के साथ हैं। इस दुखद घटना में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। पूर्ण आशा है कि भारत सरकार इस घटना की पूरी तरह से जांच करेगी और ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाएगी। हम सभी को मिलकर ऐसी त्रासदियों से सबक लेना चाहिए और भविष्य में सुरक्षा के उचित इंतजाम सुनिश्चित करने चाहिए ताकि ऐसी घटना दुबारा ना हो।

पीएम मोदी व गृहमंत्री शाह ने योगी से ली पल-पल की रिपोर्ट

प्रयागराज महाकुंभ हादसे को लेकर उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार पूरी शिद्दत से राहत कार्य में जुटी हुई है। स्थिति लगभग पूरी तरीके से नियंत्रण में है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री से बात करके और पूरी घटना की जानकारी ली है। केंद्र सरकार ने हरसंभव मदद का आश्वासन दिया है। इस दुखद हादसे पर प्रधानमंत्री मोदी ने दूसरी बार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बात की है। मुख्यमंत्री मेला क्षेत्र के अधिकारियों के लगातार संपर्क में है। उन्हें दिशा निर्देश दे रहे हैं। पल-पल की रिपोर्ट ले रहे हैं।

इसरो का बड़ा कीर्तिमान, 100वां मिशन सफल

एजेंसी

श्रीहरिकोटा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का ऐतिहासिक 100वां प्रक्षेपण सफल रहा। आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में आज सुबह 6 बजकर 23 मिनट पर एनवीएस-02 को ले जाने वाले जीएसएलवी-एफ15 को सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया। इसरो ने इस कामयाबी को लेकर कहा कि भारत अंतरिक्ष नेविगेशन में नई ऊंचाइयों पर पहुंच गया।

एनवीएस-02 उपग्रह को इसरो वैज्ञानिकों ने विकसित किया है। यह स्वदेशी नेविगेशन उपग्रह प्रणाली है। इसका वजन 2,250 किलोग्राम है। यह नई पीढ़ी के नेविगेशन उपग्रहों में से दूसरा है। इसरो के प्रमुख के रूप में कार्यभार संभालने वाले वी. नारायणन के लिए यह पहला प्रक्षेपण है। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से इस प्रक्षेपण की निगरानी की। यह उपग्रह प्रक्षेपण भौगोलिक, हवाई और समुद्री नेविगेशन सेवाओं के लिए उपयोगी होगा। कृषि में प्रौद्योगिकी, विमान प्रबंधन, मोबाइल उपकरणों में स्थान-आधारित सेवाएं उपलब्ध करवाने

सहयोग देगा।

चेयरमैन नारायणन ने इस सफलता के लिए इसरो वैज्ञानिकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस साल किया गया पहला प्रयोग सफल रहा। एनवीएस-02 उपग्रह दस साल तक सेवा में रहेगा विक्रम साराभाई के समय से ही इसरो नए कीर्तिमान बना रहा है। नारायण ने कहा कि अब तक हमने लॉन्च वाहनों की छह पीढ़ियां विकसित की हैं। पहला प्रक्षेपण यान 1979 में डॉ. अब्दुल कलाम के नेतृत्व में लॉन्च किया गया था। श्रीहरिकोटा में अब तक 100 प्रयोग किए जा चुके हैं। हमने 100 प्रक्षेपण में 548 उपग्रह प्रक्षेपित किए। नारायणन ने कहा कि इसरो ने 3 चंद्रयान, मास ऑर्बिटर, आदित्य और एसआरई मिशन शुरू किए हैं।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने इसरो को 100वें प्रक्षेपण पर बधाई दी

नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई है। सिंह ने एक्स हैंडल पर लिखा, '100वां प्रक्षेपण: श्रीहरिकोटा से 100वें प्रक्षेपण की ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने के लिए इसरो को बधाई। इस रिकॉर्ड उपलब्धि के ऐतिहासिक क्षण में अंतरिक्ष विभाग से जुड़ना सौभाग्य की बात है। टीम इसरो आपने एक बार फिर जीएसएलवी-एफ15 / एनवीएस-02 मिशन के सफल प्रक्षेपण से भारत को गौरवान्वित किया है।' उन्होंने लिखा, 'विक्रम साराभाई, सतीश धवन और कुछ अन्य लोगों द्वारा एक छोटी सी शुरूआत से, यह एक अद्भुत यात्रा रही है और पीएम मोदी द्वारा अंतरिक्ष क्षेत्र को 'अनलॉक' करने और यह विश्वास जगाने के बाद कि 'आकाश की कोई सीमा नहीं है' यह एक बड़ी छलांग है।'

कैबिनेट की बैठक में छह प्रस्ताव पास : हेमंत मंत्रिमंडल का फैसला

सीएनटी एक्ट का उल्लंघन करने के आरोप में मतियस विजय टोप्पो बर्खास्त

संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट की बैठक में छह प्रस्ताव पारित किए गए। झारखंड प्रशासनिक सेवा के अधिकारी और तत्कालीन विशेष विनियमन पदाधिकारी रांची मतियस विजय टोप्पो को सेवा से बर्खास्त करने की मंजूरी दी गई है। उनके खिलाफ आरोप है कि उन्होंने छोटानागपुर टेनेंसी एक्ट की धारा 71 ए का उल्लंघन करते हुए 1969 के पहले की भूमि को बिना जांचे नियमित किया। 30 वर्ष के टाइम बांड के नियम का भी उन्होंने उल्लंघन किया। टोप्पो अभी निदेशक डीआरडीए हजारीबाग के पद पर कार्यरत हैं।

बैठक के बाद अपर सचिव राजीव रंजन ने बताया कि झारखंड उच्च न्यायालय के तहत दायर वाद संख्या डब्लूपीएस नंबर 777/2023, राज कुमार राम बनाम झारखंड सरकार एवं अन्य तथा उक्त से उद्भूत अवमानना वाद संख्या 190/2024 राज कुमार राम बनाम झारखंड सरकार एवं अन्य के क्रम में राज कुमार राम, सेवानिवृत पदचर की सेवा नियमित एवं सम्पुष्ट किये जाने एवं अनुमान्य वित्तीय लाभ दिए जाने की स्वीकृति दी गई।

उन्होंने बताया कि झारखंड उच्च न्यायालय में दायर वाद डब्लूपीएस नंबर 7081/2023 विजय कुमार ठाकुर बनाम झारखंड राज्य एवं अन्य के आलोक में विजय कुमार ठाकुर, सेवानिवृत्त को वरीय अनुदेशक (तदर्थ रूप से नियुक्त), हस्तशिल्प संसाधन-सह-विकास केन्द्र, जमशेदपुर की सेवा नियमित करते हुए पेंशनादि लाभों की मंजूरी दी गई।

इसी प्रकार निर्माण कार्य श्रेणी की गुड्स एंड सर्विस टैक्स (जीएसटी) दर में वृद्धि (12.00 प्रतिशत के स्थान पर 18.00 प्रतिशत) के परिप्रेक्ष्य में नगर विकास एवं आवास विभाग के तहत कार्य संविदाओं में भुगतान-अंतर राशि देयता के लिए प्रक्रिया निर्धारण की स्वीकृति दी गई।

उन्होंने बताया कि राज्य में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाले शिक्षकों, छात्रों, प्रशासकों एवं संस्थानों को सम्मानित करने के उद्देश्य से 'झारखंड राज्य उच्चतर शिक्षा पुरस्कार योजना लागू करने की मंजूरी दी।

उन्होंने बताया कि झारखंड उच्च न्यायालय, डब्लूएस नंबर 4074/2016, रश्मि प्रसाद बनाम राज्य सरकार एवं अन्य तथा डब्लूपीएस नंबर 4418/2016, दीपक कुमार बनाम राज्य सरकार एवं अन्य वाद में 23 जनवरी 2024 को पारित आदेश के अनुपालन में वादी की स्नातक प्रशिक्षित वेतनमान में नियुक्ति के अनुमोदन के लिए गैर-सरकारी सहायता प्राप्त भाषायी अल्पसंख्यक विद्यालय, श्री डोरण्डा बालिका उच्च विद्यालय, में सहायक शिक्षकों के दो छाया पद, 26 फरवरी, 2009 से 31 दिसम्बर, 2017 तक की अवधि के लिए सृजन की स्वीकृति दी गई।

सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में दो नक्सली ढेर

संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच बुधवार को हुई मुठभेड़ में दो नक्सली ढेर हो गए है। घटना स्थल से दो इंसास राइफल बरामद किए गए हैं।

बताया जा रहा है कि बुधवार की सुबह चाईबासा के सोनुवा थाना क्षेत्र के बिलाटी टोला के पास स्थित जंगल में झारखंड पुलिस, सीआरपीएफ और झारखंड जगुआर के जवानों की टीम संयुक्त रूप से जंगल में सर्च ऑपरेशन के लिए निकली थी।

इसी दौरान उनका नक्सलियों के साथ आमना-सामना हो गया। पुलिस को देखकर नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद सुरक्षाबलों ने भी मोर्चा संभाला और जवाबी फायरिंग शुरू की।

सुरक्षाबलों को भारी पड़ता देख नक्सली मौके से जंगल का फायदा उठाकर भागने लगे। सर्च अभियान के दौरान अभी तक दो नक्सलियों का शव बरामद किया गया है, जिसमें एक महिला और एक पुरुष शामिल है।

मौनी अमावस्या > महाकुम्भ में संगम की रेती पर हिलोरें मार रहा आस्था का सागर

संगम में 2.78 करोड़ श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

एजेंसी

महाकुम्भनगर। मौनी अमावस्या पर्व पर अमृत स्नान की इच्छा से बड़ी संख्या में आये श्रद्धालुओं से प्रयागराज महाकुम्भ पट चुका है। पूरा मेला क्षेत्र श्रद्धालुओं के जयकारे से गूंज रहा है। संगम की रेती पर आस्था का सागर हिलोरें मार रहा है। श्रद्धालु संगम में डुबकी लगाने के बाद दान पुण्य कर रहे हैं। श्रद्धालु शांतिपूर्ण तरीके से स्नान कर रहे हैं। मेला प्रशासन के अनुसार मौनी अमावस्या के दिन सुबह 08 बजे तक 2.78 करोड़ श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगायी है। जिसमें कल्वास की संख्या 10 लाख शामिल है।

त्रिवेणी की ओर जाने वाले सभी

मार्गों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के जत्थे जा रहे हैं। वहीं स्नान कर श्रद्धालु अपने गंतव्य की ओर रवाना भी हो रहे हैं। श्रद्धालुओं की सेवा में स्थान-स्थान पर लंगर भी लगाये गये हैं। भीड़ को देखते हुए पुलिस ने शहर की सड़कों पर बाइन न चलाने की अपील की है। शहरी क्षेत्र की सभी पार्किंग पहले ही फुल हो चुकी हैं। बाहर से चार पहिया लेकर आने वाले श्रद्धालुओं को शहर से बाहर ही रोका जा रहा है।

निर्देशों का पालन करने की अपील

महाकुम्भ नगर पहुंचे श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपील की है कि श्रद्धालुगण मां गंगा के जिस भी घाट के समीप हैं, वहीं स्नान करें, संगम नोज की ओर जाने का प्रयास न करें। उन्होंने सभी से मेला प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की अपील की है। जूना पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि ने अपील की है कि भारी भीड़ के कारण हमें जहां भी स्थान मिले अमृत स्नान करें। आज अमृत स्नान की शोभा यात्रा स्थगित की है। परमेश्वर सभी का कल्याण करें। स्वामी रामभद्राचार्य ने महाकुम्भ में आने वाले श्रद्धालुओं से अपील की कि वे सभी संगम में स्नान का आग्रह छोड़ दें और निकटतम घाट पर स्नान करें। लोग अपने शिविर से बाहर न निकलें। अपनी और एक दूसरे की सुरक्षा करें।

सावधानी पूर्वक स्नान करें : बाबा रामदेव

बाबा रामदेव ने कहा है कि करोड़ों श्रद्धालुओं के इस हुजूम को देखते हुए सभी से आग्रह किया कि हम भक्ति के अतिरेक में न बहें और आत्म अनुशासन का पालन करते हुए सावधानी पूर्वक स्नान करें। जूना अखाड़े के संरक्षक स्वामी हरिगिरि महाराज ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वह प्रयागराज के किसी भी घाट पर डुबकी लगायें उन्हें संगम स्नान का ही पुण्य मिलेगा।

घरेलू नौकरों की सुरक्षा का मामला

कानून बनाने को पैनल गठित करे केंद्र सरकार : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने घरेलू काम-काज करने वालों के शोषण को रोकने का कानून बनाने के लिए केंद्र सरकार को छह महीने में एक पैनल गठित कर कानून की रूपरेखा तय करने का आदेश दिया है। जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि घरेलू कामगार देश के कार्यबल (वर्कफोर्स) का अहम हिस्सा हैं, लेकिन न तो उन्हें श्रम कानूनों के दायरे में रखा गया है और न ही कोई अन्य कानून उनके हितों की रक्षा के लिए बना है। इस वजह से घरेलू कामगार अपने नियोक्ताओं और एजेंसियों के हाथों शोषित होने के लिए मजबूर हैं।

कोर्ट ने श्रम मंत्रालय, महिला एवं बाल कल्याण, सामाजिक न्याय और अधिकारिता और विधि मंत्रालय को निर्देश दिया कि वे आपस में विचार विमर्श कर घरेलू कामगारों के लिए कानून की रूपरेखा सुझाने के लिए विशेषज्ञ कमेटी का गठन करें। विशेषज्ञों की कमेटी छह हफ्ते में अपनी रिपोर्ट देगा।

सुप्रीम कोर्ट उत्तराखंड की एक घरेलू कामगार के मामले पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें घरेलू कामगार ने अपनी तनख्वाह नहीं मिलने पर अपने मालिक पर मुकदमा दर्ज कराया।

संक्षिप्त खबरें

राज्यसभा सांसद महुआ माजी के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन मामले में चार्जशीट दाखिल

रांची। राज्यसभा सांसद महुआ माजी के खिलाफ चुनाव आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन से जुड़े मामले में जांच अधिकारी ने अपनी जांच पूरी कर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी चंदन की अदालत में चार्जशीट दाखिल कर दी है। अदालत ने इस पर संज्ञान लेते हुए 15 फरवरी की तारीख उपस्थिति के लिए निर्धारित की है। चार्जशीट में आरोप प्रथम दृष्ट्या सही पाए गए हैं। मामला विधानसभा चुनाव के दौरान सरकारी बिजली खंभों पर महुआ माजी के बैनर और पोस्टर लगाने से जुड़ा है। इस संबंध में हिंदपीढ़ी थाने में कांड संख्या 122/2024 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मामले में पुलिस ने महुआ माजी से पूछताछ की थी, जिसके बाद थाने से ही उन्हें जमानत दे दी गई थी।

फॉर्म भरने के नाम पर 2 से 3 हजार रुपए लेकर प्रोविजनल एडमिशन का धंधा शुरू

रांची। झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय राय ने विभिन्न स्कूलों द्वारा प्रोविजनल एडमिशन के नाम पर बच्चों पर दबाव बनाने के खिलाफ आवाज उठाई है। श्री राय ने कहा है कि मैट्रिक एग्जाम शुरू होने से पहले ही स्कूलों द्वारा फॉर्म भरने के नाम पर लगभग 2 हजार से लेकर 3 तक रुपए लेकर प्रोविजनल एडमिशन का धंधा शुरू कर दिया गया है, जो बच्चों के लिए मानसिक दबाव का कारण बन रहा है। उन्होंने कहा है कि यह बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है और इसका विरोध किया जाना चाहिए। इस तरह से स्कूल बच्चों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ करने के साथ साथ उनकी मानसिक क्षमताओं का शोषण कर उन्हें अपने अनुसार काम करने के लिए मजबूर कर रही है जो गलत है। जब नामांकन फाइनल परीक्षा के बाद ही कंफर्म होने हैं तो पहले से प्रोविजनल नामांकन लेना कहां तक जायज है? श्री राय ने कहा है कि बच्चों के ऊपर मानसिक दोहन के खिलाफ लड़ने के लिए हमें एकजुट होना होगा। उन्होंने कहा है कि हमें बच्चों के अधिकारों की रक्षा करनी होगी और उन्हें सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण प्रदान करना होगा तभी वह निर्भीक होकर अपना पठन-पाठन कर सकते हैं। एसोसिएशन इस मामले में अभिभावकों के साथ खड़ा है और सरकार से आग्रह करता है कि वह इस मामले में हस्तक्षेप करे और स्कूलों को प्रोविजनल एडमिशन के नाम पर बच्चों पर दबाव बनाने से रोके।

डॉ.शमसेर बहादुर सिंह ने इंटर की पुस्तक को मारवाड़ी स्कूल को दिया

रांची। एस एस मेमोरियल महाविद्यालय में बुधवार को प्राचार्य डॉ.बी.पी.वर्मा के द्वारा भौतिकी विभाग के पूर्व बिभागाध्यक्ष डॉ.शमसेर बहादुर सिंह द्वारा दी गई इंटर की पुस्तक को मारवाड़ी स्कूल को दी गईं जिससे बच्चों को अध्यन अध्यापन में काम आ सके पाठ्य पुस्तक वितरण कार्यक्रम के डॉ.बी.पी.अखौरी बिभागाध्याक भौतिक के नेतृत्व में पाठ्य पुस्तक वितरण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसमें डॉ.आर.एन.सिंह और प्रो.रुकैया प्रवीन का सहयोग रहा। मारवाड़ी विद्यालय की ओर से प्रध्यापक रामेश्वर सेठ सभी पुस्तक को प्राचार्य से प्राप्त किया। इस मौके पर डॉ. समर सिंह ,डॉ.बि.पी.अखौरी, डॉ.आर.एन. डॉ अनिल वीरेंद्र कुल्लू डॉ त्रिभुवन शाही, डॉ. संगीता कुमारी डॉ. लक्ष्मी कुमारी डॉ. रुकैया परवीन मौजूद रही।

नगर निगम चुनाव को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष ने की बैठक

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की अध्यक्षता में बुधवार को कांग्रेस भवन में एक बैठक हुई। बैठक में रांची में आसन्न नगर निकाय चुनाव को लेकर मंथन किया गया। बैठक में रांची जिला ग्रामीण अध्यक्ष, प्रदेश अग्रणी संगठन विभाग के अध्यक्ष, चेयरमैन व अन्य नेता शामिल हुए।

खाटू नरेश की हुई विशेष पूजा-अर्चना

रांची। मौनी अमावस्या के मौके पर हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में खाटू नरेश का महास्नान अनुष्ठान पर्व भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ। इस मौके पर सुबह 5:00 बजे मंदिर के पट खोले गए। 5:30 बजे की मंगला आरती के बाद बाबा श्याम एवं सभी देवी देवताओं महास्नान अनुष्ठान मंदिर के आचार्यों द्वारा किया गया। पश्चात बाबा श्याम को नवीन पोशाक पहनाकर पुष्पों से सजाया गया। तत्पश्चात बाबा श्याम को पंचमेवा का भोग लगाया गया एवं पंचदीप के विशेष श्रृंगार आरती करके भक्तों के बीच महास्नान चरणामृत एवं प्रसाद वितरित किया गया। खाटूधाम के श्री श्याम मंदिर की परंपरा अनुसार हरमू रोड रांची के श्री श्याम मंदिर में खाटू श्याम का बसंत पंचमी पर्व उत्सव रविवार 2 फरवरी को धूमधाम से मनाया जाएगा । उत्सव के दिन बाबा श्याम का केसरिया बागा अंग वस्त्र भक्तों के बीच प्रसाद स्वरूप वितरित किया जाएगा।

लोकमाता अहिल्याबाई होलकर नारी शक्ति, न्याय और जनकल्याण की अप्रतिम प्रतीक : राज्यपाल

संवाददाता

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होलकर नारी शक्ति, न्याय और जनकल्याण की अप्रतिम प्रतीक है। उन्होंने कहा कि वे केवल एक कुशल प्रशासिका ही नहीं, बल्कि सेवा, त्याग और परोपकार की प्रतिमूर्ति थीं।

राज्यपाल बुधवार को राष्ट्र सेविका समिति और रांची विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आर्यभट्ट सभागार में आयोजित लोकमाता अहिल्याबाई होलकर त्रिशताब्दी जयंती समारोह के अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि शिक्षा, कला, संस्कृति और धर्म के संरक्षण के लिए उन्होंने अनुकरणीय कार्य किए। उनकी शासन-व्यवस्था पूर्णतः प्रजा के हितों पर केंद्रित थी, जिससे समाज को नई दिशा प्रदान की।

राज्यपाल ने काशी विश्वनाथ मंदिर एवं अन्य धार्मिक स्थलों के पुनर्निर्माण में लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के ऐतिहासिक योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जब हम आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत की ओर अग्रसर हैं, तब अहिल्याबाई जैसी महान विभूतियों के योगदान से हमें नई प्रेरणा मिलती है।

राज्यपाल ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई का जीवन न केवल प्रशासनिक दक्षता, बल्कि परोपकार और नारी सशक्तिकरण का भी सर्वोत्तम उदाहरण है। उन्होंने इस समारोह के आयोजन के लिए राष्ट्र सेविका समिति एवं रांची विश्वविद्यालय को बधाई देते हुए विश्वास प्रकट किया कि यह प्रयास लोकमाता अहिल्याबाई की प्रेरणादायी गाथा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने में सहायक सिद्ध होगा। मौके पर कई लोग मौजूद थे।

सरकार जनजातीय संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है : चमरा लिंडा

संवाददाता

रांची। कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने कहा कि सरकार, झारखंड की जनजातीय संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है। झारखंड की जनजातीय कला और संस्कृति को संजोने और जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के गौरवशाली इतिहास को चित्रों के माध्यम से प्रदर्शित करने के उद्देश्य से ही राज्य-स्तरीय जनजातीय चित्रकार शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

वह बुधवार को डॉ. राम दयाल मुंडा जनजातीय कल्याण शोध संस्थान परिसर, मोराबादी, रांची में राज्य-स्तरीय जनजातीय चित्रकार शिविर का उद्घाटन कर रहे थे । यह ऐतिहासिक आयोजन जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार एवं झारखंड सरकार के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है।

मंत्री ने कहा कि झारखंड के जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों का संघर्ष हमारी अस्मिता और प्रेरणा का प्रतीक है। उनकी शौर्यगाथा को कला के माध्यम से जन-जन तक

पहुंचाना बेहद आवश्यक है। इस चित्रकार शिविर के माध्यम से हमें उन वीर सेनानियों की वीरता को पुनः जीवंत करने का अवसर मिला है।

साथ ही झारखंड का जनजातीय समाज हमेशा से अपनी कला, संस्कृति और संघर्षशीलता के लिए जाना जाता है। यहां के कलाकारों की प्रतिभा अद्भुत है और यह शिविर उन कलाकारों को एक मंच प्रदान करेगा जिससे, वे अपनी कला के माध्यम से इतिहास को संजो सकें।

इस वर्ष धरती आबा बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती का ऐतिहासिक उत्सव मनाया जा रहा है। इस उपलक्ष्य में झारखंड के वीर जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के चित्रांकन के लिए यह चार दिवसीय जनजातीय चित्रकार शिविर (29 जनवरी से 1 फरवरी 2025) आयोजित किया गया है। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य झारखंड की वीरभूमि से जुड़े जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों जैसे बिरसा मुंडा, सिद्धू-कान्हू, चांद-भैरव, तिलका मांझी, वीर बुधु भगत, नीलांबर-पीतांबर सहित अन्य अमर योद्धाओं के संघर्ष और योगदान को चित्रों के माध्यम से जीवंत करना है।

इस शिविर में झारखंड के कोने-कोने से आए वरिष्ठ एवं युवा जनजातीय चित्रकार हिस्सा ले रहे हैं। प्रतिभागी कलाकार अपने चित्रों के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम के महानायकों की गाथाओं को जीवंत रूप देंगे। चित्रकला की विभिन्न शैलियों, जैसे सोहराई, कोहबर, पिठौरा, गोंड, वारली और अन्य जनजातीय कला रूपों का प्रयोग किया जाएगा, जिससे झारखंड की समृद्ध कला परंपरा को भी बल मिलेगा।

शिविर के अंत में सभी चित्रों को एक विशेष प्रदर्शनी के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा, जिसमें झारखंड के स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े चित्रों को प्रदर्शित किया जाएगा। इन चित्रों को झारखंड के विभिन्न सरकारी कार्यालयों, संग्रहालयों और सार्वजनिक स्थलों पर स्थापित करने की योजना बनाई जा रही है, जिससे आने वाली पीढ़ियां अपने इतिहास से अवगत हो सकें। लिंडा ने यह भी घोषणा की, कि झारखंड सरकार राज्य के जनजातीय कलाकारों को हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य के जनजातीय कलाकारों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए सरकार कई योजनाओं पर कार्य कर रही है।

इस आयोजन को लेकर जनजातीय समाज में विशेष उत्साह देखने को मिला।

राज्य में निर्माणाधीन 19 कोल्ड स्टोरेज का कार्य समय पर हो पूरा : शिल्पी नेहा तिर्की

संवाददात

रांची। कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने विभाग से जुड़े भवनों के निर्माण कार्य में गुणवत्ता पर जोर देने का निर्देश दिया है। नेपाल हाउस में भवन निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ बुधवार को बैठक के दौरान मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने राज्य में निर्माणाधीन 19 कोल्ड स्टोरेज का कार्य समय सीमा के अंदर पूर्ण करने को कहा है। बैठक के दौरान इस बात पर जोर दिया गया कि नये भवन के निर्माण कार्य के साथ- साथ पहले से बन कर तैयार भवन का भी रख रखाव जरूरी है। खासकर कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग से जुड़े लैंप-पैक्स के लिए ये निर्देश ज्यादा जरूरी है।मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि कृषि उत्पाद के स्टोरेज से जुड़े भवनों का निर्माण कार्य तय समय सीमा के अंदर होनी चाहिए। राज्य में जर्जर लैंप-पैक्स के स्थान पर नये भवन का निर्माण समय की आवश्यकता है। राज्य में निर्माणाधीन 19 कोल्ड स्टोरेज के साथ-साथ छोटे कोल्ड स्टोरेज की भी समीक्षा की गई। राज्य में पर्याप्त संख्या में कोल्ड स्टोरेज नहीं होने से कृषि उत्पाद , फल , सब्जी के रख रखाव में किसानों को परेशानी हो रही है। ऐसे कोल्ड स्टोरेज के निर्माण के क्रम में गुणवत्ता पर सबसे ज्यादा जोर देने का निर्देश दिया गया है। बैठक में मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि इस बार मौसम अनुकूल रहने की वजह से धान की अच्छी पैदावार हुई है। मोटा अनाज और दलहन की भी पैदावार पहले की तुलना में बेहतर है। किसानों को समय पर बीज वितरण के लिए राज्य में स्टोरेज की बेहतर व्यवस्था होनी चाहिए। इसके लिए विभाग को भवन की जरूरत है और भवन निर्माण विभाग को इसके लिए समय सीमा के अंदर भवन उपलब्ध कराना होगा।

डीएवी लिटरेचर कान्क्लेव का हुआ आयोजन

साहित्य कला ही मनुष्य और पशु के बीच का अंतर स्पष्ट करती है: प्रचार्य

वरीय संवाददाता

रांची। डीएवी पब्लिक स्कूल हेहल में बुधवार को डीएवी लिटरेचर कॉन्क्लेव का आयोजन हुआ। यह आयोजन डीएवी सेंटर फॉर अकैडमिक एक्सीलेंस एवं डीएवी यूनाइटेड फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अतिथि प्रोफेसर डॉ. गौरी शंकर झा (सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग, रांची विवि), प्रोफेसर डॉ. श्रेया भट्टाचार्जी (डीन, स्कूल ऑफ लैंग्वेज, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड), प्रोफेसर डॉ. प्रकाश चंद्र पांडा (मुख्य प्राध्यापक, अंग्रेजी विभाग, उषा मार्टिन यूनिवर्सिटी,) एवं डॉ. सैकत बैनर्जी थे। विद्यालय के प्राचार्य एस. के. मिश्रा ने अतिथियों का स्वागत सैपलिंग एवं शॉल भेंट कर किया। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि साहित्य ही मानव जीवन को उत्कृष्टता प्रदान करता है। साहित्य कला ही मनुष्य और पशु के बीच का अंतर स्पष्ट करती है तथा यह मानवता एवं सृजनात्मकता को विकसित करने में सहायक होती है। एम के सिन्हा ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए साहित्य का अध्ययन अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने इसे किसी भी राष्ट्र की आत्मा बताया। गोष्ठी में उपस्थित अंग्रेजी साहित्य के विद्वानों ने विद्यार्थियों को अंग्रेजी साहित्य के महत्व एवं भाषा कौशल को विकसित करने के तरीकों पर गहन प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि साहित्य आत्मानुभूति को जागृत करता है, रचनात्मक क्षमता को बढ़ाता है तथा सभ्यता और संस्कृति का संवाहक होता है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रतिदिन डायरी लेखन, सरल अंग्रेजी वाक्यों का प्रयोग, एवं अच्छी पुस्तकों के अध्ययन की सलाह दी। गोष्ठी के दौरान विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक पी.एस. दास द्वारा रचित पुस्तक हाइकू का भी विमोचन किया गया।

कार्यक्रम में ये रहे शामिल

एस के मिश्रा, प्राचार्य डीएवी पुंदाग, पी के झा,प्राचार्य डीएवी,गांधीनगर, शिक्षक ए.के.अमरेश, एन.के.दुबे,पी. एस. दास, एन. सी. पाढ़ी, वी.के. पांडेय,सोवन देव चक्रवर्ती,सुमन झा, स्मृति सिंह मौसमी मजूमदार एवं सर्वजीत मिश्रा उपस्थित थे।

ब्राउन शुगर तस्करी के चार आरोपी गिरफ्तार

कुल 17.48 ग्राम ब्राउन शुगर, स्कूटी,बाइक और तीन फोन जब्त

वरीय संवाददाता

रांची। सुखदेव नगर थाने की पुलिस ने ब्राउन शुगर तस्करों के खिलाफ बड़ी कारवाई करते हुए इस धंधे से जुड़े चार तस्करों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के हत्थे चढ़ने वालों में अर्जुन शर्मा उर्फ शेरा, शैलेश कुमार उर्फ गांधी, रजनीश कुमार सिंह उर्फ राज सिंह उर्फ खैनी और रितेश कुमार उर्फ मिन्नी शामिल है वहीं पुलिस को देख एक अपराधी अनिमेश कुमार सिंह मौके से भाग निकला। इस संबंध में जानकारी देते हुए शहर एसपी राजकुमार मेहता ने बताया कि जिले के पुलिस कप्तान सह डीआईजी चंदन कुमार सिन्हा को गुप्त सूचना मिली थी की सुखदेव नगर थाना के आनन्दपुरी स्थित मछली चौक के आस पास नशे के सौदागरों द्वार ब्राउन शुगर की खरीद बिक्री हो रही है। सूचना मिलने के बाद सिटी एसपी राजकुमार मेहता के निर्देश पर कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय के नेतृत्व में थाना प्रभारी इंस्पेक्टर मनोज कुमार की टीम के साथ आनन्दपुरी मछली चौक के पास पुलिस ने छापा मारा जहां पर कुछ लोगों को जमा देखा गया, जिनकी नजर पुलिस पर पड़ते ही सभी भागने लगे, जिनमें से चार युवकों को जवानों ने खदेड़ कर दबोच लिया। जबकि एक युवक अनिमेष कुमार सिंह अंधेरे का फायदा उठा कर बच निकला।

उन्होंने बताया कि पुलिस गिरफ्त में आये तस्करों के पास से 49 पुड़ियों में बंद ब्राउन शुगर के सहितह कुल 17.48 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त किया है।

पूछताछ में सभी ने पुलिस को बताया कि ये लोग सासाराम की भाभी उर्फ रुबी देवी के पास से ब्राउन शुगर खरीद कर लाते हैं जिसे लालपुर थान क्षेत्र के करमटोली जगरनाथपुर, कोतवाली सहित कई थाना क्षेत्रों के अलावा स्कूल कॉलेज के छात्र छात्राओं से महंगे दामों में बिक्री कर रुपये कमाते हैं। आरोपियों बयान पर पुलिस ने गिरफ्तार चारो के अलावा अनिमेष कुमार सिंह और सासाराम की रहने वाली ब्राउन शुगर की हॉलसेल तस्कर भाभी जी उर्फ रुबी देवी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कारवाई कर रही है।

ओलंपियन सलीमा टेटे और निक्की प्रधान को मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने सौंपे भूखंड आवंटन के कागजात

संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने बुधवार को झारखंड मंत्रालय स्थित सभागार में आयोजित कार्यक्रम में हॉकी में राज्य और देश का नाम रोशन करने वाली ओलंपियन हॉकी खिलाड़ी सलीमा टेटे और निक्की प्रधान को रांची के हरमू स्थित आवासीय कॉलोनी में 3750 वर्ग फीट भूखंड आवंटन का कागजात सौंपा। राज्य सरकार ने आज आधिकारिक तौर पर झारखंड की दो बेहतरीन महिला हॉकी खिलाड़ी सलीमा टेटे एवं निक्की प्रधान के खेल उपलब्धियों को मान्यता देते हुए राजधानी रांची

में उनका अपना घर होने के सपने को आखिरकार पूरा कर दिया है। मुख्यमंत्री के द्वारा इन दोनों स्टार हॉकी खिलाड़ियों को हरमू आवासीय कॉलोनी के प्लॉट नंबर - 10 (बी) तथा 10 (ए) में 3750-3750 वर्ग फीट भूखंड आवंटन की हस्तगत प्रतियां आवास निर्माण के लिए उन्हें प्रदान की गई।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि आज उत्साह का दिन है। राज्य की दो होनहार हॉकी खिलाड़ी बेटियों का सम्मानित किया जा रहा है। हमारी बेटियों ने अपने हुनर और काबिलियत से सिर्फ राज्य का ही नही बल्कि पूरे देश का नाम रोशन किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले कई दशकों से झारखंड की बेटियों ने अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर देश और दुनिया में अलग पहचान बनाई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अपने प्रदर्शन की बदौलत कई बार हमारी बेटियों ने लोगों को आश्चर्यचकित किया है कि झारखंड जैसे पिछड़े और आदिवासी बहुत क्षेत्र जहां सीमित संसाधनों में तैयारी कर इतनी बड़ी सफलता हासिल की जा सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कई ऐसे मौकों पर देखने को मिला कि राज्य के खिलाड़ियों ने देश और दुनिया में अपनी प्रतिभाओं का लोहा मनवाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने खेल पर फोकस करते हुए नई रास्ता तलाशने का काम किया है जिससे यहां के युवाओं को अपनी प्रतिभा को निखारने का मौका मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने रांची में हॉकी के अंतरराष्ट्रीय मैच के साथ-साथ कई बड़ी-बड़ी खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन सफलतापूर्वक कर दिखाया है।

एचसीजी अब्दुर रज्जाक अंसारी कैंसर अस्पताल रांची ने पहली पिकलबॉल प्रतियोगिता आयोजित की

संवाददाता

रांची। भारत के प्रमुख कैंसर केयर नेटवर्क्स में से एक, एचसीजी ने विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर कैंसर सर्वाइवर्स और उनके परिवारों के लिए पिकलबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया। इस वर्ष की वैश्विक थीम यूनाइटेड बाय यूनिक के तहत, इस कार्यक्रम का उद्देश्य कैंसर सर्वाइवर्स की हिम्मत, सहनशक्ति और उनकी अनोखी यात्रा को सम्मान देना था, साथ ही खेल के माध्यम से एकजुटता की भावना को बढ़ावा देना था। इस टूर्नामेंट ने सर्वाइवर्स को एक-दूसरे से जुड़ने, दोस्ताना मुकाबले में हिस्सा लेने और अपने साहस का जश्न मनाने का अवसर दिया। इस कार्यक्रम की शोभा

बढ़ाने के लिए एचसीजी अब्दुर रज्जाक अंसारी कैंसर अस्पताल, रांची के मुख्य परिचालन अधिकारी, श्री सौरभ कांति मंडल उपस्थित रहे।

श्री सौरभ कांति मंडल, सीओओ, एचसीजी अब्दुर रज्जाक अंसारी कैंसर अस्पताल, रांची ने कहा एचसीजी कैंसर सेंटर रांची में, हमारा प्रयास केवल कैंसर के शारीरिक प्रभावों का इलाज करना ही नहीं, बल्कि मरीजों की भावनात्मक और सामाजिक मजबूती को भी बढ़ावा देना है। पिकलबॉल टूर्नामेंट का आयोजन इसी दिशा में हमारा एक प्रयास है, जिससे एक जीवंत और सहयोगी समुदाय का निर्माण हो सके। इस विश्व कैंसर दिवस पर, हम अपने कैंसर चैंपियंस की साहसिक यात्रा को सम्मानित करते हैं और उनके दृढ़ संकल्प, एकता और आशा की भावना को सलाम करते हैं।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, गुरुवार 30 जनवरी 2025

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

मौनी अमावस्या पर श्मशान काली की पूजा कर किया गया महाप्रसाद वितरण

बेरमो/ बोकारो। नगर परिषद फुसरो स्थित हिंदुस्तान पुल के निकट दामोदर नदी तट स्थित मां श्मशान काली मंदिर में बुधवार को माघी मौनी अमावस्या पर पूजा का आयोजन हुआ। यहां पुजारी राकेश पांडेय व बिट्टू पांडेय ने मां काली की पूजा अर्चना की। इसके बाद खिचड़ी महाप्रसाद का वितरण किया गया। यहां खिचड़ी महाप्रसाद का भोग अंगवाली निवासी आकाश मिश्रा एवं कल्याणी निवासी डीके गुहा व सिक्ता गुहा के द्वारा लगाया गया। पंडित राकेश पांडेय ने बताया कि माघी मौनी अमावस्या हिंदू धर्म में एक महत्वपूर्ण तिथि है। मौनी शब्द का अर्थ है मौन यानी चुप रहना। मौनी अमावस्या के दिन को मौन व्रत धारण कर ईश्वर के ध्यान में रहने वाला दिवस माना जाता है। कहा कि मौनी अमावस्या के दिन नदियों में स्नान और दान धर्म आदि कार्य करने से पापों का नाश होता है, व्यक्ति को परेशानियों और कष्टों से मुक्ति मिलती है। मौके पर सतीश सिंह, बेरमो चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष आर उनेश, कार्यकारी अध्यक्ष पिंटू सिंह, अनिल गुप्ता, रेणु सिन्हा, संजीव सिंह, देव कुमार सिंह, सुमित सिंह, सुशांत राइका, सोनू सिन्हा, कांति देवी, सूरज मित्तल, मुकेश कुमार आदि मौजूद थे।

रंजना राय ने महाकुंभ प्रयागराज में अपनी गायकी से बोकारो का नाम रौशन किया

बोकारो। शहर की प्रतिष्ठित लोकगीत कलाकार रंजना राय ने एक बार फिर अपनी गायकी का जलवा बिखेरते हुए इस्पातनगरी बोकारो का नाम महाकुंभ प्रयागराज में रोशन किया। संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से त्रिवेणी मंच पर आयोजित कार्यक्रम में रंजना राय ने पारंपरिक भजनों की मनमोहक प्रस्तुति दी, जिसे उपस्थित दर्शकों ने भरपूर सराहना दी। उन्होंने डम-डम डमरू बजावेला हमार जोगिया..., सखी फूल लोढी चलू फुलवरिया सीता के संग सहेलिया... का लेके शिव के मनाईंब हे शिव मानत नाही..., राधे कौन से पुण्य किए तूने... जैसे भजनों को प्रस्तुत कर माहौल को भक्तिमय बना दिया। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें कार्यक्रम के दौरान सम्मानित किया गया, और प्रशस्ति पत्र भेंटकर उनका सम्मान किया गया। अब श्रीमती राय आगामी 1 फरवरी को बनारस पिंड्रा महोत्सव और 2 फरवरी को गया बौद्ध महोत्सव में अपनी प्रस्तुति देंगी।

पं. गौरी शंकर ओझा पर्यावरण-मित्र पुरस्कार 2025 वितरण समारोह 31 को बोकारो में आयोजित होगा

संवाददाता

बोकारो। आगामी 31 जनवरी को अपराह्न 3:00 बजे से पं. गौरी शंकर ओझा पर्यावरण-मित्र पुरस्कार 2025 वितरण समारोह का भव्य आयोजन बोकारो के पर्यावरण-मित्र चौक, कैंप 2 मोड़ स्थित पर्यावरण-मित्र वाटिका में किया जाएगा। यह आयोजन स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण संस्थान द्वारा किया जा रहा है, और इसकी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा चुका है।

इस पुरस्कार समारोह का उद्देश्य उन व्यक्तियों और संस्थाओं को सम्मानित करना है जो झारखंड प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं। इस वर्ष यह पुरस्कार वितरण समारोह 17वां आयोजन है।

पुरस्कारों में मुख्य रूप से 'पं. गौरी शंकर ओझा पर्यावरण-मित्र पुरस्कार' प्रदान किया जाता है, साथ ही दो अन्य पुरस्कार भी दिए जाते हैं - 'पं. गौरी शंकर ओझा वृक्ष-मित्र पुरस्कार' और 'पं. गौरी शंकर ओझा जल-मित्र पुरस्कार', जो पर्यावरण के विभिन्न क्षेत्रों में किए गए योगदान के लिए प्रदान किए जाते हैं। संस्थान के महासचिव शशि भूषण ओझा मुकुल ने इस संदर्भ में बुधवार को एक प्रेसवार्ता आयोजित की, जिसमें उन्होंने बताया कि हर वर्ष यह पुरस्कार समारोह पर्यावरणविदों के प्रयासों को सम्मानित करता है, जो राज्य में पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और कार्यों के माध्यम से योगदान देते हैं।

इस बार पुरस्कार वितरण समारोह में झारखंड प्रदेश के विभिन्न जिलों से पर्यावरणविद और कई प्रमुख व्यक्ति सम्मिलित होंगे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथियों में पद्मश्री जमुना टुडू, रजनीश कुमार डीएफओ बोकारो, डॉ० अभय भूषण प्रसाद सिविल सर्जन बोकारो, कुमार प्रेमचंद प्रोग्राम ऑफिसर, यूनिसेफ झारखंड सहित अन्य प्रशासनिक पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। समारोह में तीन प्रमुख पर्यावरणविद गुलाब चंद प्रजापति, जंगल महतो, और प्रवीर कुमार का विशेष योगदान होगा, जो इस अवसर की शोभा बढ़ाएंगे। प्रेसवार्ता के दौरान संस्थान के कई प्रमुख पदाधिकारीगण भी मौजूद थे, जिनमें सुरेंद्र कुमार पांडेय, रघुवर प्रसाद, गणेश साव, बबलू पांडेय, रमण ठाकुर, विजय त्रिपाठी, मृणाल चौबे, राजेश्वर द्विवेदी, कंचन शर्मा, वीरेंद्र चौबे, अक्षय दुबे, अभय कुमार गोलू, रोहित सिंह, कुंदन उपाध्याय, अर्जुन पांडेय, संतोष कुमार, अनुराग मिश्र और यूपी सिंह प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इस समारोह का उद्देश्य झारखंड में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और पर्यावरण से जुड़े मुद्दों पर समाज को जागरूक करना है। संस्थान की ओर से किए गए इस आयोजन की सफलता की उम्मीद की जा रही है, और इसे लेकर आयोजकों के बीच उत्साह देखा जा रहा है।

एसडीओ और एसडीपीओ ने किया सम्मान समारोह सह वनभोज का आयोजन

संवाददाता

तेनुघाट/ बोकारो। अनुमंडल पदाधिकारी मुकेश मछुआ एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वशिष्ठ नारायण सिंह के द्वारा संयुक्त रूप से तेनुघाट छठघाट दामोदर नदी के तट पर बुधवार को सम्मान समारोह सह वनभोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बेरमो अनुमंडल अंतर्गत सातों प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी तथा सभी पुलिस निरीक्षक, थाना प्रभारी एवं ओपी प्रभारी सहित अनुमंडल कार्यालय में कार्य कर रहे लिपिक एवं कंप्यूटर ऑपरेटर तथा उपस्थित पत्रकारों को सम्मानित किया गया।

अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने बताया कि बीते 2024 के चुनाव में सभी अधिकारी के सामूहिक सार्थक प्रयास से बिल्कुल शांति पूर्ण ढंग से चुनाव संपन्न होने के बाद से मन में यह बात आई थी कि सभी अधिकारी, कर्मचारियों एवं पत्रकारों की मदद से अच्छे तरीके से चुनाव संपन्न हो पाया है। सभी अधिकारी व कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। वहीं पत्रकारगण को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। मौके पर पेटरवार प्रखंड विकास पदाधिकारी संतोष कुमार महतो, अंचल अधिकारी अशोक राम, बेरमो प्रखण्ड विकास पदाधिकारी मुकेश कुमार, अंचल अधिकारी संजीत कुमार सिंह, गोमिया प्रखंड विकास पदाधिकारी महादेव कुमार महतो, अंचल अधिकारी आफताब आलम, जरीडीह प्रखंड विकास पदाधिकारी सीमा कुमारी, अंचल अधिकारी प्रणव ऋतुराज, चंद्रपुरा प्रखंड विकास पदाधिकारी ईश्वर दयाल महतो, अंचल अधिकारी नरेश कुमार वर्मा, नावाडीह प्रखंड प्रशांत कुमार हेंब्रम, अंचल अधिकारी अभिषेक कुमार, गोमिया पुलिस निरीक्षक महेश प्रसाद सिंह, पेटरवार थाना प्रभारी राजुमुंडा, राजेश कुमार, अजीत कुमार सहित सभी थाना प्रभारी मौजूद थे। वहीं पत्रकार मुकेश कुमार महतो, शैलेश चंद्र, बीरेंद्र प्रसाद, सुभाष कटरियार, जीवन सागर, मुकेश कुमार, मिथलेश कुमार, प्रशांत कुमार सिन्हा, बॉबी राज, संजय कुमार, राज किशोर शर्मा, कोस्तुभ कृष आदि उपस्थित थे।

बोकारो विधायक श्वेता सिंह ने महाकुंभ मेले में त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाई

संवाददाता

बोकारो। बुधवार को मौनी अमावस्या के पावन अवसर पर बोकारो विधायक श्रीमती श्वेता सिंह ने अपने बोकारो परिवार के साथ प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ मेला पहुंचकर त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाई। महाकुंभ मेला हिंदू धर्म में अत्यंत महत्वपूर्ण धार्मिक आयोजन माना जाता है, जो हर 12 वर्षों में आयोजित होता है। श्रीमती श्वेता सिंह ने कहा कि महाकुंभ मेला देवताओं की राक्षसों पर विजय का प्रतीक है, यह धार्मिक आस्था, एकता और भाईचारे का महान उत्सव है। इस वर्ष का महाकुंभ मेला 13 जनवरी को शुरू हुआ और 26 फरवरी तक चलेगा। यह मेला विश्व का सबसे बड़ा शांतिपूर्ण जनसमागम है, जहां लाखों की संख्या में भक्त गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों में पवित्र डुबकी लगाते हैं। इन नदियों के जल को हिंदू धर्म में अत्यधिक पवित्र माना जाता है और इसे आत्मा की शुद्धि और

मोक्ष की प्राप्ति का साधन माना जाता है। महाकुंभ मेला न केवल भारत बल्कि विदेशों से भी लाखों पर्यटकों और तीर्थयात्रियों को आकर्षित करता है। इस वर्ष के महाकुंभ मेला में लगभग 40 करोड़ (400 मिलियन) आगंतुकों की उपस्थिति का अनुमान है। प्रयागराज में स्थित त्रिवेणी संगम के इस विशाल जलकुंभ में साधु संतों और मनीषियों का आशीर्वाद भी लिया जाता है। इस आयोजन के माध्यम से न केवल धार्मिक आस्था का पालन होता है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण का भी महत्वपूर्ण माध्यम बनता है। श्रीमती श्वेता सिंह ने त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाने के बाद बोकारो विधानसभा क्षेत्र की जनता की खुशहाली और उनके परिवारों के कल्याण की कामना की। उन्होंने कहा कि इस पवित्र अवसर पर उन्होंने भगवान से क्षेत्रवासियों के सुख, समृद्धि और शांति की प्रार्थना की।

महाकुंभ मेला का यह आयोजन न केवल भारतीय संस्कृति की धरोहर को जीवित रखता है, बल्कि दुनिया भर से श्रद्धालुओं और पर्यटकों को भारत के धार्मिक और सांस्कृतिक वैभव से परिचित कराता है।

तालाब की मिट्टी कटिंग के दौरान ट्रैक्टर पलटने से दो लोग घायल

बेरमो/ बोकारो। सीसीएल ढोरी क्षेत्र के सीएसआर मद से फुसरो नगर परिषद क्षेत्र वार्ड नंबर 20 अंतर्गत भोला नगर तालाब की मिट्टी कटिंग और सौंदर्यीकरण के दौरान ट्रैक्टर पलटने से दो लोग घायल हो गए। जबकि ट्रैक्टर चालक बाल-बाल बच गया। घटना बुधवार की शाम को घटी। यह तालाब सौंदर्यीकरण का कार्य बेरमो विधायक कुमार जयमंगल उर्फ अनूप सिंह की अनुशंसा पर किया जा रहा है। घटना के दौरान सीसीएल का कोई साइट इंचार्ज और न ही संवेदक मौजूद था। सुरक्षा को ताक पर रखकर मिट्टी कटिंग का कार्य जेसीबी मशीन, ट्रैक्टर चालकों और मजदूरों के भरोसे कराया जा रहा है। बताया जाता है कि जेसीबी से मिट्टी लोड लेने के बाद फेंकने के क्रम में ट्रैक्टर पलटी मार दिया जिसके कारण वहां मौजूद सुंदर रविदास गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि फुगल महतो को हल्की चोट लगी है। बताया जाता है कि ट्रैक्टर पलटने के दौरान चालक दूर फेंका गया जिससे वह बाल बाल बच गया।

चिन्मय विद्यालय में मातृ पूजन कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता

बोकारो। स्थानीय चिन्मय विद्यालय, बोकारो के तपोवन सभागार में आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंद सरस्वती के मार्गदर्शन में एक भव्य मातृ पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के कक्षा 3 से 5 तक के विद्यार्थियों ने अपनी माताओं के चरण धोकर, पुष्प अर्पित कर और आरती उतारकर मातृ भक्ति का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया। स्वामिनी संयुक्तानंद ने अपने संबोधन में मातृ पूजा की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मां के बिना जीवन की सृष्टि की कल्पना भी असंभव है। मातृ पूजन भारतीय संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है, जो न केवल माता-पिता के प्रति सम्मान और आदर को बढ़ावा देता है, बल्कि यह समाज में संस्कारों को सुदृढ़ करने का कार्य भी करता है। यह परंपरा नई पीढ़ी को माता-पिता की महत्ता से अवगत कराती है और पारंपरिक पारिवारिक मूल्यों को मजबूत करने में मदद करती है। स्वामिनी ने यह भी कहा कि

जीवन के हर मोड़ पर माता-पिता का आशीर्वाद, स्नेह और मार्गदर्शन हमारे साथ रहता है, इसलिए हमें जीवन भर अपने माता-पिता का हृदय से सम्मान करना चाहिए। कार्यक्रम की शुरूआत वेद मंत्रों के उच्चारण और गणेश वंदना से हुई। इसके बाद बच्चों ने अपनी माताओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उनके चरण धोकर उन्हें पुष्प अर्पित किए। उन्होंने अपनी माताओं के चरणों में सिर रखकर आशीर्वाद प्राप्त किया और इस अवसर पर अपनी भावनाओं को व्यक्त किया।

कार्यक्रम में विद्यालय के अध्यक्ष विश्वरूप मुखोपाध्याय, सचिव महेश त्रिपाठी, प्राचार्य सूरज शर्मा और उप-प्राचार्य नरेंद्र कुमार ने भी बच्चों को मातृ पूजन की शुभकामनाएं दी और इस महत्वपूर्ण परंपरा के महत्व को समझाया। इस आयोजन ने बच्चों को न केवल अपने माता-पिता के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करने का अवसर दिया, बल्कि भारतीय संस्कृति और पारंपरिक मूल्यों के प्रति उनका आदर भी बढ़ाया।

जेईई मेन- 1 : 653 अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा, 16 रहे अनुपस्थित

बोकारो। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की ओर से इंजीनियरिंग संस्थानों में नामांकन के लिए जारी संयुक्त प्रवेश परीक्षा मुख्य (जेईई मेन) के प्रथम सत्र के तहत बुधवार को बोकारो के दो परीक्षा केंद्रों पर कुल 653 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। जबकि, कुल 669 परीक्षार्थियों में से 16 कैंडिडेट अनुपस्थित रहे। एनटीए के सिटी को-आर्डिनेटर एवं डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ० ए एस गंगवार के अनुसार, अल्फा आईसीटी सेंटर में बने केंद्र में पहली पाली में कुल 221 में 214 कैंडिडेट ने परीक्षा दी, जबकि 07 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। इसी केंद्र पर दूसरी पाली में कुल 219 में 217 ने परीक्षा दी और 02 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार, आरआर टेक्नोलॉजी सेंटर पर पहली पाली में कुल 114 में 111 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 03 अनुपस्थित रहे। वहीं, दूसरी पाली में कुल 115 में 111 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी और 04 अनुपस्थित रहे।

झारखंड में शिक्षा व्यवस्था संकट में, जैक के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के पद रिक्त

संवाददाता

बोकारो। झारखंड में शिक्षा व्यवस्था की स्थिति गंभीर होती जा रही है, क्योंकि राज्य के महत्वपूर्ण शैक्षिक निकाय झारखंड अधिविद्य परिषद (जैक) में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के पद रिक्त पड़े हुए हैं। इन पदों पर नियुक्ति नहीं होने के कारण राज्य की शैक्षिक गतिविधियों में रुकावट आ रही है। आठवीं और नौवीं की परीक्षा स्थगित होने के बाद अब राज्य के 10वीं और 12वीं की वार्षिक परीक्षा के आयोजन को लेकर भी असमंजस की स्थिति बनी हुई है। यह स्थिति विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों के लिए चिंता का कारण बन गई है। झारखंड +2 शिक्षक संघ के अध्यक्ष योगेन्द्र प्रसाद ठाकुर ने इस गंभीर मुद्दे पर अपनी चिंता जताई और

राज्य सरकार से आग्रह किया कि जल्दी से जल्दी जैक के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के पदों पर नियुक्ति की जाए ताकि वार्षिक परीक्षाओं के आयोजन को लेकर उत्पन्न हुई अनिश्चितता को समाप्त किया जा सके। ठाकुर ने कहा कि राज्य के लगभग 22 लाख विद्यार्थियों का भविष्य इस मुद्दे पर निर्भर करता है और यदि यह समस्या हल नहीं होती, तो शिक्षकों को हर संभव कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। श्री ठाकुर ने कहा कि यदि यह स्थिति बनी रही, तो शिक्षक विद्यार्थियों के हित में सड़कों पर उतरने को भी मजबूर हो सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को धैर्य रखने का संदेश देते हुए कहा कि वे अपनी परीक्षा की तैयारी में कोई कमी न आने दें, क्योंकि शिक्षा का भविष्य ही राज्य के विकास में अहम भूमिका निभाता है। इस मुद्दे को लेकर झारखंड +2 शिक्षक संघ ने 30 जनवरी को शाम 6 बजे ट्विटर (अब एक्स) पर हैशटैग अभियान चलाने का आह्वान किया है, ताकि सरकार पर दबाव बनाया जा सके और जल्दी से इस समस्या का समाधान हो सके। संघ का कहना है कि समय पर वार्षिक परीक्षा का आयोजन न होने से अन्य महत्वपूर्ण प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे- नीट, जेईई, सीयूईटी और एचएमसीईटी आदि की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। इसका सीधा असर विद्यार्थियों की पढ़ाई और उनके भविष्य पर पड़ेगा, जो राज्य के विकास के लिए एक बड़ा संकट साबित हो सकता है।

एनटीपीसी जूनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी चैंपियनशिप

वेदांता ईएसएल तीरंदाजी अकादमी के राहुल महतो चयनित

संवाददाता

बोकारो। वेदांता ईएसएल तीरंदाजी अकादमी के प्रतिभावान राहुल महतो 44वीं एनटीपीसी जूनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी चैंपियनशिप के लिए चयनित हुए हैं। बूढ़ी बिनोर गांव के 17 वर्षीय राहुल महतो ने 10 से 17 फरवरी, 2025 तक पश्चिम बंगाल के बोलपुर में होने वाली 44वीं एनटीपीसी जूनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी चैंपियनशिप में झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे। उनकी यह उपलब्धि चैंपियन बनाने और जमीनी स्तर की प्रतिभाओं को बढ़ावा देने में वेदांता ईएसएल तीरंदाजी अकादमी की निरंतर सफलता को दशार्ती है।

राहुल की राष्ट्रीय मंच तक की यात्रा

राहुल की साधारण शुरूआत से राष्ट्रीय मंच तक की यात्रा उनकी सहनशीलता, समर्पण और वेदांता ईएसएल तीरंदाजी अकादमी द्वारा प्रदान की जाने वाली विश्व स्तरीय प्रशिक्षण के प्रभाव का एक सच्चा प्रमाण है। एसएमजी +2 हाई स्कूल

बिजुलिया में कक्षा 11 के छात्र राहुल चार सदस्यों के एक साधारण परिवार से आते हैं, जहां आर्थिक तंगी ने तीरंदाजी में उत्कृष्टता हासिल करने के उनके प्रयासों को कभी नहीं रोका। जून 2022 में अकादमी में शामिल होने के बाद से राहुल ने विशेषज्ञ कोचिंग के तहत अपने कौशल को निखारा है और खेल में असाधारण कौशल का प्रदर्शन किया है।

राहुल का उल्लेखनीय प्रदर्शन और उपलब्धियाँ

जमशेदपुर के जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित झारखंड जूनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी टीम चयन ट्रायल में उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन ने राज्य के शीर्ष प्रतियोगियों में उनका स्थान सुनिश्चित किया। 60 शीर्ष तीरंदाजों के खिलाफ प्रभावशाली 665 अंक हासिल कर राहुल इस क्षेत्र की सबसे प्रतिभाशाली प्रतिभाओं में से एक के रूप में उभरे। राहुल की सफलता ने उनके समुदाय में अपार गर्व की भावना जगाई है, जिससे खेल के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाने के लिए अकादमी की प्रतिबद्धता को बल मिला है। राहुल एनटीपीसी जूनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी चैंपियनशिप की तैयारी कर रहे हैं। वे अपने परिवार, अकादमी और समुदाय की आकांक्षाओं को अपने साथ लेकर चल रहे हैं। उनकी यह उपलब्धि पूरे देश के युवा एथलीटों के लिए प्रेरणा का स्रोत है, जो व्यक्तिगत और सामाजिक विकास के लिए उत्प्रेरक के रूप में खेलों की परिवर्तनकारी शक्ति को प्रदर्शित करती है।

राहुल की यात्रा दृढ़ता व समर्पण का एक शानदार उदाहरण

राहुल की उपलब्धि पर बोलते हुए ईएसएल स्टील लिमिटेड के सीएसआर प्रमुख कुणाल दरिपा ने कहा कि राहुल की यात्रा दृढ़ता और समर्पण का एक शानदार उदाहरण है। हमें उनकी उपलब्धियों पर बेहद गर्व है और हमें विश्वास है कि वह झारखंड को गौरवान्वित करते रहेंगे। उनकी सफलता युवा प्रतिभाओं को पोषित करने और उन्हें सर्वोत्तम संभव प्रशिक्षण और सहायता प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। उन्होंने कहा, वेदांता ईएसएल तीरंदाजी अकादमी राहुल महतो को इस अविश्वसनीय उपलब्धि के लिए बधाई देती है और उनके राष्ट्रीय अभियान में उनकी शानदार सफलता की कामना करती है। हमें विश्वास है कि वह झारखंड को गौरवान्वित करेंगे और अनगिनत युवा खेल उत्साही लोगों को अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित करते रहेंगे। उल्लेखनीय है कि सियालजोरी स्थित ईएसएल स्टील प्लांट परिसर में स्थापित वेदांता ईएसएल तीरंदाजी अकादमी ने लगातार खुद को उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में साबित किया है। महत्वाकांक्षी एथलीटों को पोषित किया है और उन्हें शीर्ष स्तरीय सुविधाओं और प्रशिक्षण से लैस किया है। चयन ट्रायल में भाग लेने वाले बोकारो के आठ प्रतिभागियों में से सात को अकादमी में प्रशिक्षित किया गया था। यह एक ऐसी उपलब्धि है, जो युवा प्रतिभाओं को विकसित करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करती है।

प्रशासन एकादश और पत्रकार एकादश के बीच दोस्ताना क्रिकेट मैच का आयोजन

संवाददाता

तेनुघाट/ बोकारो। जवाहर नवोदय विद्यालय तेनुघाट में बुधवार को प्रशासन एकादश और पत्रकार एकादश के बीच दोस्ताना क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। मैच में प्रशासन एकादश ने पत्रकार एकादश को रोमांचक मैच में हराया। खेले गए प्रशासन एकादश और पत्रकार एकादश मैच में खिलाड़ियों ने बढ़-चढ़कर प्रदर्शन किया। जिसे देखकर दर्शक काफी आनंद अनुभव किए। उक्त बातें पुरस्कार वितरण के समय बेरमो के अनुमंडल पदाधिकारी मुकेश मछुआ ने कही। वहीं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वशिष्ठ नारायण सिंह ने कहा कि आज का मैच काफी रोमांचक रहा। जिसमें प्रशासन एकादश ने पत्रकार एकादश को हराकर कप पर कब्जा जमाया। आज के मैच में हर क्षेत्र में प्रशासन एकादश हावी रहा। नवोदय विद्यालय के प्राचार्य विपिन कुमार ने कहा कि विद्यालय में प्रशासन एकादश और पत्रकार एकादश के बीच मैच खेला जाता है, जिसे देखकर हमारे विद्यालय के बच्चे काफी आनंद महसूस करते हैं। कहा कि प्रतियोगिता आयोजन में ओएनजीसी का भी बहुत बड़ा योगदान रहता है। ओएनजीसी के शुभम चौधरी ने कहा कि मैच में दोनों टीम के खिलाड़ियों ने काफी दमदार प्रदर्शन किया। कहा कि मैच में हार जीत तो होती ही है। पत्रकार एकादश के कप्तान सुभाष कटरियार ने कहा कि दोस्ताना मैच को देखकर यह लगा कि सही में हम सभी एक दूसरे के साथ दोस्ताना तरीके से पेश आते नजर आए।

संक्षिप्त खबरें

सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया

कथारा/ बोकारो। केबी कॉलेज बेरमो के प्रांगण में बुधवार को प्रभारी प्राचार्य प्रो. गोपाल प्रजापति की अध्यक्षता एवं नोडल पदाधिकारी डॉ० प्रभाकर कुमार के नेतृत्व में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया। जिसके तहत प्राचार्य ने शिक्षकों, शिक्षकेतर कर्मचारियों, छात्र छात्राओं तथा एनएसएस के स्वयं सेवकों को सड़क सुरक्षा जागरूकता की शपथ व संकल्प दिलवाया। जिनमें दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने, चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट लगाने, गति नियंत्रित रखने, शराब पीकर गाड़ी न चलाने, गाड़ी चलाते वक्त मोबाइल का प्रयोग न करने, ओवरटेकिंग से बचने, कान में इयर फोन लगाकर गाना न सुनने आदि से बचाव रखने की शपथ ली गई। सड़क सुरक्षा माह के नोडल पदाधिकारी डॉ० प्रभाकर कुमार ने बताया कि सड़क सुरक्षा माह 01 जनवरी से 31 जनवरी तक मनाया जा रहा है। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना व वाहन चालकों को यातायात नियमों की जानकारी देकर उन्हें जागरूक करना इस आयोजन का उद्देश्य है। वहीं कॉलेज गेट पर बिना हेलमेट पहने और बिना सीट बेल्ट लगाए वाहन चालकों को फूल माला पहनाकर उन्हें सुरक्षा नियमों का पालन करने का आग्रह किया गया।आईक्यूएसी कोऑर्डिनेटर डॉ० अरुण कुमार रॉय महतो ने बताया कि सड़क सुरक्षा का अनुपालन करना सभी के लिए अत्यंत जरूरी है। मौके पर प्रभारी प्राचार्य प्रो० गोपाल प्रजापति, डॉ० अरुण कुमार रॉय महतो, डॉ० साजन भारती, डॉ० प्रभाकर कुमार, डॉ० शशि कुमार, डॉ० विश्वनाथ प्रसाद, प्रो० पीपी कुशवाहा, प्रो० संजय कुमार दास, रवींद्र कुमार दास, सदन राम, रवि यादविंधु, मो. साजिद, दीपक कुमार राय, बालेश्वर यादव, शिव चन्द्र झा, कॉलेज के छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही।

सेवा और सम्मान संगठन की पहचान : अनुपमा

कथारा/ बोकारो। स्व० राजेंद्र प्रसाद सिंह स्मृति विचार मंच कथारा की ओर से सेवा और सम्मान के तहत बुधवार को कथारा चार नंबर दुर्गा मंडप के प्रांगण में गरीबों के बीच कंबल वितरण कर सैकड़ो लोगों को ठंड से बचाने का प्रयास किया गया। मुख्य अतिथि धनबाद लोकसभा क्षेत्र से महागठबंधन की प्रत्याशी रहीं एवं राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन की केंद्रीय उपाध्यक्ष सह बेरमो विधायक की धर्मपत्नी अनुपमा सिंह के हाथों वितरण कराया गया। लोगों को संबोधित करते हुए अनुपमा सिंह ने कहा कि सेवा और सम्मान संगठन की पहचान है। मेरे पूज्य पिता तुल्य स्व० राजेंद्र प्रसाद सिंह मजदूरों के कल्याण हेतु अपनी सेवा दिए। उनके किए गए कार्य से बेरमो झारखंड गौरवान्वित है। कहा कि मैं अपने स्व० पिता और अपने पति के पद चिन्हों पर चलकर जनकल्याण के कार्य में लगी हूं। बेरमो की जनता की आभारी हूं। कहा कि बेरमो की जनता ने विकास के नाम पर अपना मुहर लगाकर एक लंबी लकीर खींचने का कार्य किया है। जिससे विरोधी परस्त हैं। मजबूत और विकसित राज्य की कल्पना को लेकर कार्य करने को लेकर संकल्पित हूं। मेरे यूनियन के पदाधिकारी और सदस्यों के द्वारा मेरे पूज्य पिता तुल्य मजदूर मसीहा राजेंद्र बाबू की प्रतिमा लगाने के लिए आभारी रहूंगी।

सीओ ने इरकॉन के विरुद्ध जिला प्रशासन को सौंपी जांच रिपोर्ट

टंडवा/ चतरा। कठौतिया सड़क निर्माण में संवेदक की लापरवाही से संबंधित मामला दिशा की बैठक में उठाए जाने के बाद अंचल प्रशासन ने मामले की जांच रिपोर्ट जिला प्रशासन को सौंप दी है। यह मामला तब सामने आया जब मुखिया संघ के जिला अध्यक्ष अरविंद सिंह ने इरकॉन एजेंसी द्वारा धनगड़ा पंचायत के रक्शी में दोनों आवागमन वाले रास्तों को काट दिए जाने की समस्या को जिला प्रशासन के ध्यान में लाया था। इससे ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी हो रही थी, और वे इस मुद्दे पर प्रशासन से कार्रवाई की मांग कर रहे थे। जिला प्रशासन के निर्देश पर अंचल अधिकारी विजय दास ने पूरी स्थिति की जांच की और रिपोर्ट सौंप दी। राजस्व उप-निरीक्षक की स्थलीय जांच में यह मामला पूरी तरह से सही पाया गया। रिपोर्ट में बताया गया कि कच्चे रास्तों पर 5 से 6 इंच की भारी धूल जमा हो गई है, जिससे वाहनों के परिचालन के दौरान धूल उड़ने से लोगों को सांस लेने में कठिनाई हो रही है। इसके अलावा, बरसात के दिनों में इन रास्तों में कीचड़ जम जाता है, जिससे लोगों का चलना दूभर हो जाता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि संवेदक द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों का फोन तक रिसीव नहीं किया जाता। अब देखना यह है कि जिला प्रशासन इस मामले में संवेदक के खिलाफ किस तरह की आगे की कार्रवाई करता है, क्योंकि मामला पूरी तरह से प्रशासन के ध्यान में है और उसके हाथों में है।

फसल सुरक्षा को लेकर आयोजित प्रशिक्षण में जैविक खेती पर दिया गया जोर

गिद्धौर(चतरा)। गिद्धौर प्रखंड अंतर्गत पहरा पंचायत में फसल सुरक्षा योजना को लेकर पंचायत स्तरीय तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन बुधवार को किया गया। समापन कार्यक्रम मुखिया बेबी देवी के अध्यक्षता में आयोजित किया गया था। जिसमें पंचायत के किसान और किसान मित्र को पौध संरक्षण पदाधिकारी उमाशंकर प्रसाद द्वारा फसल सुरक्षा को लेकर कई जानकारियां देने के साथ जैविक तरीके से खेती करने और खाद के रूप में घनजीवामृत, जैविक केंचुआ खाद, नाडेप खाद्ध, दवा के रूप में नीमस्त्र, ब्रह्मास्त्र, अग्नि अस्त्र जैसे दवाई के बारे में बतलाया गया। इसके अलावे सभी घरेलू उपचार से बनाकर खेती में उपयोग करने की बात विस्तार पूर्वक बताई गई। मौके पर पंचायत सचिव चितरंजन शर्मा, बिटीएम प्रभात कुमार, मुखिया प्रतिनिधि मुकेश कुमार साव, किसान व किसान मित्र आदि उपस्थित थे।

ग्रामीणों ने लापता व्यक्ति की तलाश में पुलिस की निष्क्रियता के विरोध में किया रोड जाम

संवाददाता

गिरिडीह। तिसरी प्रखंड के सिंघो पंचायत निवासी विजय यादव (42 वर्ष) 27 जनवरी को गांव से लापता हो गए थे। उनकी पत्नी गीता देवी ने इस संदर्भ में तिसरी थाना में आवेदन दिया था, जिसमें गांव के एक व्यक्ति पर शक जताया गया था।

आवेदन देने के 24 घंटे बाद भी पुलिस द्वारा लापता व्यक्ति का कोई सुराग नहीं मिलने पर सिंघो गांव के ग्रामीणों ने पीड़ित परिवार के साथ मिलकर 29 जनवरी को सुबह 9 बजे से गिरिडीह मुख्य मार्ग पर जाम लगा दिया। यह जाम करीब दो घंटे तक चला, जिसके बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राजेंद्र प्रसाद मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों से घटना की जानकारी ली और पुलिस को अपना काम करने की सलाह दी। राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि यदि आवश्यक हुआ तो अपराधियों की पहचान के लिए सीआईडी कुत्ते का भी उपयोग किया जाएगा और कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सिंघो पंचायत के मुखिया हासिम अंसारी ने पुलिस से मामले की शीघ्र जांच करने की अपील की, अन्यथा आंदोलन की चेतावनी दी। वहीं, तिसरी दक्षिणी भाग के जिला परिषद सदस्य रामकुमार रावत ने कहा कि लापता व्यक्ति को पूर्व में भी जान से मारने की धमकी मिल चुकी थी, लेकिन पुलिस ने उस आवेदन पर कोई कार्रवाई नहीं की। इस पर उन्होंने अफसोस जताया और कहा कि यदि पुलिस समय रहते कार्रवाई करती तो शायद यह घटना नहीं घटती। गीता देवी ने बताया कि उनका पति 27 जनवरी की शाम गांव के बबुचंद यादव के साथ शराब की दुकान पर बैठा था, लेकिन घर लौटते समय वह गायब हो गया।

हाइवा वाहन मालिकों ने बैठक कर संगठन का विस्तार किया

संवाददाता

टंडवा/ चतरा। 23 जनवरी को विस्थापित-प्रभावित हायवा वाहन मालिकों की एक बैठक हुई थी, जिसमें इस संगठन को और भी मजबूत बनाने के लिए एक नई योजना बनाई गई। इसके बाद, मंगलवार को सेरनदाग फुटबॉल मैदान में एक और बैठक आयोजित की गई, जिसमें संगठन का विस्तार किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से संगठन के नए पदाधिकारियों का चयन किया गया। उपाध्यक्ष के रूप में कामाख्या प्रसाद साहु, सचिव के रूप में कृष्णकांत कुमार, उप सचिव के रूप में छोटेलाल कुमार, कोषाध्यक्ष के रूप में सुरेश कुमार और मीडिया प्रभारी के रूप में जितेन्द्र कुमार का चयन किया गया। नव निर्वाचित पदाधिकारियों को संगठन के अध्यक्ष होरिल कुमार साहु और अन्य उपस्थित लोगों ने माला पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर महावीर साहु, रितु साहु, सकेन्द्र साव, विकास कुमार, गणेश कुमार साहु, सुधांशु कुमार समेत कई प्रमुख सदस्य मौजूद थे।

ग्रामीणों ने अशोक भारती व खुशियाल दांगी की गिरफ्तारी के विरोध में वन विभाग कार्यालय का किया घेराव

वन विभाग पर तानाशाही का आरोप

ग्रामवासियों ने उठाई गिरफ्तारी को लेकर अविलंब रिहाई की मांग

संवाददाता

चतरा। झारखंड जंगल बचाओ अभियान के जिला प्रभारी और जेएलकेएम के नेता अशोक भारती तथा गिद्धौर निवासी खुशियाल दांगी की गिरफ्तारी के विरोध में स्थानीय ग्रामीणों ने वन विभाग कार्यालय का घेराव किया। सोमवार को यह प्रदर्शन शुरू हुआ, जब सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणों ने वन विभाग कार्यालय के मुख्य गेट को बंद कर दिया और लगभग डेढ़ घंटे तक प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का कहना था कि दोनों नेताओं की गिरफ्तारी अवैध थी और वन विभाग ने एकतरफा कार्रवाई की है। उनका यह भी कहना था कि राज्य सरकार आदिवासियों को वन अधिकार पट्टा देने की योजना चला रही है, और अशोक भारती इसी योजना को लेकर लोगों को जागरूक कर रहे थे।

लेकिन, सीओ और वन विभाग के अधिकारी बैठक में शामिल नहीं हुए, जिसके बाद यह घटना घटी। ग्रामीणों ने इस तानाशाहीपूर्ण कार्रवाई की कड़ी निंदा की और दोनों नेताओं की अविलंब रिहाई की मांग की। दक्षिणी वन प्रमंडल के पदाधिकारी मुकेश कुमार ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि दोनों लोग सरकारी कार्य में बाधा डाल रहे थे और वन विभाग के काम में हस्तक्षेप कर रहे थे, जिस कारण उन्हें गिरफ्तार किया गया।

इनर व्हील क्लब गिरिडीह ने 35 वें चार्टर डे पर किए कई सामाजिक कार्य

संवाददाता

गिरिडीह। इनर व्हील क्लब गिरिडीह ने 35वें चार्टर डे के अवसर पर कई महत्वपूर्ण सेवाकार्य किए। डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन अलकनन्दा बख्शी के मार्गदर्शन में क्लब द्वारा तीन जरूरतमंद लड़कियों को सिलाई मशीन प्रदान की गई, ताकि वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो सकें। इसके अलावा, एक जरूरतमंद व्यक्ति को व्हील चेयर भी दी गई।

इस अवसर पर होटल गार्डन व्यू में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें क्लब के विभिन्न सदस्य और अन्य सामाजिक संस्थाओं के लोग उपस्थित थे। क्लब की अध्यक्ष डॉ. रूपाश्री खैतान ने कार्यक्रम में आए सभी सम्मानित अतिथियों को पौधे देकर सम्मानित किया। क्लब सेक्रेटरी निवेदिता पोद्दार ने क्लब द्वारा अब तक किए गए कार्यों का ब्योरा प्रस्तुत किया। इस मौके पर दो नई सदस्याओं, रिया बादल और नीलम कंधवे का भी स्वागत किया गया।कार्यक्रम के दौरान डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन अलकनन्दा बख्शी ने क्लब के कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इनर व्हील क्लब की सक्रियता और सामाजिक कार्य समाज के प्रति एक प्रेरणा है। साथ ही, क्लब की पास्ट इंटरनेशनल एडिटर प्रभा रघुनंदन ने 35 वर्षों की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर क्लब के पुराने अध्यक्षों को भी सम्मानित किया गया।

महाकुंभ जाते समय बिहार के औरंगाबाद में रघुनाथ महथा का निधन

गिरिडीह। देवरी प्रखंड के जमडीहा पंचायत के पर्वतुडीह गांव के निवासी रघुनाथ महथा (65 वर्ष) का बुधवार को बिहार के औरंगाबाद में निधन हो गया। वह महाकुंभ के आयोजन में भाग लेने के लिए बिहार जा रहे थे। उनके निधन की खबर ने उनके परिवार और गांव में शोक की लहर दौड़ा दी। रघुनाथ महथा के निधन पर झामुमो नेता कृष्ण मुरारी शर्मा, त्रिपुरारी शर्मा, और कई अन्य ने गहरा दुख व्यक्त किया। वे अपने पीछे पत्नी, दो बेटे और दो बेटियों को छोड़ गए हैं। उनके निधन पर गांव के कई अन्य नेता और ग्रामीणों ने शोक व्यक्त किया है।

प्रखंड में समूह से जुड़े 6120 महिलाओं में 4 हजार रोजगार में

संवाददाता

गिद्धौर(चतरा)। गिद्धौर प्रखंड अंतर्गत जेएसएलपीएस के तहत जुड़कर महिलाएं सशक्त एवं स्वयं रोजगार से जुड़कर अपना व परिवार का भरण पोषण कर रही हैं। बताते चलें कि गिद्धौर प्रखंड में जेएसएलपीएस की शुरूआत 2018 ई से हुआ और अब तक 497 समूह बन चुका है। जिसमें कुल 6120 महिलाएं जुड़ी हुई हैं और लगभग 4000 से ज्यादा महिलाएं सशक्त हो स्वरोजगार से जुड़ गई हैं। इसका मुख्य कारण समूह को बैंक द्वारा सीसी लिकेज देना। प्राप्त जाकनारी के अनुसार पहले फेज में 497 समूह में 497 समूह को सीसी लिकेज दिया जा चुका है। दूसरा फेज में 350 समूह को एवं तीसरे फेज में 70 समूह को लोन की राशि प्राप्त हो चुकी है। समूह से जुड़ी महिलाएं समूह से कर्ज लेकर स्वयं को सशक्त करते हुए बैंक में सीसी लिकेज भी वापस कर रही हैं। जेएसएलपीएस से जुड़कर हडिया-मडिया बनाने वाली महिलाएं अब फूलों झानो के तहत पहले, दूसरे, तीसरे व चौथा फेज में लगभग 80 लाभुकों को लाभ दिया जा चुका है। जिसमें 56 महिलाओं को 11 महीने की ब्याज छुट दी गई है। जिससे महिलाएं और बेहतर तरीके से सशक्त हो रही हैं। समूह से जुड़कर सरकार द्वारा दी गई योजनाओं का लाभ भी उठा रहे हैं। जेएसएलपीएस के तहत बुजुर्ग स्वयं सहायता समूह का भी गठन किया जा रहा है। जिसमें 55 से 60 वर्ष की महिलाओं को एवं बुजुर्गों को जोड़ा जा रहा है। जिन्हें चक्रीय निधि के तहत 30000 का लाभ भी दिया जाएगा।

एक पोषण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया

गिरिडीह। बुधवार को अपग्रेडेड मिडिल स्कूल, लंबा, देविपुर ब्लॉक में अभिव्यक्ति फाउंडेशन की ग्रीन इवोल्यूशन टीम और वेल्थहंगरहिल्फे, जर्मनी के सहयोग से एक पोषण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को संतुलित आहार और स्वस्थ खानपान की आदतों के बारे में जागरूक करना था। कार्यक्रम का थीम था ₹तिरंगा थाली के माध्यम से पोषण पर जागरूकता₹, जिसमें छात्रों ने भारतीय ध्वज के रंगों का प्रतीकात्मक पालन करते हुए तिरंगा थाली बनाई, जो पोषण संतुलन और विविधता को प्रदर्शित करती थी। कार्यक्रम में 25 छात्रों ने भाग लिया और उनके द्वारा प्रस्तुत तिरंगा थाली ने पोषण के महत्व को समझाने में मदद की। इस कार्यक्रम का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ, जिसमें मुनना कुमार को प्रथम, आशा कुमारी को द्वितीय और अंजनी कुमारी को तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। बाकी सभी छात्रों को सांत्वना पुरस्कार दिए गए।

शाहनवाज हसन ने पत्थलगड़ा में दिवंगत पत्रकार चंदन तिवारी के परिवार से की मुलाकात

पत्थलगड़ा। झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन के संस्थापक और भारतीय श्रमजीवी पत्रकार संघ के राष्ट्रीय महासचिव शाहनवाज हसन ने एक दिवसीय दौरे के दौरान दिवंगत पत्रकार चंदन तिवारी के परिवार से मुलाकात की। इस दौरान, उन्होंने चंदन तिवारी की हत्या के मामले की सुनवाई और इसके कानूनी पहलुओं पर विचार-विमर्श किया। जेजेए के वरिष्ठ पदाधिकारी और स्थानीय पत्रकारों ने भी इस मौके पर पत्रकारिता की स्थिति पर चर्चा की और पत्थलगड़ा क्षेत्र में पत्रकारों की समस्याओं पर विचार किया। शाहनवाज हसन ने दिवंगत चंदन तिवारी के परिवार को न्याय दिलाने के लिए पूरी तरह से समर्थन देने की बात की। संगठन ने कहा कि वे इस मामले में आगे भी सक्रिय रूप से मदद करेंगे और चंदन तिवारी के हत्यारों को सजा दिलाने तक लड़ाई जारी रखेंगे। इस अवसर पर जेजेए के जिले के विभिन्न पदाधिकारी और पत्रकार भी मौजूद थे।

चंदन तिवारी हत्याकांड के आरोपियों को सजा दिलाने के लिए झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन ने एसपी से की मुलाकात

चतरा। दिवंगत पत्रकार चंदन तिवारी की हत्या के आरोपियों को न्याय दिलाने के लिए झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन के राष्ट्रीय महासचिव शाहनवाज हसन ने संगठन के अन्य सदस्यों के साथ चतरा एसपी से मुलाकात की। उन्होंने एसपी से शिकायत की कि छह साल बीत जाने के बावजूद हत्या के आरोपियों को दोषी साबित करने में पुलिस नाकाम रही है। शाहनवाज हसन ने कहा कि देश भर में पत्रकारों की हत्याओं के मामलों में 98 प्रतिशत आरोपियों को रिहा कर दिया गया है, और इसका मुख्य कारण पुलिस की लापरवाही और मिलीभगत है। उन्होंने पुलिस से मामले की गंभीरता से जांच और आरोपियों को सजा दिलाने की अपील की। एसपी विकास कुमार पांडेय ने पुलिस की ओर से किसी भी कोताही को न बरतने का आश्वासन दिया। इस मुलाकात के दौरान जेजेए के सदस्य और वरिष्ठ अधिवक्ता ने यह भी कहा कि वे दिवंगत पत्रकार के परिवार को कानूनी सहायता प्रदान करेंगे ताकि हत्यारों को सजा दिलाई जा सके।

अवैध बालू खनन पर रोक न लगाने को लेकर डमरगुरहा के ग्रामीणों ने आंदोलन की चेतावनी दी

संवाददाता

गिरिडीह। गिरिडीह जिले के डमरगुरहा गांव में अवैध तरीके से बालू खनन किए जाने के खिलाफ ग्रामीणों ने एक बड़ा विरोध प्रदर्शन किया। स्थानीय नेता राजेश यादव ने प्रेस बयान जारी करते हुए कहा कि बार-बार सूचना देने के बावजूद प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है, जिससे नदी और पर्यावरण का भारी नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों की आजीविका बालू के उठाव से जुड़ी हुई है, लेकिन अवैध तरीके से बालू उठाकर बिहार भेजा जा रहा है, जिससे स्थानीय लोगों को अपनी जरूरतों के लिए भी बालू नहीं मिल रहा। राजेश यादव ने कहा कि अगर प्रशासन तत्काल इस अवैध खनन पर रोक नहीं लगाता, तो उनका संगठन आंदोलन करेगा। उन्होंने विशेष रूप से स्थानीय विधायक, सांसद, और खनन विभाग से इस मामले पर ध्यान देने की अपील की। इस आंदोलन में डमरगुरहा और ताराटांड़ के कई ग्रामीणों ने हिस्सा लिया, जिन्होंने एकजुट होकर अपनी आवाज उठाई।

दुष्कर्म के आरोपी युवक को बेरमो पुलिस ने भेजा जेल

बेरमो/ बोकारो। बेरमो थाना कांड संख्या 12/25 में पीड़िता के साथ दुष्कर्म की घटना के आरोपी थाना क्षेत्र के मंजूर खान के पुत्र इमरान खान को बुधवार को गिरफ़्तार कर तेनुघाट जेल भेज दिया गया। थाना प्रभारी रोहित कुमार सिंह ने बताया कि बुधवार को युवती ने युवक पर दुष्कर्म का आरोप लगाकर थाना में लिखित आवेदन दिया था। जांच पडताल के बाद युवक को गिरफ़्तार कर जेल भेज दिया गया।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, गुरुवार 30 जनवरी 2025

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत धनबाद में निकाली गई मोटरसाइकिल रैली

धनबाद। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत परिवहन कार्यालय से एक जागरूकता मोटरसाइकिल रैली निकाली गई। इस रैली का उद्देश्य वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम की शुरूआत जिला परिवहन पदाधिकारी दिवाकर सी द्विवेदी, ट्रैफिक डीएसपी अरविंद कुमार सिंह और आरसीडी के कार्यपालक अभियंता मिथिलेश प्रसाद द्वारा हरी झंडी दिखाकर की गई। यह रैली परिवहन कार्यालय से प्रारंभ होकर लुबी सर्कुलर रोड, पूजा टॉकीज, डीआरएम चौक, कोर्ट मोड़, रणधीर वर्मा चौक से गुजरती हुई वापस परिवहन कार्यालय पहुंची। इस अवसर पर जिला परिवहन पदाधिकारी ने कहा कि सड़क सुरक्षा सभी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, और यह रैली लोगों को यातायात नियमों के पालन के प्रति जागरूक करने का एक प्रयास है। उन्होंने बताया कि चाहे कोई पैदल चल रहा हो, दोपहिया वाहन चला रहा हो या चारपहिया वाहन में यात्रा कर रहा हो, सभी को सड़क पर नियमों का पालन करना चाहिए। इस अवसर पर ट्रैफिक डीएसपी अरविंद कुमार सिंह ने कहा कि विगत एक माह से चल रहे इस अभियान का असर अब लोगों पर दिखने लगा है। विभाग द्वारा वर्षभर सड़क सुरक्षा से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाते हैं, जिससे लोग यातायात नियमों के महत्व को समझ सकें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जो वाहन चालक अब भी नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं, उनके खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। इस कार्यक्रम में आरसीडी के सहायक अभियंता पंकज कुमार, ओम प्रकाश, कनीय अभियंता अनिल कुमार, जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक सुनील कुमार, एमवीआई हरीश कुमार, शुभम कुमार, रोड इंजीनियरिंग एनालिस्ट अमरेश कुमार, आईटी विशेषज्ञ देवेंद्र कुमार और यातायात पुलिस कर्मी उपस्थित रहे।

पत्रकार इलेवन ने दोस्ताना क्रिकेट मैच में चिरकुंडा नगर परिषद को 9 विकेट से हराया

धनबाद। कुमारधुबी-ईस्ट स्थित क्रिकेट मैदान में बुधवार की सुबह खेले गए दोस्ताना क्रिकेट मैच में पत्रकारों की टीम पत्रकार इलेवन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चिरकुंडा नगर परिषद की टीम को 9 विकेट से पराजित किया।मैच की शुरूआत में पत्रकार इलेवन के कप्तान रामजी यादव ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए चिरकुंडा नगर परिषद की टीम ने निर्धारित 15 ओवरों में 128 रन बनाए। उनकी ओर से ईओ विजय कुमार हांसदा (48 रन) और सिटी मैनेजर मुकेश निरंजन (42 रन) ने शानदार पारियां खेलीं। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पत्रकार इलेवन की टीम ने मात्र 7.4 ओवरों में 1 विकेट के नुकसान पर 129 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। इस जीत में प्रिंस कुमार (79 रन), धर्मेंद्र शर्मा (28 रन) और दीपक सिंह (19 रन) ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। मैच समाप्त होने के बाद विजेता और उपविजेता टीम को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ईओ विजय कुमार हांसदा ने कहा कि इस दोस्ताना मैच का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि चिरकुंडा नगर को स्वच्छ रखने के लिए जागरूकता फैलाना भी था। उन्होंने नगरवासियों से अपील की कि वे अपने क्षेत्र को साफ-सुथरा रखने में सक्रिय भूमिका निभाएं और इस मुहिम में नगर परिषद का सहयोग करें। इस मैच में नगर परिषद और पत्रकारों की टीम के बीच जबरदस्त खेल भावना देखने को मिली। खिलाड़ियों ने न केवल बेहतरीन प्रदर्शन किया, बल्कि स्वच्छता को लेकर जागरूकता बढ़ाने के इस प्रयास में भागीदारी निभाकर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी भी निभाई।

संगठित होकर ही कार्य के लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है : मनोज भगत

संवाददाता

सिंदरी। बिरसा समिति परिसर में बुधवार को एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का नेतृत्व राज्य सचिव कामरेड मनोज भगत ने किया, जिसमें संगठन को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं के मनोबल को ऊंचा उठाने पर गहन चर्चा हुई। बैठक में राज्य के कई वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया और पार्टी के ढांचे, कार्यशैली और भविष्य की रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया। राज्य सचिव मनोज भगत ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी लक्ष्य को हासिल करने के लिए संगठन का

मजबूत होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जब तक हम संगठित नहीं होंगे, तब तक किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करना मुश्किल होगा। संगठन की मजबूती से ही किसी भी आंदोलन को दिशा दी जा सकती है और जनता की आकांक्षाओं को पूरा किया जा सकता है। पार्टी के स्वरूप पर चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि माले पार्टी की संरचना शाखा स्तर से शुरू होकर लोकल कमिटी, एरिया कमिटी, जिला कमिटी, राज्य कमिटी और केंद्रीय कमिटी तक विस्तृत होती है। यह संगठनात्मक व्यवस्था पार्टी के सुचारू संचालन और निर्णय लेने की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाती है। उन्होंने कार्यकताओं को बताया कि पार्टी के सुचारू संचालन के लिए सदस्यों से लेवी लेने का प्रावधान है, जिससे पार्टी के कार्यक्रम निर्बाध रूप से चलते रहें। उन्होंने बताया कि मासस के माले में विलय के बाद सदस्यता प्रक्रिया को पुनः सुव्यवस्थित किया जा रहा है। नए सदस्य बनने के लिए दो स्तरों पर प्रक्रिया अपनाई जा रही है– एक उम्मीदवार सदस्य और दूसरा पूर्ण सदस्य। उम्मीदवार सदस्य को छह महीने या एक वर्ष के भीतर पूर्ण सदस्य बनाया जाएगा, जिसके बाद वह संगठन की गतिविधियों में अधिक सक्रिय भूमिका निभा सकेगा।कार्यकताओं को संबोधित करते हुए मनोज भगत ने जोश भरते हुए कहा कि शोषण मुक्त समाज का निर्माण ही हमारा मुख्य उद्देश्य है। यह केवल संघर्ष के माध्यम से ही संभव हो सकता है। उन्होंने कहा कि यदि सभी कार्यकर्ता पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ संघर्ष करेंगे, तो संगठन को और अधिक मजबूती मिलेगी और समाज में बदलाव लाने की दिशा में हम एक बड़ा कदम उठा सकेंगे। मजबूती देने के लिए वह समय-समय पर कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करते रहेंगे और संगठन की गतिविधियों का विश्लेषण करेंगे। बैठक में राज्य कमिटी सदस्य कामरेड सुरेश प्रसाद, जिला कमिटी सदस्य राजीव मुखर्जी, कृष्णा कुमार महतो, सागर मंडल, मंगल महतो, धुर्व दास, दशरथ ठाकुर, बबलू महतो परसबनिया, अजय दास, राहुल कुमार गोराई, प्रदीप महतो, दिलीप कुमार विश्वकर्मा, रघु यादव और राज्य कमिटी सदस्य कार्तिक प्रसाद ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।बैठक में मौजूद कार्यकताओं ने संगठन को मजबूत करने और पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए अपने संकल्प को दोहराया। चर्चा के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि जब तक सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर कार्य नहीं करेंगे, तब तक पार्टी अपने लक्ष्य को पूरी तरह प्राप्त नहीं कर सकती। बैठक का समापन संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के संकल्प के साथ किया गया।

झारखंड मुक्ति मोर्चा के 53 वें स्थापना दिवस समारोह की तैयारी बैठक संपन्न

संवाददाता

धनबाद। झारखंड मुक्ति मोर्चा के 53 वें स्थापना दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक पप्पू धर्मशाला, लिलोरी मंदिर प्रांगण, कतरास में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ नेता रतिलाल टूडू ने की, जबकि संचालन रंजीत महतो ने किया। इस बैठक में धनबाद जिलाध्यक्ष लखखी सोरेन और जिला सचिव मन्नू आलम मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक में उपस्थित नेताद्वय ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आगामी 4 फरवरी को झारखंड के माननीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं विधायक श्रीमती कल्पना मुर्मू सोरेन धनबाद आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि झामुमो सरकार ने महिलाओं के सम्मान में नए अवसर प्रदान किए हैं और उनके लिए सरकारी योजनाओं का मार्ग प्रशस्त किया है। इसलिए, बड़ी संख्या में स्थापना दिवस समारोह में भाग लेकर सरकार के प्रति समर्थन और

सम्मान प्रकट करें। बैठक में संगठन की मजबूती और स्थापना दिवस समारोह को ऐतिहासिक बनाने को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इस अवसर पर केंद्रीय सदस्य देबू महतो, जिला संगठन सचिव मदन महतो, तैयारी समिति के जिला अधिकृत पर्यवेक्षक शिवकुमार महतो, अर्जुन मुखिया, महिला जिलाध्यक्ष मीना हेम्ब्रम सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में उपस्थित अन्य प्रमुख नेताओं में राजेंद्र महतो राजा, प्रफुल मंडल, सूरज चौहान, नूतन सहजाद अंसारी, रौनक सिन्हा, रितिक सिंह, ममता यादव, अनीता सिंह, सीमा देवी सहित कई अन्य सक्रिय कार्यकर्ता शामिल रहे। सभी नेताओं और कार्यकताओं ने एकजुट होकर कार्यक्रम को भव्य बनाने का संकल्प लिया और जिलेभर से अधिक से अधिक संख्या में लोगों को इस ऐतिहासिक अवसर पर जुटाने का आह्वान किया। झारखंड मुक्ति मोर्चा के 53 वें स्थापना दिवस समारोह को सफल बनाने के लिए जिला एवं प्रखंड स्तर पर तैयारियों को तेज कर दिया गया है। बैठक में उपस्थित नेताओं ने कार्यकर्ताओं को अधिक से अधिक जनसंपर्क अभियान चलाने का निर्देश दिया, ताकि यह आयोजन ऐतिहासिक रूप से सफल हो सके।

आईआईटी धनबाद में ग्राफीन कोटिंग्स पर प्रतिष्ठित व्याख्यान का आयोजन

संवाददाता

धनबाद। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान धनबाद में आज एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान का विषय ग्राफीन कोटिंग्सः संक्षारण प्रतिरोध के लिए एक विध्वंसकारी दृष्टिकोण था, जिसे ऑस्ट्रेलिया के मोनाश विश्वविद्यालय के प्रसिद्ध शिक्षाविद प्रोफेसर रमन सिंह ने प्रस्तुत किया। यह व्याख्यान संस्थान की शताब्दी व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत आयोजित किया गया और इसमें बड़ी संख्या में छात्रों, शोधकताओं और संकाय सदस्यों ने भाग लिया। प्रो० रमन सिंह ने अपने व्याख्यान में विस्तार से बताया कि ग्राफीन कोटिंग्स संक्षारण (जंग) प्रतिरोध के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी खोज साबित हो सकती है। उन्होंने बताया कि यह कोटिंग बाहरी पर्यावरण की प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद धातुओं को जंग से बचाने में प्रभावी हो सकती है। उन्होंने कहा कि आज के

औद्योगिक युग में संक्षारण एक बहुत बड़ी चुनौती है, जिससे निपटने के लिए लगातार नई-नई तकनीकों की आवश्यकता है। ग्राफीन कोटिंग्स इस दिशा में एक महत्वपूर्ण समाधान प्रदान करती है, जो स्टील जैसी धातुओं को अधिक टिकाऊ और संक्षारण प्रतिरोधी बना सकती है। उन्होंने बताया कि रासायनिक वाष्प जमाव (उश्ऊ) तकनीक के माध्यम से इस कोटिंग को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।प्रो० रमन सिंह एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद हैं, जिन्होंने अपने करियर में कई महत्वपूर्ण शोध किए हैं। वे एळऌ ज्यूरिख में अतिथि प्रोफेसर रह चुके हैं और वेल्ड्स की दरार तथा जंग के गैर-विनाशकारी मूल्यांकन (विली) जैसी महत्वपूर्ण पुस्तकों के संपादक भी हैं। उनके नाम 285 से अधिक शोध-पत्र और 15 पुस्तक अध्याय दर्ज हैं, जो संक्षारण और धातु विज्ञान के क्षेत्र में किए गए उनके महत्वपूर्ण योगदान को दर्शाते हैं। उन्होंने अपने शोधकार्य के दौरान 61 पीएचडी शोधार्थियों का मार्गदर्शन किया है और मोनाश विश्वविद्यालय में एक बहुविषयक शोध दल का नेतृत्व कर रहे हैं। उनका शोध कार्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया है और वे विभिन्न देशों के शोधकताओं के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।कार्यक्रम की शुरूआत आईआईटी (आईएसएम) के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रमुख प्रो० सोमनाथ चट्टोपाध्याय के स्वागत भाषण से हुई। इस अवसर पर इनोवेशन, इनक्यूबेशन और उद्यमिता के डीन प्रोफेसर आलोक दास भी उपस्थित थे।

कर्मा परियोजना के एक-एक मजदूर से मिले महेश सिंह

रामगढ़ । झारखंड राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन संघ के क्षेत्रीय सचिव बनने के बाद मजदूर नेता कुमार महेश सिंह कंपनी और मजदूरों के हित के लिए तालमेल बनाकर उत्पादन को बढ़ावा देने और मजदूरों की समस्याओं के समाधान के लिए दिन रात मेहनत कर रहे हैं। इसी कड़ी में उन्होंने कर्मा पहुंचकर कर्मा के हाजिरी घर में एक-एक मजदूर के साथ भेंट की, उनकी समस्याओं को सुना और कंपनी के साथ मिलकर समस्याओं के समाधान का भरोसा दिलाया। जो मजदूर राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन के बैनर तले नहीं आए हैं उन्हें भरोसा दिलाया कि वे राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन के बैनर तले कार्य करें, समस्याओं के समाधान की जिम्मेवारी हमारी है। उन्होंने मजदूरों को बताया कि कंपनी के हित में उत्पादन करें मजदूरों की समस्याओं का समाधान कंपनी के साथ मिलकर करेंगे, नहीं सुना तो विधि सम्मत आंदोलन करेंगे।

इस अवसर पर उनके साथ जुलम सिंह, रोहन महतो, राजकुमार ठाकुर, अजीत सिंह सहित सैकड़ो मजदूर मौजूद थे ।

बीसीसीएल कर्मचारियों के लिए इस्कॉन धनबाद में तनाव प्रबंधन सेमिनार का आयोजन

संवाददाता

धनबाद। आधुनिक जीवनशैली में बढ़ते तनाव और कार्यस्थल पर मानसिक दबाव को कम करने के उद्देश्य से इस्कॉन धनबाद द्वारा बीसीसीएल के वरिष्ठ कर्मचारियों के लिए एक विशेष स्ट्रेस मैनेजमेंट सेमिनार का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बुधवार को प्रातः जगजीवन नगर स्थित इस्कॉन मेडिटेशन सेंटर में आयोजित हुआ।धनबाद में स्थित यह इस्कॉन मेडिटेशन सेंटर बीसीसीएल और स्थानीय निवासियों के लिए लंबे समय से विभिन्न आध्यात्मिक एवं मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन करता आ रहा है। प्रतिदिन यहां बड़ी संख्या में बीसीसीएल के कर्मचारी मेडिटेशन सत्र, साप्ताहिक मोटिवेशनल सेशन और सत्संग कार्यक्रमों में भाग लेते हैं। इसी क्रम में इस सेमिनार का आयोजन किया गया, जो कि पहले भी कई बार कर्मचारियों के लिए लाभकारी सिद्ध हो चुका है। सुबह 11 बजे से प्रारंभ हुए इस सेमिनार को दो चरणों में विभाजित किया गया था।

पहले चरण में तनाव के कारणों को समझाया गया और बताया गया कि मानसिक तनाव कैसे हमारे शरीर और मन पर प्रभाव डालता है। भगवद्गीता के सिद्धांतों के माध्यम से तनाव के लक्षणों और उनके मूल कारणों को समझाया गया। इस दौरान वक्ताओं ने बताया कि जब हमारी अपेक्षाएं वास्तविकता से मेल नहीं खातीं, तो यही मानसिक तनाव का कारण बनता है। दूसरे चरण में तनाव से बचने और उसे प्रबंधित करने के उपायों पर चर्चा की गई। मुख्य वक्ता इस्कॉन धनबाद के अध्यक्ष श्रद्धेय श्री नामप्रेम प्रभुजी और उपाध्यक्ष श्री दामोदर गोविंद प्रभुजी थे। दोनों ही वक्ताओं ने जीवन में मेडिटेशन (ध्यान) और भक्ति योग के महत्व को समझाया और बताया कि किस प्रकार व्यक्ति अपने कार्य और निजी जीवन में संतुलन बना सकता है। वक्ताओं ने बताया कि ₹परिवर्तन का भय₹ तनाव का सबसे बड़ा कारण है, और इससे निपटने के लिए आंतरिक शांति और मानसिक मजबूती आवश्यक है।सेमिनार के दौरान कर्मचारियों ने अपने व्यक्तिगत जीवन से जुड़े सवाल भी पूछे और वक्ताओं से मार्गदर्शन प्राप्त किया। अंत में सभी प्रतिभागियों को संगीत और मंत्र मेडिटेशन का अनुभव कराया गया, जिससे उन्हें मानसिक शांति का अनुभव हुआ। कार्यक्रम के अंत में इस्कॉन द्वारा सभी कर्मचारियों के लिए विशेष महाप्रसाद की भी व्यवस्था की गई थी।

इनर व्हील क्लब ऑफ धनबाद ने जीवन ज्योति विशेष विद्यालय को दिया उपहार

संवाददाता

धनबाद। रोटरी क्लब ऑफ धनबाद द्वारा संचालित दिव्यांग बच्चों के विशेष विद्यालय जीवन ज्योति में आज इनर व्हील क्लब ऑफ धनबाद द्वारा एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर इनर व्हील क्लब : बिहार - झारखंड की डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन श्रीमती आलोकनंदा बक्शी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।कार्यक्रम की शुरूआत में विद्यालय की प्राचार्या सुश्री अपर्णा दास ने मुख्य अतिथि का स्वागत बच्चों द्वारा निर्मित पेंटिंग और पौधा भेंट कर किया। इसके बाद विद्यालय के विशेष बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी अतिथियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। संस्थान के सचिव राजेश परकेरिया ने बताया कि वर्ष 1989 में इनर व्हील क्लब ऑफ धनबाद द्वारा इस विशेष विद्यालय की स्थापना

की गई थी, जो पिछले 35 वर्षों से दिव्यांग बच्चों के सर्वांगीण विकास में योगदान दे रहा है। वर्ष 2002 से रोटरी क्लब ऑफ धनबाद इसे इनर व्हील क्लब के सहयोग से संचालित कर रहा है। इनर व्हील क्लब ऑफ धनबाद की अध्यक्ष श्रीमती शिल्पा रस्तोगी ने बताया कि समाज सेवा क्लब का मुख्य उद्देश्य है और इसी के तहत आज विद्यालय को एक झूला और सेंसरी थेरेपी के लिए एक फोम ड्रम टनल प्रदान किया गया। इसके अलावा, बच्चों के व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की शुरूआत और पौधों की नर्सरी का उद्घाटन भी किया गया। इसके अतिरिक्त, क्लब द्वारा तीन दिव्यांग बच्चों को कृत्रिम अंग, कैलीपर्स तथा दो जरूरतमंदों को व्हीलचेयर प्रदान की गई। मुख्य अतिथि श्रीमती आलोकनंदा बक्शी ने विद्यालय में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि जीवन ज्योति विशेष विद्यालय में आकर मुझे अपार खुशी हो रही है।

यहां के बच्चों की प्रतिभा और शिक्षकों द्वारा किया जा रहा कार्य अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने भविष्य में विद्यालय को हर संभव सहायता देने का आश्वासन भी दिया। विद्यालय भ्रमण के दौरान, मुख्य अतिथि ने विशेष बच्चों की शिक्षा और प्रशिक्षण संबंधी जानकारियां प्राप्त कीं और अपने बहुमूल्य सुझाव भी दिए। कार्यक्रम में आलोकनंदा बक्शी डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन, इनर व्हील क्लब, शिल्पा रस्तोगी अध्यक्ष, इनर व्हील क्लब, पौलमी सिन्हा सचिव, इनर व्हील क्लब, अनु नारंग, अंजू गंडोत्रा, ज्योति व्यास, ऋद्धि शर्मा, अपर्णा दास, राजेश परकेरिया, विकास शर्मा सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

बैठक | एआईआरएफ की वर्किंग कमिटी की बैठक सम्पन्न

कुछ नेताओं ने रेलकर्मियों को झूठे सपने दिखाए

संवाददाता

धनबाद। ऑल इंडिया रेलवेमेंस फेडरेशन की वर्किंग कमिटी की दो दिवसीय बैठक 27 और 28 जनवरी को चेन्नई में आयोजित की गई। इस बैठक में ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन के प्रतिनिधिमंडल ने भी भाग लिया। धनबाद मंडल से ईसीआरकेयू के अपर महामंत्री और एआईआरएफ वर्किंग कमिटी सदस्य मो० ज्याऊद्दीन तथा एआईआरएफ के जोनल सचिव ओ. पी. शर्मा ने बैठक में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। बैठक में भारतीय रेलवे के विभिन्न जोन और मेट्रो रेलवे के प्रतिनिधि शामिल हुए और इस दौरान दिसंबर 2024 में

होने वाले मान्यता प्राप्त करने के लिए गुप्त मतदान के परिणामों की समीक्षा की गई। बैठक की अध्यक्षता फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ० एन. कन्हैया ने की, जबकि संचालन महामंत्री शिव गोपाल मिश्रा ने किया। इस बैठक में रेलकर्मियों के विभिन्न मुद्दों पर गहन चर्चा हुई। सभी प्रतिनिधियों ने पिछले दिसम्बर में संपन्न हुए गुप्त मतदान की प्रक्रिया सहित रेलकर्मियों के समस्याओं पर विस्तृत विचार किए। मिश्रा ने इस अवसर पर कहा कि इस बार के मतदान में रेलकर्मियों की एकता को तोड़ने के लिए कई कुचक्र रचे गए थे। झूठे वादों और दुष्प्रचार के माध्यम से एआईआरएफ के जोनल यूनियनों को बदनाम किया गया और मतों का विभाजन करवाया गया, जिसके कारण ईसीआरकेयू को आवश्यक मत प्रतिशत प्राप्त नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि कुछ नेताओं ने रेलकर्मियों को झूठे सपने दिखाए और वास्तविकता को बदलकर उनकी समस्याओं को नजरअंदाज किया। इसके परिणामस्वरूप, ऐसे यूनियनों को प्राथमिकता दी गई जो अनुभवहीन थीं और जिनके पास रेलकर्मियों के मुद्दों को सही ढंग से उठाने का अनुभव नहीं था। इससे आने वाले दिनों में रेलकर्मियों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।श्री मिश्रा ने आगे कहा कि यह समय है जब सभी यूनियनों को रेलकर्मियों के मुद्दों के समाधान के लिए एकजुट होकर काम करना चाहिए। उन्होंने ईसीआरकेयू के सभी कैडर से अपील की कि वे पहले से अधिक उत्साह और समर्पण के साथ रेलकर्मियों के मुद्दों को उठाएं। एआईआरएफ इस काम में हर कदम पर उनके साथ खड़ा रहेगा और हर संभव सहयोग के लिए तत्पर रहेगा। ईसीआरकेयू के मीडिया प्रभारी एन. के. खवास ने बैठक के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इस बैठक में वर्किंग कमिटी के सदस्यों के रूप में ईसीआरकेयू से मो. ज्याऊद्दीन धनबाद मंडल, मिथिलेश कुमार डीडीयू मंडल, मनीष कुमार मुख्यालय हाजीपुर और श्रीमती मृदुला कुमारी महिला शाखा, पटना ने अपनी उपस्थिति दर्ज की। साथ ही, एआईआरएफ के जोनल सचिव ओ. पी. शर्मा भी बैठक में शामिल हुए। यह बैठक न केवल रेलकर्मियों के वर्तमान समस्याओं की समीक्षा करने का एक अवसर थी, बल्कि यह भी सुनिश्चित करने की कोशिश थी कि भविष्य में एआईआरएफ और ईसीआरकेयू मिलकर एक मजबूत और प्रभावशाली रणनीति के साथ रेलकर्मियों के हक में कार्य करें।

बिना हेलमेट के टू व्हीलर चालकों को दिया गया नि:शुल्क हेलमेट

संवाददाता

धनबाद। जिला परिवहन पदाधिकारी दिवाकर सी द्विवेदी एवं ट्रैफिक डीएसपी अरविंद कुमार सिंह के नेतृत्व में मंगलवार को रणधीर वर्मा चौक तथा सिटी सेंटर पर बिना हेलमेट के टू व्हीलर चलाने वालों को पकड़ा गया। उन्हें यातायात नियमों की जानकारी दी गई। साथ ही ऐसे लगभग 50 चालकों के बीच निःशुल्क हेलमेट का वितरण किया गया। कुछ लोगों के हेलमेट बहुत खराब स्थिति में पाए गए। उनको भी नई हेलमेट देकर अच्छी क्वालिटी की हेलमेट पहनने और हमेशा हेलमेट लॉक लगाने के लिए समझाया गया। मौके पर जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक सुनील कुमार, रोड इंजिनियरिंग एनालिस्ट अमरेश कुमार एवं यातायात पुलिस कर्मी मौजूद थे।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, गुरुवार 30 जनवरी 2025

संपादकीय

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

सुभाषितम्

फल की अभिलाषा छोड़कर कर्म करने वाला मनुष्य ही मोक्ष प्राप्त करता है। - गीता

वित्तीय वर्ष 2025-26 के केंद्रीय बजट से मिल सकती हैं कई सौगातें

वित्तीय वर्ष 2024-25 की पहली छमाही (अप्रेल-सितम्बर 2024) में भारत की आर्थिक विकास दर कुछ कमजोर रही है। प्रथम तिमाही (अप्रेल-जून 2024) में तो सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर गिरकर 5.2 प्रतिशत के निचले स्तर पर आ गई थी। इसी प्रकार द्वितीय तिमाही (जुलाई-सितम्बर 2024) में भी सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर 5.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है। इससे वित्तीय वर्ष 2024-25 में यह वृद्धि दर घटकर 6.6 प्रतिशत से 6.8 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है, जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत की रही थी। वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम छमाही में आर्थिक विकास दर के कम होने के कारणों में मुख्य रूप से देश में सम्पन्न हुए लोक सभा चुनाव है और आचार संहिता के लागू होने के चलते केंद्र सरकार के पूंजीगत खर्चों एवं अन्य खर्चों में भारी भरकम कमी दृष्टिगोचर हुई है। साथ ही, देश में मानसून की स्थिति भी ठीक नहीं रही है। केंद्र सरकार ने हालांकि मुद्रा स्फीति पर अंकुश लगाने में सफलता तो अर्जित कर ली है परंतु उच्च स्तर पर बनी रही मुद्रा स्फीति के कारण कुल मिलाकर आम नागरिकों, विशेष रूप से मध्यमवर्गीय परिवारों, की खर्च करने की क्षमता पर विपरीत प्रभात जरूर पड़ा है और कुछ मध्यमवर्गीय परिवारों के गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे परिवारों की श्रेणी में जाने का खतरा उत्पन्न हो गया है। किसी भी देश में मध्यमवर्गीय परिवारों की जितनी अधिक संख्या रहती है, उस देश की आर्थिक विकास दर ऊंचे स्तर पर बनी रहती है क्योंकि मध्यमवर्गीय परिवार ही विभिन्न प्रकार के उत्पादों (दोपहिया वाहन, चारपहिया वाहन, फ्रिज, एयर कंडीशनर जैसे उत्पादों एवं नए फ्लेट्स एवं भवनों आदि) को खरीदने पर अपनी आय के अधिकतम भाग का उपयोग करता है।

इससे आर्थिक चक्र में तीव्रता आती है और इन उत्पादों की बाजार में मांग के बढ़ने के चलते इनके उत्पादन को विभिन्न कम्पनियों द्वारा बढ़ाया जाता है, इससे इन कम्पनियों की आय एवं लाभप्रदता में वृद्धि होती है एवं देश में रोजगार के नए अवसर निर्मित होते हैं। भारत में पिछले कुछ समय से मध्यमवर्गीय परिवारों की व्यय करने की क्षमता पर विपरीत प्रभाव पड़ा है अतः दिनांक 1 फरवरी 2025 को केंद्र सरकार की वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारामन से अब यह अपेक्षा की जा रही है कि वे वित्तीय वर्ष 2025-26 के केंद्र सरकार के बजट में मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए विशेष रूप से आय कर में छूट की घोषणा करेंगी। देश के कई अर्थशास्त्रियों का तो यह भी कहना है कि न केवल आय कर में बल्कि कारपोरेट कर में भी कमी की घोषणा की जानी चाहिए। इनफोसिस के संस्थापक सदस्यों में शामिल श्री मोहनदास पई का तो कहना है कि 15 लाख से अधिक की आय पर लागू 30 प्रतिशत की आय कर की दर को अब 18 लाख से अधिक की आय पर लागू करना चाहिए। आय कर मुक्त आय की सीमा को वर्तमान में लागू 7.75 लाख रुपए की राशि से बढ़ाकर 10 लाख रुपए कर देना चाहिए। आयकर की धारा 80सी के अंतर्गत किए जाने निवेश की सीमा को भी 1.50 लाख रुपए की राशि से बढ़ाकर 2 लाख रुपए कर देना चाहिए। मकान निर्माण हेतु लिए गए ऋण पर अदा किए जाने वाले ब्याज पर प्रदान की जाने वाली आयकर छूट की सीमा को 2 लाख रुपए से बढ़ाकर 3 लाख रुपए किया जाना चाहिए। फरवरी 2025 माह में ही भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मोनेटरी पोलिसी की घोषणा भी होने जा रही है। भारतीय रिजर्व बैंक से अब यह अपेक्षा की जा रही है कि वे रेपो दर में कम से कम 25 अथवा 50 आधार बिंदुओं की कमी तो अवश्य करेंगे।

क्योंकि, पिछले लगातार लगभग 24 माह तक रेपो दर में कोई भी परिवर्तन नहीं करने के चलते मध्यमवर्गीय परिवारों द्वारा मकान निर्माण एवं चार पहिया वाहन आदि खरीदने हेतु बैकों से लिए गए ऋण की किश्त की राशि का बोझ बहुत अधिक बढ़ गया है। बैकों से लिए गए इस प्रकार के ऋणों एवं माइक्रो फाइनैन्स की किश्तों की अदायगी में चूक की घटनाएं भी बढ़ती हुई दिखाई दे रही हैं। अब मुद्रा स्फीति की दर खाद्य पदार्थों (फलों एवं सब्जियों आदि) के कुछ महंगे होने के चलते ही उच्च स्तर पर आ जाती है जबकि कोर मुद्रा स्फीति की दर तो अब नियंत्रण में आ चुकी है। खाद्य पदार्थों की मंहगाई को ब्याज दरों को उच्च स्तर पर बनाए रखकर कम नहीं किया जा सकता है। अतः भारतीय रिजर्व बैंक को अब इस ओर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में सम्पन्न हुए लोक सभा चुनाव के चलते देश में पूंजीगत खर्चों में कमी दिखाई दी है। इसीलिए अब लगातार यह मांग की जा रही है कि देश में वन नेशन वन इलेक्शन कानून को शीघ्र ही लागू किया जाना चाहिए क्योंकि बार बार देश में चुनाव होने से केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा आचार संहिता के लागू होने के चलते अपने बजटीय खर्चों को रोक दिया जाता है जिससे देश का आर्थिक विकास प्रभावित होता है। अतः वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए लोक सभा में पेश किए जाने वाले बजट में पूंजीगत खर्चों को बढ़ाने पर गम्भीरता दिखाई जाएगी।

बापू की स्मृति सात्विक मूल्यों के लिए सतत संघर्ष

गिरीश्वर मिश्र

बापू की स्मृति सात्विक मूल्यों के लिए सतत संघर्ष की याद दिलाती है। सत्य, अहिंसा, अस्तेय (चोरी न करना), अपरिग्रह (जरूरत से ज्यादा धन-सम्पदा न रखना), प्राकृतिक संसाधनों का दोहन न करना, शारीरिक श्रम, आपसी सौहार्द बनाए रखना गांधी जी के जीवन सूत्र थे। इनको लेकर वे निजी सामाजिक जीवन में खुद चलते थे और अपने साथ के लोगों को उनको अपनाने के लिए कहते थे। उनकी संगति में बहुतेरों ने अपने लिए स्वदेशी विचार-व्यवहार को अपनाया भी। गांधी जी के प्रभाव में खादी और चरखा घर-घर प्रचलित हुआ। स्वावलंबन के लिए सबने व्रत लिया। विकेंद्रीकृत और प्रजातांत्रिक तरीके से स्थानीय स्तर पर सामाजिक जीवन चलाने के कई सफल प्रयोग भी उन्होंने किए। स्थानीय और वैश्विक के अंतर्संबंधों को मानवीय स्तर पर समझने की उनकी कोशिश अनोखी थी। सीधा-सादा, सच्चा और लोक की रक्षा को समर्पित उनकी नीति स्वभाव में समावेशी थी । उन्होंने एक मानवीय राजनीतिक संस्कृति का सूत्रपात किया और साहस के साथ उसे अपनाया।

जीवन भर गांधी जी प्रयोग करते रहे और स्वयं को परखते रहे। उनके लिए 'सर्व' का कल्याण उचित अनुचित तय करने की कसौटी थी। इस तरह की सोच समय से आगे थी और स्वतंत्र भारत के कर्णधारों को कदाचित बहुत प्रिय नहीं थी इसलिए उसका हाशियाकरण उनके जीते जी ही शुरू हो गया था जिसे वह प्रकट भी कर रहे थे। स्वतंत्र भारत में मनाए गए पहले और अंतिम जन्म दिवस पर दो अक्तूबर 1947 को उन्होंने बड़े दुखी मन से अपनी मृत्यु की कामना की थी। कुछ महीनों बाद ही 1948 की जनवरी में उनके आकस्मिक और मर्मांतक दैहिक अवसान से देश के सम्मुख कई प्रश्न खड़े हुए। उनके विचार जीवित हैं और उनको स्मरण भी किया जाता है परंतु अब अनुष्ठान अधिक हैं और वास्तविकता के धरातल पर उनको उतारना बेहद मुश्किल हो रहा है। अब तो

कई नेता देश की प्राथमिकता को दांव पर लगाने में भी लोग नहीं चूकते। अपने मूल सैद्धांतिक स्वभाव से राजनीति जनार्दन की जनता की सेवा के लिए है और सरकार का दायित्व और काम मुख्यतः जनता की सुख-सुविधा की व्यवस्था को सुनिश्चित करना और उनके लक्ष्यों को पाने में मदद करना है। इस दृष्टि से नेतागिरी समाज को समर्पित जनसेवा का उपक्रम हो जाता है। सच्चाई और ईमानदारी देश के निर्माण और प्रगति का आधार होता है।

यह दुखद सच्चाई है कि बदलते दौर में अब भारत की राजनीतिक पार्टियां देश सेवा से विराट हो कर व्यापार और उद्योग धंधे का रूप लेती जा रही हैं। अब इन पार्टियों के चुनाव प्रचार का नजारा वोट की फसल खरीदने के लिए बोली लगाने जैसा होता जा रहा है। चुनाव में भाग लेने वाली एक पार्टी हिसाब लगा कर वोट बेंचने के लिए मतदाताओं तक पहुंच कर उसको खरीदने का सौदा करती है। यह कहते हुए वैध या पात्र मतदाता का पंजीकरण किया जाता है और आश्वस्त किया जाता है कि अगर उनकी सरकार बनी तो उसे कुछ हजार रुपए जरूर दिए जाएंगे। इस तरह के अवैध और अनर्गल प्रयास यही साबित करते हैं कि छद्म, छल और कपट से वोट को खरीदना और बटोरना धोखेदार राजनेताओं की पसंदीदा शैली होती जा रही है। ऐसे में राजनीतिज्ञों की बिरादरी की साख तेजी से घट रही है और उन पर आम जनों का भरोसा घटता जा रहा है।

अब मंच, रैली और फोन आदि भिन्न-भिन्न तरीकों से मतदाताओं तक अधिकाधिक पहुंच बनाई जाती है। घर-घर चलते घनघोर प्रचार के साथ वादा, संकल्पों और गारंटियों के एक से एक तोहफों की घोषणाओं की भरमार होती है। पानी, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, धर्माटन आदि को लेकर मुफ्त सुविधाओं की बरसात किश्तों में हो रही है। हर पार्टी दूसरी पार्टी से बढ़चढ़ कर दावे ठोंक रही है। जहां तक पुराने अधूरे वादों का सवाल है और अपनी असफलता का सवाल है उसका ठीकरा विपक्षी दल पर फोड़ना आम बात है। पार्टियां मतदाता को लुभाने और घेर कर अपने पक्ष में करने के सभी जुगाड़ लगा रही हैं। समानता और समता की दुहाई देने वाली पार्टियां जाति, धर्म और क्षेत्र का खुले आम फायदा उठा रही हैं। नागरिक सुविधाओं की कमी और अव्यवस्था से जूझ रहे मध्य वर्ग के लोगों को राजनैतिक पार्टियों के वादे कुछ राहत देने वाले लगते हैं तो गरीब और पिछड़े वर्ग के लोगों को बेहद प्रलोभित करने वाले होते हैं। उनको सम्मान राशि में रुपयों पैसों को लेकर तात्कालिक फायदा दिखता है और भोली भाली जनता उसी के हिसाब से वोट डालने के लिए अपना मन बनाती और बिगाड़ती रहती है। कोई राजनेता यह नहीं बताता कि इन वादों और गारंटियों की अनंत सूची के लिए धन कहां से आएगा और इसकी प्रक्रिया क्या होगी।

राजनैतिक विचारधारा से लगाव अब कोई मायने नहीं रखता। समाज, देश और मानवता आदि के व्यापक सरोकार वाली सोच अब पूरी तरह से हाशिए पर पहुंचती दिख रही है। साथ ही चचाओं में भी नैतिकता के जरूरी मानक की चेतना जाती रही। सार्वजनिक मंच राजनैतिक वाद-विवाद में होने वाली चचाएँ हास्यास्पद रूप से चरित्र-हनन पर केंद्रित होती जा रही हैं। सभी एक दूसरे पर कीचड़ उछलते हैं और विगत इतिहास के पन्नों से उदाहरण निकाल-निकाल कर एक दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। पर कौन छोटा है और कौन बड़ा यह कहना मुश्किल होता है क्योंकि सभी दलों के इतिहास ऐसी घटनाओं से भरे पड़े होते हैं और वर्तमान में बड़ी समानताएं दिखती हैं। उदाहरण के लिए अपराध की पृष्ठभूमि यानी दागी नेता लोगों को प्रश्रय देने की मजबूरी कमोबेश सभी दलों में दिखती है। उनकी पात्रता को लेकर संदेह होने पर भी उनसे भय के कारण मौका दिया जाता है। अनेक नेता लाज शर्म छोड़ अपने धन-दौलत की बदौलत पार्टियों से टिकट पाने में सफल हो जाते हैं और फिर जीतने के बाद धन-उगाही ही उनका राजनीतिक कर्म हो जाता है। अनेक पूर्व गरीब और वर्तमान में बने क्षेत्रीय और राष्ट्रीय राजनेताओं के पास अथाह धन-सम्पत्ति जिस तरह एकत्र होती दिखती है वह छुपा नहीं है। चुनाव में प्रत्याशियों की सूची देखें तो लगता है करोड़पति अरबपति होना अब राजनीति में प्रवेश लेने की शर्त होने लगी है। आर्थिक जगत में इतने तरह के घोटाले होते रहे हैं कि लोगों का राजनीति और राजनेता से भरोसा उठता जा रहा है।

आज राजनैतिक परिवेश दारुण और पीड़ादायी हो रहा है। सत्ता और शक्ति का नशा गहराता जा रहा है। ऐसे में विकसित भारत के लक्ष्य के लिए शुचिता की शर्त याद रखनी होगी। चरित्र का निर्माण और मूल्यों की प्रतिष्ठा का कोई विकल्प नहीं है। महात्मा गांधी औपनिवेशिक सता के प्रतिरोध और हिंद-स्वराज की स्थापना का स्वप्न चरितार्थ कर सके थे। मनुष्य के रूप में दुर्बल काया परंतु दृढ़ आत्मबल से उन्होंने जो उद्यम किया वह मनुष्य की उदात्त और ऊर्ध्वमुखी यात्रा का अविकल प्रमाण है। असम्भव संभावना को संभव करते महात्मा गांधी आज भी अविश्वसनीय रूप से स्पृहणीय और प्रेरक हैं। मनुष्य के कर्तृत्व की शक्ति का कोई विकल्प नहीं है। पर इसके लिए विचार और कर्म के बीच की दूरी जो बढ़ती जा रही है उसे कम करना होगा।

दिल्ली में दलित-ओबीसी मत निर्णायक

रमेश सर्राफ धमोरा

दिल्ली विधानसभा चुनाव में दलित-ओबासी मत निर्णायक भूमिका में है। इस बार सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आआपा), भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस के बीच त्रिकोणीय मुकाबला नजर आ रहे है। आआपा चौथी बार सरकार बनाने के लिए संघर्षरत है। भाजपा दिल्ली में डबल इंजन सरकार का सपना पाले है। कांग्रेस को लगता है कि उसका वनवास खत्म होगा। कहने को तो दिल्ली केंद्रशासित प्रदेश है। यहां की सरकार व मुख्यमंत्री के पास अन्य प्रदेशों की तरह अधिकार नहीं होते हैं। मगर दिल्ली का मुख्यमंत्री होना अपने आप में बड़ी बात है। दिल्ली से ही देश की सरकार चलती है। ऐसे में दिल्ली में जो सरकार बनती है उसके महत्व को नकारा नहीं जा सकता है। दिल्ली के चुनाव में इस बार दलित, जाट व गुर्जर मतदाताओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होने जा रही है। दिल्ली में 12 विधानसभा सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं। यहां करीबन 18 प्रतिशत दलित मतदाता है। दिल्ली की आरक्षित 12 सीटों के अलावा 18 और ऐसी विधानसभा सीटे हैं जहां दलित मतदाताओं की संख्या 15 प्रतिशत से अधिक है। ऐसे में दिल्ली की 30 विधानसभा सीटों पर दलित मतदाताओं की भूमिका महत्वपूर्ण रहने वाली है।

बवाना, सुल्तानपुर माजरा, मंगोलपुरी, करोल बाग, पटेल नगर, मादीपुर, देवली, अंबेडकर नगर, त्रिलोकपुरी, कोंडली, सीमापुरी, गोकुलपुर विधानसभा सीट को अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित किया गया है। इसके अलावा करीबन 15 से 20 अन्य ऐसी सीटें है जहां दलित मतदाता निर्णायक भूमिका में रहते हैं। इसलिए दिल्ली विधानसभा की 70 में से करीबन 30 सीटों पर दलित मतदाताओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। साल 2020 के विधानसभा चुनाव में सभी 12 आरक्षित सीटों पर आम आदमी पार्टी विजयी हुई थी। इसलिए आआपा का पूरा फोकस दलित

मतदाताओं पर है। दिल्ली के अनुसूचित जाति के मतदाताओं में से 38 फीसदी जाटव और 21 फीसदी वाल्मीकि है। पिछले लोकसभा चुनाव में अनुसूचित जाति के मतदाताओं के लिए देश भर में आरक्षित 84 लोकसभा सीटों में से भाजपा मात्र 30 सीट पर ही चुनाव जीत पाई थी।

इंडी गठबंधन के भाजपा द्वारा संविधान बदलने के नारे के कारण दलित मतदाता भाजपा से छिटककर विपक्षी खेमे में चले गए थे। इसी तरह दिल्ली में भी पिछले दो विधानसभा चुनाव में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सभी 12 सीटों पर आआपा जीतती आ रही है। इसलिए अनुसूचित जाति के मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए भाजपा व कांग्रेस इस बार के चुनाव में पूरा जोर लगा रही हैं।भाजपा ने 12 आरक्षित सीटों के अलावा दो सामान्य सीटों मटिया महल से दीप्ति इंदौरा व बल्लीमारन से कमल बागड़ी को उम्मीदवार बनाया है।

इस तरह भाजपा ने कुल 14 सीटो पर दलित उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। कांग्रेस ने भी नरेला से अनुसूचित जाति की अरुणा कुमारी को टिकट देखकर कुल 13 सीटों पर दलित प्रत्याशियों को मैदान में उतारा है। भाजपा व कांग्रेस की रणनीति है कि दलित मतदाताओं को आम आदमी पार्टी से दूर किया जाए। आआपा ने 12 आरक्षित सीटों पर ही अनुसूचित जाति के लोगों को टिकट दिया है। हरियाणा व महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में दलित मतदाताओं का रुझान भाजपा की तरफ रहा है। इसी से उत्साहित होकर भाजपा अनुसूचित जाति के मतदाताओं की बहुलता वाली सीटों पर विशेष चुनावी प्रबंधन कर चुनावी रणनीति बना रही है।दिल्ली में जाट मतदाताओं की बहुलता वाली 10 सीटों महरौली, मुंडका, रिठाला, नांगलोई, मटियाला, पालम, नरेला, विकासपुरी, नजफगढ़ व बिजवासन पर आआपा का कब्जा है। इस बार भाजपा आआपा से इन सभी 10 सीटों को छीन कर अपनी वापसी का प्रयास कर रही है। भाजपा ने इस बार करीबन 14 टिकट जाट नेताओं को दिए हैं। इनमें पूर्व सांसद प्रवेश वर्मा नई दिल्ली से पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सामने चुनाव लड़ रहे हैं। आआआपा सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री कैलाश गहलोत भी भाजपा के टिकट पर बिजवासन से चुनाव लड़ रहे हैं।

गहलोत के भाजपा में जाने से आआपा के पास कोई बड़ा जाट नेता नहीं रह गया है। दिल्ली में गुर्जर मतदाताओं की भी बड़ी संख्या है। इनके प्रभाव वाली छतरपुर, मुस्तफाबाद, तुगलकाबाद, घोंडा, गोकुलपुरी, ओखला सीट पर आआपा का कब्जा है। बदरपुर, करावल नगर व पालम पर भाजपा का कब्जा है। दिल्ली के पूर्व सांसद व बड़े गुर्जर नेता रमेश बिधूड़ी को भाजपा ने मुख्यमंत्री आतिशी मालेर्ना के खिलाफ चुनाव मैदान में उतार कर चुनाव को रोचक बना दिया है। दिल्ली में मदनलाल खुराना व साहिब सिंह वर्मा के बाद हमेशा बाहरी व्यक्ति ही मुख्यमंत्री बनता रहा है। सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित, अरविंद केजरीवाल, अतिशी मालेर्ना जैसे लोग दिल्ली के मूल निवासी नहीं है। दिल्ली के लोग चाहते हैं कि अब की बार दिल्ली का ही रहने वाला नेता दिल्ली का मुख्यमंत्री बने। जाट मतदाताओं की पसंद साहिब सिंह वर्मा के बेटे प्रवेश वर्मा हैं। गुर्जर मतदाता रमेश बिधूड़ी को पसंद करते हैं।

और लो महाकुम्भ ने भी आखिर बलियां ले ही ली

राकेश अंचल

दुनिया में सनातन का झंडा ऊंचा करने वाले प्रयागराज के महाकुम्भ ने आखिर अपने कामयाबी की नयी इबारत लिखते हुए दर्जनों सनातनियों की बलि ले ही ली। संयोग ये है कि ये बलि किसी आजम खान के होते हुए नहीं हुई। इनके लिए सीधे-सीधे तौर पर उत्तरप्रदेश के उत्तरदायी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जिम्मेदार हैं, लेकिन वे ये जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा देंगे नहीं और न उनसे इस्तीफा माँगा जाना चाहिए। आज प्रयागराज में कोई 10 करोड़ लोग जमा हैं।

महाकुम्भ 144 साल बाद का दुर्लभ योग बताया गया था। उत्तरप्रदेश और देश की सरकार ने इस महाकुम्भ की धार्मिकता को ताक पर रखकर इसे एक मेगा ईवेंट में तब्दील कर दिया है। आम आदमी के लिए इस महाकुम्भ में कुछ भी नहीं है, सिवाय धक्के खाने के और भगदड़ में जान गंवाने के। ये महाकुम्भ विदेशी और देशी धनकुबेरों के लिए है। ये महाकुम्भ सत्ता प्रतिष्ठान के जलाभिषेक के लिए है । ये कुम्भ अब पतित पानी गंगा की गोद नहीं बल्कि एक हरम बनकर रह गया है। यहां भी वीआईपी संस्कृति का झंडा फहरा रहा है। इस कुम्भ पर खर्च किये गए 10 हजार करोड़ रुपए भी निदोर्षों को मरने से नहीं बचा पाए। ये देश विज्ञान,ज्ञान,अनुसन्धान और मानवाधिकारों की रक्षा के क्षेत्र में विश्वगुरु नहीं बनना चाहता। ये देश धर्म के क्षेत्र में विश्वगुरु बनना चाहता है लेकिन बन नहीं पा रहा। यहां धर्म की ध्वजाएं फहराने वाले पक्के सनातनी ,असंख्य नागाओं के गुरु सत्ता के स्तुतिगान में लगे हैं। उनके पास बदइन्तजामों पर ऊँगली उठाने की फुर्सत ही नहीं है और नतीजा आपके सामने है। अभी तो महाकुम्भ में मौनी अमावस्या पर हुई भगदड़ में मरने वालों की संख्या बहुत कम [17] बताई गयी है लेकिन ये कहाँ तक जाएगी ये कोई नहीं जानता। देश में धार्मिक उन्माद पैदा करने के लिए भाजपा की सरकारें एड़ी-चोटी का जोर लगा रहीं हैं ताकि देश को जल्द से जल्द हिन्दू राष्ट्र में तब्दील किया जा सके। इसी उन्माद के चलते मौनी अमावस्या पर प्रयागराज में गंगा जल निर्दोष सनातनियों के खून से रक्ताभ हो गयी।

आपको बता दें कि सनातन धर्म में मौनी अमावस्या का अत्यधिक महत्व है। माघ माह में पड़ने वाली मौनी अमावस्या आत्मसंयम, मौन साधना और पवित्र स्नान के लिए समर्पित होती है। इस बार मौनी अमावस्या प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान इसी दिन तीसरा शाही स्नान होन था लेकिन हो गयी भगदड़। मेले में मची भगदड़ के बाद निरंजनी अखाड़े ने स्नान जुलूस रोक दिया है। फिलहाल अखाड़ों ने अमृत स्नान स्थगित कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी हादसे की जानकारी ली है। महाकुम्भ में पुण्य स्नान करने वालों के आंकड़े दिनोदिन बढ़ते ही जा रहे है। उत्तरप्रदेश सरकार इन आंकड़ों को दिखाकर गौरवान्वित अनुभव कर रही थी। मीडिया और भाजपा इस भव्य-दिव्य आयोजन के लिए योगी-मोदी की बलैयां ले रहा था, लेकिन अब सब मौन हैं। मौनी अमावस्या पर मंगलवार और बुधवार की दरम्यानी रात हुई भगदड़ ने यहां के महा प्रबंध की पोल खोलकर रख दी है ,लेकिन मजाल कि कोई अखाड़ा या अखाड़ा परिषद उत्तरप्रदेश सरकार या मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ एक शब्द बोले! सब मौनी बाबा बन गए हैं। अब यदि कोई बोलेगा तो उसे सनातन विरोधी करार दे दिया जाएगा।

देश में भगड़ की घटनाओं का लंबा इतिहास है, इन हादसों के लिए सरकारी मशीनरी और आम जनता ही जिम्मेदार होती है। उत्तर प्रदेश तो भगदड़ के लिए अब कुख्यात हो चला है। आपको याद होगा कि पिछले साल ही उत्तर प्रदेश के हाथरस में आयोजित सत्संग के दौरान मची भगदड़ में करीब 120 लोगों की मौत हो गई थी। । महाराष्ट्र के मंधारदेवी मंदिर में 2005 के दौरान हुई भगदड़ में 340 श्रद्धालुओं की मौत और 2008 में राजस्थान के चामुंडा देवी मंदिर हुई भगदड़ में कम से कम 250 लोगों की मौत ऐसी ही कुछ बड़ी घटनाएं हैं।

हिमाचल प्रदेश के नैना देवी मंदिर में भी 2008 में ही धार्मिक आयोजन के दौरान मची भगदड़ में 162 लोगों की जान चली गई थी। दो साल पहले 31 मार्च 2023 को इंदौर शहर के एक मंदिर में रामनवमी के अवसर पर आयोजित हवन कार्यक्रम के दौरान एक प्राचीन बावड़ी के ऊपर बनी स्लैब ढह जाने से कम से कम 36 लोगों की मौत हो गईथी। लेकिन हम और हमारा देश इन हादसों से कभी कोई सबक नहीं लेता। महाकुम्भ में आगामी 5 फरवरी को मोक्ष की कामना लेकर देश के प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र दामोदर ढाढ़स मोदी जी भी डुबकी लगाने आने वाले है। वे अब यहां डुबकी लगाने आएंगे या मृतकों और घायलों के परिजनों को सांत्वना देने ,ये पता नहीं है। लेकिन वे आएंगे जरूर। क्योंकि महाकुम्भ में डुबकी लगाए बिना कोई सनातनी कैसे कहलायेगा? लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गाँधी ने महाकुम्भ में डुबकी नहीं ली इसलिए वे सनातनी नहीं हैं। वे इस हादसे के बाद दिल्ली विधानसभा का चुनाव प्रचार छोड़कर प्रयागराज आएंगे या नहीं कोई नहीं जानता ,लेकिन इस हादसे से दिल्ली विधानसभा चुनाव प्रचार में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जाना अब कठिन हो गया है और योगी जी के दिल्ली जाये बिना विधानसभा चुनाव में भाजपा का बेड़ा पार लग नहीं सकता।

फिलहाल मैं परिजनों में हुई भगदड़ में मरे गए सनातनियों के परिजनों के प्रति संवेदना से भरा हुआ हूँ । मुझे घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए ईश्वर से प्रार्थना भी करना है। मैं चाहूंगा की मृतकों को ऊपर वाला सीधे मोच्छ प्रदान करे। मुझे न मोच्छ चाहिए और न अपने पाप गंगा में धोना हैं इसलिए मैं दूर से ही गंगाजी को प्रणाम कर रहा हूँ । आपसे भी निवेदन है कि अपने घर पर ही रहें और महाकुम्भ में अव्यवस्था की बेदी पर शहीद हुए लोगों की आत्मा की शानती के लिए प्रार्थना करें,मौन रहें ।

आज का राशिफल

मेष : सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे।

वृष : आय के अच्छे योग बनेंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी।

मिथुन : प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा।

कर्क : कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। आत्मचिंतन करें।

सिंह : दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे।

कन्या : व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है।

तुला : लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। आगे-आगे गौरख जागे वाली कहावत चरितार्थ होगी।

वृश्चिक : कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी।

धनु : अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। मन उदास रहेगा। पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। नौकरी में कम सहयोग मिलेगा।

मकर : सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा।

कुंभ : विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। वाहन की सुविधाएं मिलेंगी।

मीन : कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गवाएं। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, गुरुवार 30 जनवरी 2025

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

कोनहर जंगल से 272 बोतल नकली अंग्रेजी शराब जब्त, एक आरोपी गिरफ्तार

कटकमसांडी। कटकमसांडी थाना क्षेत्र के ग्राम कोनहर के जंगल में पुलिस ने बड़ी मात्रा में नकली अंग्रेजी शराब और शराब बनाने के उपकरणों को बरामद किया है। पुलिस ने वहां से लगभग 272 बोतल नकली अंग्रेजी शराब, लेबल, ढक्कन और रैपर बरामद किए हैं, जो अवैध रूप से शराब बनाने के लिए इस्तेमाल हो रहे थे। इस मामले में कटकमसांडी थाना ने कांड संख्या 28/25, दिनांक 27/01/2025 के तहत विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने आरोपी सजूब अंसारी (30 वर्ष), पिता अजीम अंसारी, निवासी ग्राम कोनहर को गिरफ्तार कर लिया है और उसे न्यायालय में पेश किया। इस कार्यवाही के दौरान पुलिस ने एक टेम्पो, पानी का जार, अल्कोहल मीटर, खाली शराब की बोतल और शराब बनाने में प्रयुक्त अन्य सामग्री भी बरामद की है। पुलिस ने बताया कि यह नकली शराब निर्माण करने वालों का एक बड़ा नेटवर्क था और कुछ अन्य लोग भी इस अवैध कारोबार में शामिल हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने छापेमारी की है। यह कार्रवाई अवैध शराब के व्यापार को रोकने और जनस्वास्थ्य को सुरक्षित रखने के लिए की गई है।

बड़कागांव में बारूद भरी गाड़ी में आग, बड़ी घटना टली

बड़कागांव। डेली मार्केट के पास बीजीआर कंपनी के बारूद से लदी गाड़ी में आग लगने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। घटना बुधवार शाम लगभग 4:30 बजे की है, जब एक ट्रक, जिसमें केरेडारी कोल माइंस के लिए ब्लास्टिंग बारूद लोड किया गया था, रांची लौटते समय बड़कागांव चौराहे से गुजर रहा था। अचानक ट्रक के टायर में आग लग गई, जिससे अफरातफरी का माहौल बन गया। स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग पर काबू नहीं पाया जा सका। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी ने दमकल को बुलाया, और तब जाकर आग बुझाई जा सकी। ट्रक में करीब डेढ़ सौ कार्टून बारूद लदे हुए थे, और यदि आग फैलती तो यह एक बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती थी। पुलिस ने लोगों को सुरक्षित दूरी पर रखा और क्षेत्र को खाली करवा लिया। इस मामले में ट्रक के चालक शंकर ने बताया कि वह बारूद को केरेडारी से रांची वापस ले जा रहा था। स्थानीय लोग इस घटना को लेकर चिंता व्यक्त कर रहे हैं कि क्यों बारूद से भरी यह गाड़ी घनी आबादी वाले क्षेत्र से गुजर रही थी। बड़कागांव मुखिया संघ अध्यक्ष रंजीत कुमार ने इस मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की और कहा कि बारूद लोडेड ट्रक के आवागमन के लिए वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था होनी चाहिए। पुलिस इस मामले में ड्राइवर से पूछताछ कर रही है।

वनभोज सह मिलन समारोह में मंत्री राधाकृष्ण किशोर एवं इरफान अंसारी होंगे मुख्य अतिथि

बड़कागांव। बड़कागांव प्रखंड के डाडीकलां पंचायत भवन में कर्णपुरा खनन विस्थापित विकास समिति द्वारा आयोजित वनभोज सह मिलन समारोह आगामी बृहस्पतिवार को संपन्न होगा। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड सरकार के मंत्री राधाकृष्ण किशोर और इरफान अंसारी शिरकत करेंगे। इसके साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री योगेंद्र साव, पूर्व विधायक और कांग्रेस के केंद्रीय सचिव अंबा प्रसाद भी उपस्थित रहेंगे। यह आयोजन सुबह 10:00 बजे से लेकर शाम 5:00 बजे तक चलेगा, जिसमें पकरी बरवाडीह कोल खनन परियोजना के विस्थापित और प्रभावित लोग शामिल होंगे। इस महत्वपूर्ण समारोह की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं, और कर्णपुरा खनन विस्थापित विकास समिति ने इसकी जानकारी दी है।यह आयोजन विस्थापितों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है, जिसमें सरकार और स्थानीय नेताओं के बीच संवाद स्थापित करने का मौका मिलेगा। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों के लोग एकत्रित होंगे, जिससे क्षेत्रीय विकास की दिशा में एक नया कदम उठाने की उम्मीद जताई जा रही है।

रविंद्र तिवारी ने सड़क सुरक्षा माह पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश

हजारीबाग। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा परिषद के सदस्य रविंद्र तिवारी ने परिसदन भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया, जिसमें उन्होंने सड़क सुरक्षा के महत्व को उजागर किया और आम जनता से यातायात नियमों के पालन की अपील की। इस अवसर पर जिला परिवहन पदाधिकारी बैद्यनाथ कामती, एम भी आई विजय गौतम और सड़क सुरक्षा प्रबंधक संतोष कुमार समेत अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। रविंद्र तिवारी ने प्रेस वार्ता में बताया कि पिछले एक महीने से हजारीबाग जिले के विभिन्न स्थानों पर सड़क सुरक्षा माह के तहत जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें विशेष रूप से जागरूकता रथों के माध्यम से लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया है।

सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने अधिकारियों से की मुलाकात

संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने बुधवार को सदर अनुमंडल पदाधिकारी राजकिशोर प्रसाद और अपर समाहर्ता संतोष सिंह के साथ बैठक की। इस बैठक में उन्होंने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को लेकर अधिकारियों के साथ गहन चर्चा की। मुख्य रूप से विधायक ने बिजली, पानी, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दों पर विस्तार से बात की और अधिकारियों को इन समस्याओं के शीघ्र समाधान के लिए दिशा-निर्देश दिए। विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि जनता की बुनियादी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाना चाहिए और

प्रशासनिक लापरवाही किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में जर्जर सड़कों, पेयजल संकट और बिजली आपूर्ति में हो रही परेशानियों पर उन्होंने चिंता जताई और अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई करने का आदेश दिया। विधायक ने जल संकट और सफाई व्यवस्था को लेकर भी विशेष चिंता व्यक्त की और कहा कि आने वाले गर्मी के मौसम के मद्देनजर जल प्रबंधन की योजना पहले से बनाई जाए ताकि जनता को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े।इल्लइस बैठक में बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी भी उपस्थित रहे। उन्होंने भी अपने क्षेत्र की समस्याओं को अधिकारियों के सामने रखा और उनके समाधान के लिए ठोस कदम उठाने की अपील की। उन्होंने बड़कागांव क्षेत्र में स्वास्थ्य और शिक्षा से जुड़ी समस्याओं पर जोर दिया। इस मुलाकात के दौरान विधायक प्रदीप प्रसाद ने साफ शब्दों में कहा कि क्षेत्र के विकास में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे पूरी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ जनता की समस्याओं का समाधान करें।

कांग्रेस नेता संजय तिवारी का आमरण अनशन चौथे दिन भी जारी, हालत गंभीर

संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग में जिला कांग्रेस कमिटी के बैनर तले कांग्रेसी नेता संजय तिवारी का आमरण अनशन चौथे दिन भी जारी रहा। उनके अनशन का आज चौथा दिन था और उनकी हालत गंभीर हो गई है। सरकारी डॉक्टर जमीर अफजल द्वारा उनकी स्वास्थ्य जांच की गई, जिसमें पाया गया कि उनका ब्लड प्रेशर बहुत कम हो गया है, और शरीर में कमजोरी के साथ-साथ वजन में भी कमी आई है। अनशन के कारण संजय तिवारी की स्थिति गंभीर हो गई है, और उनका स्वास्थ्य निरंतर बिगड़ता जा रहा है। कांग्रेस पार्टी और आम जनता में इस बात को लेकर गुस्सा और निराशा है कि जिला प्रशासन ने अब तक कोई पहल नहीं की है। कांग्रेसी नेता और पार्टी के कार्यकर्ता प्रशासन की चुप्पी से नाराज हैं और उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर प्रशासन ने जल्दी से तिवारी जी की मांगों पर कार्रवाई नहीं की, तो कांग्रेस पार्टी उग्र आंदोलन की योजना बना सकती है। पार्टी का कहना है कि यह आंदोलन तब और भी तेज हो सकता है और इसकी पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी। इस आमरण अनशन कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार यादव ने कहा कि संजय तिवारी की पांच सूत्री मांगें पूरी तरह से जायज हैं। उन्होंने निजी अस्पतालों और स्कूलों में मनमाने ढंग से फीस लेने के खिलाफ आवाज उठाई और कहा कि यह अनशन राज्य सरकार की नीतियों के खिलाफ है, जिसमें कुछ सरकारी अधिकारी जिनकी मानसिकता आरएसएस और भाजपा से मिलती-जुलती है, राज्य सरकार की छवि को खराब करने की कोशिश कर रहे हैं।

हजारीबाग प्रेस क्लब में 3 फरवरी को आयोजित होगी भव्य सरस्वती पूजा

संवाददाता

हजारीबाग। प्रेस क्लब में इस वर्ष भी बसंत पंचमी के अवसर पर भव्य सरस्वती पूजा का आयोजन किया जाएगा। प्रेस क्लब के सभागार में आयोजित एक विशेष बैठक में पूजा की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता सरस्वती पूजा कमेटी के अध्यक्ष दीपक सिंह ने की, और पूजा कमेटी के सचिव सागर कुमार ने बैठक का संचालन किया। यह पूजा पूरी तरह से पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार आयोजित की जाएगी, जिसमें माँ सरस्वती की प्रतिमा का भव्य श्रृंगार, पूजा, हवन और भजन संध्या का आयोजन होगा। पूजा के बाद, प्रतिमा को हाथों में उठाकर श्रद्धापूर्वक झील घाट में विसर्जित किया जाएगा, जैसा कि पिछले वर्षों में किया गया था। पूजा के आयोजन के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया गया है, जिनकी जिम्मेदारी स्वागत, सफाई,

सजावट, प्रसाद वितरण, और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन को सुनिश्चित करना है। विशेष रूप से स्वागत समिति में क्लब के अध्यक्ष मुरारी सिंह, सचिव विस्मय अलंकार, कोषाध्यक्ष राजकुमार गिरी शानू, वरिष्ठ पत्रकार कृष्णा गुप्ता, विकास सिंह, और अन्य सदस्य शामिल हैं। पूजा के सफल आयोजन के लिए सभी श्रद्धालुओं और नगरवासियों से अनुरोध किया गया है कि वे इस पावन अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर माँ सरस्वती का आशीर्वाद प्राप्त करें। प्रेस क्लब की टीम इस आयोजन को ऐतिहासिक बनाने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ काम कर रही है। क्लब के सचिव विस्मय अलंकार ने कहा कि यह आयोजन समाज में शिक्षा, संस्कृति और एकता का संदेश देने का एक बड़ा अवसर है।क्लब की पूरी टीम इस आयोजन को भव्य और ऐतिहासिक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और सभी की उपस्थिति इस आयोजन को सफल बनाने में मदद करेगी।

सीमा सुरक्षा बल मेरू कैंप के अधिकारियों ने ग्रामीणों संग की एक समन्वय बैठक आयोजित

संवाददाता

हजारीबाग। सीमा सुरक्षा बल के मेरू कैंप के अधिकारियों ने सीतागढ़ क्षेत्र के ग्रामीणों के साथ एक समन्वय बैठक आयोजित की, जिसमें दोनों पक्षों के बीच आपसी सहयोग और समन्वय को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण चर्चा की गई। बैठक के दौरान, सीमा सुरक्षा बल के अधिकारियों ने सीतागढ़ फायरिंग रेंज पर होने वाली समस्याओं को गंभीरता से सुना और इसके समाधान के लिए कदम उठाने का आश्वासन दिया। इस बैठक में अधिकारियों ने बताया कि सीमा सुरक्षा बल हमेशा से ही ग्रामीणों के साथ मिलकर काम करता आया है और भविष्य में भी इस परिपाटी को बनाए रखा जाएगा। फायरिंग के दौरान सुरक्षा और एहतियात बरते जाने की जानकारी देते हुए अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि सीमा सुरक्षा बल का उद्देश्य हमेशा जनहित और ग्रामीणों की सुरक्षा है। इसके अलावा, यह भी बताया गया कि बल के कर्मियों द्वारा ग्रामीणों के खेती कार्यों या आने-जाने पर कोई भी रुकावट नहीं डाली जाती और फायरिंग का समय भी इस तरह से तय किया जाता है कि ग्रामीणों को कोई परेशानी न हो। सीमा सुरक्षा बल और ग्रामीणों के बीच इस बैठक का माहौल सकारात्मक रहा, और यह बैठक दोनों पक्षों के बीच सहयोग और समन्वय की भावना को और मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर साबित हुई।

विधायक प्रदीप प्रसाद ने सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास किया

संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग सदर विधानसभा के विधायक प्रदीप प्रसाद ने बुधवार को कटकमसांडी प्रखंड के डांटोखुर्द पंचायत स्थित ग्राम डांटो बाजार से आराभुसाई तक जाने वाली मुख्य सड़क का विधिवत शिलान्यास किया। यह सड़क 1 किलोमीटर लंबी होगी और इस निर्माण कार्य की लागत 66,06,559 रुपये रखी गई है। विधायक प्रदीप प्रसाद ने इस मौके पर उपस्थित ग्रामीणों और स्थानीय नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि यह सड़क ग्रामीणों के लिए एक बड़ी सौगात साबित होगी, जो लंबे समय से सड़क की खराब स्थिति से परेशान थे, खासकर बरसात के दिनों में। उन्होंने कहा कि सड़क के निर्माण से न सिर्फ क्षेत्र की यातायात व्यवस्था में सुधार होगा, बल्कि क्षेत्र के विकास को भी गति मिलेगी। इस कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों, भाजपा कार्यकताओं और समर्थकों ने विधायक प्रदीप प्रसाद का ढोल-नगाड़ों और नृत्य के साथ पारंपरिक झारखंडी संस्कृति के अनुसार गर्मजोशी से स्वागत किया। महिलाओं, बुजुर्गों और युवाओं ने विधायक को माला पहनाकर उनका अभिनंदन किया। विधायक ने आगे कहा कि यह सड़क हजारीबाग क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं की मजबूती की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, और हम इस तरह के और विकास कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में सबका साथ, सबका विकास की नीति पर आधारित क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता देने की बात कही।

सांसद सामूहिक विवाह उत्सव-2025 की तैयारियां जोर पकड़ने लगी, महज तीन दिन बाकी

संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह उत्सव-2025 की तैयारियां अब अंतिम दौर में पहुंच गई हैं। आगामी 2 फरवरी 2025 रविवार को हजारीबाग स्टेडियम कर्जऩ ग्राउंड में आयोजित होने वाले इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में 101 जोड़ों का सामूहिक विवाह संपन्न होगा। इस आयोजन को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं और अब महज तीन दिन बाकी हैं। सांसद मनीष जायसवाल दिल्ली विधानसभा चुनाव में अपने महत्वपूर्ण योगदान के कारण इस समय दिल्ली में हैं, लेकिन उनके निर्देश पर उनकी पत्नी निशा जायसवाल, भाई प्रशांत जायसवाल उर्फ. राजा, बेटे निशांत जायसवाल उर्फ. राजू और परिवार के अन्य सदस्य, साथ ही उनके समर्थक दिन-रात इस विवाह उत्सव की तैयारी में जुटे हुए हैं। विवाह स्थल को पूरी तरह से दुल्हन की

तरह सजाया जा रहा है और पार्किंग, भोजन व्यवस्था, अतिथियों और बारातियों के स्वागत के लिए विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। हजारीबाग स्टेडियम में दो मंच बनाए जा रहे हैं झ एक मंच अतिथियों के लिए और दूसरा पंडित जी और कला जत्था के लिए। 101 जोड़ों के विवाह के लिए अलग-अलग 101 बेदियाँ बनाई जा रही हैं, जहां पर जयमाला और विवाह संपन्न होगा। कार्यक्रम की खास बात यह होगी कि 101 जोड़ों के शानदार बारात की तैयारी है, जिसके लिए विशेष प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। विवाह स्थल के पास ठहरने की व्यवस्था भी की गई है, जिसमें दूल्हे पक्ष के लिए सिमरा रेस्ट हाउस के पास जीडी गोयनका स्कूल और कन्या पक्ष के लिए सनराइज इन में व्यवस्थाएं की गई हैं। सांसद मनीष जायसवाल ने इस आयोजन को लेकर कहा कि सामूहिक विवाह समाज के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण पहल है और इससे कई गरीब परिवारों को सहयोग मिलेगा। उन्होंने क्षेत्र की जनता से अपील की कि वे इस आयोजन में बड़ी संख्या में शामिल होकर इसे ऐतिहासिक और सफल बनाएं। इस सामूहिक विवाह उत्सव में 50,000 से अधिक लोग गवाह बनेंगे और 202 वर-वधू की नई जिंदगी की शुरूआत देखेंगे।

जेएलकेएम रामगढ़ जिला का कोषाध्यक्ष सुरेंद्र एवं उपाध्यक्ष शंकर को बनाया गया

रामगढ़ । झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा इकाई रामगढ़ के मांडू प्रखंड के वरिय उपाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार महतो को जेएलकेएम रामगढ़ जिला का कोषाध्यक्ष तथा शंकर कुमेहता को जिला उपाध्यक्ष बनाए जाने पर दोनों को जेएलकेएम रामगढ़ परिवार की ओर से बहुत-बहुत बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं ! निश्चित तौर पर आपलोगो के नेतृत्व में पार्टी/संगठन सशक्त एवं मजबूत बनेगी ऐसा उम्मीद है। सुरेंद्र महतो ने कहा की पार्टी ने मुझे जो आशा और विश्वास के साथ जो दायित्व दिया है उसे पर हम शत प्रतिशत खरा उतारने का प्रयास करूंगा और संगठन हित में मैं कार्य करूंगा ! जिला मीडिया प्रभारी रमेश कुमार महतो ने कहा की बहुत ही कम ऐसे संगठन के कार्यकर्ता है जो कम समय में सुपर सिक्स कर जाते हैं । पार्टी के शीर्ष नेतृत्व एवं जिला अध्यक्ष ने सोच समझ कर ही यह निर्णय लिए हैं। बधाई देने में मुख्य रूप से केंद्रीय पदाधिकारी अनीता देवी, श्याम सुंदर महतो,जिला मीडिया प्रभारी अध्यक्ष उषा देवी ,राकेश कुमार, दीपक के अलावा सैकड़ों लोगों ने बधाई दी है ।

कला हजारीबाग की शान, कलाकारों की पहचान

डॉ. धीरज गुप्ता ने अपनी गायकी व ऑर्गन वादन में बनाई पहचान

प्रदीप गुप्ता

हजारीबाग। हजारीबाग शहर के पुराना बस स्टैंड चौक स्थित रविंद्र पथ, एक पटिया मुहल्ला निवासी डॉ० धीरज कुमार गुप्ता, जो कि मां शारदे संगीत कला केंद्र के संस्थापक और प्रमुख हैं, ने अपनी गायकी, शास्त्रीय संगीत और विभिन्न वादन विधाओं में अपनी विशेष पहचान बनाई है। वे न केवल शास्त्रीय संगीत, गीत, गजल और भजन गायन में महारत रखते हैं, बल्कि तबला वादन, हारमोनियम वादन, ट्रिपल वादन और ऑर्गन वादन में भी उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई है। उनकी संगीत यात्रा एक प्रेरणा है, जो दर्शाती है कि कड़ी मेहनत, समर्पण और आत्मविश्वास

से किसी भी क्षेत्र में सफलता प्राप्त की जा सकती है। डॉ० धीरज कुमार गुप्ता का संगीत के प्रति रुझान बचपन से ही था। उनके पिता स्व० अंगी लाल गुप्ता, जो स्वयं एक संगीत प्रेमी थे, ने उन्हें संगीत की शिक्षा दी। उनका संगीत से परिचय पिता के साथ-साथ परिवार के अन्य संगीत प्रेमियों से भी हुआ, जिन्होंने उनके इस मार्ग पर चलने के लिए उन्हें प्रेरित किया। इसके बाद, डॉ० गुप्ता ने गायकी में अपनी शिक्षा डॉ० राज किशोर प्रसाद से ली, जो एक प्रसिद्ध संगीताचार्य थे। उन्होंने तबला वादन में कमला प्रसाद सिंह से भी शिक्षा ली और अपनी गायकी को और अधिक निखारा। इस प्रकार, डॉ० गुप्ता ने अपने संगीत ज्ञान को कई प्रतिष्ठित गुरुओं से प्राप्त किया, जो उनके संगीत के प्रति समर्पण का प्रतीक है। इसके बाद आईसेक्ट विश्वविद्यालय से मास्टर ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स की डिग्री प्राप्त की, जिसमें उन्हें गोल्ड मेडल भी मिला। उनके इस उपलब्धि ने न केवल उनकी व्यक्तिगत सफलता को दर्शाया, बल्कि यह हजारीबाग और आसपास के क्षेत्र में उनके संगीत के प्रति समर्पण और उनकी कड़ी मेहनत का प्रतीक बन गया। इसके अलावा, डॉ० गुप्ता का संगीत के प्रति गहरा लगाव उन्हें विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी लेकर गया, जहां उन्होंने अपनी संगीत कला का प्रदर्शन किया और सराहना प्राप्त की। 2016 में, डॉ० गुप्ता को एक विशेष अवसर प्राप्त हुआ, जब उन्होंने आर्ट ऑफ लिविंग द्वारा आयोजित विश्व सांस्कृतिक महोत्सव में भाग लिया। यह कार्यक्रम श्री श्री रविशंकर के नेतृत्व में आयोजित किया गया था, जिसमें 35,000 कलाकारों ने एक साथ संगीत वादन किया। डॉ. गुप्ता ने इस कार्यक्रम में भाग लेकर वादन करते हुए अपना नाम 'वर्ल्ड ऑफ गिनीज बुक' में दर्ज कराया। यह उपलब्धि उनके संगीत के प्रति समर्पण और उनकी अंतरराष्ट्रीय पहचान को दर्शाती है। हजारीबाग के स्थानीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी डॉ० गुप्ता ने अपनी प्रस्तुति दी है और अपनी कला से सबको मंत्रमुग्ध किया है। 2006 में उन्होंने संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित पूर्णकालिक नाटक देसी मुर्गी विलायती बोली में अपने कला प्रदर्शन से अपनी छाप छोड़ी। इसके अलावा, उन्होंने आकाशवाणी रांची में भी अपनी गायकी और वादन का प्रदर्शन किया, जो उनके संगीत की उच्च गुणवत्ता और विविधता को प्रमाणित करता है। वे संत कोलम्बा कॉलेज, हजारीबाग में बी.एड विभाग में संगीत के सहायक प्राध्यापक के रूप में कार्यरत हैं। इसके अलावा, उन्होंने हजारीबाग में स्थित मां शारदे संगीत कला केंद्र की स्थापना की, जिसके माध्यम से वे गायकी और वादन की शिक्षा दे रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में हजारों छात्रों ने संगीत की शिक्षा प्राप्त की है, जो आज विभिन्न मंचों पर अपनी कला का प्रदर्शन कर रहे हैं। डॉ. गुप्ता ने अब तक 4500 से अधिक संगीत कार्यक्रमों में भाग लिया है, जिनमें उनकी प्रस्तुतियाँ हजारीबाग के अलावा छत्तीसगढ़, बिहार, उत्तर प्रदेश, बंगाल, झारखंड और अन्य राज्यों में भी आयोजित की गई हैं।

डीडीसी ने कटकमसांडी क्षेत्र में मनरेगा योजना का लिया जायजा

संवाददाता

हजारीबाग। जिले के डीडीसी मो० इश्तियाक अहमद ने बुधवार को कटकमसांडी क्षेत्र में मनरेगा से संबंधित विभिन्न योजनाओं और अबुआ आवास का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रखंड मुख्यालय में मनरेगा कर्मियों और प्रखंड कर्मचारियों के साथ बैठक की और सभी चल रहे कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने क्षेत्र का भ्रमण करते हुए अबुआ आवास परियोजना का भी जायजा लिया। इस दौरान, बीडीओ अनिल कुमार गुप्ता और मनरेगाकर्मियों के साथ उन्होंने कटकमसांडी में स्थित अजय अग्रवाल के दस एकड़ भूमि पर हुए पौधरोपण का निरीक्षण किया। इसके अतिरिक्त, तालाब, कुआं और सड़क जैसी मनरेगा के तहत बन रही योजनाओं का भी अवलोकन किया और अधूरी योजनाओं को जल्द से जल्द पूरा कराने के निर्देश दिए। यह निरीक्षण क्षेत्रीय विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है, क्योंकि इन परियोजनाओं के माध्यम से ग्रामीणों को रोजगार मिल रहा है और जल-संरक्षण जैसे कार्यों से स्थानीय क्षेत्रों में स्थायी विकास हो रहा है। इस मौके पर बीडीओ अनिल कुमार गुप्ता, बीपीओ गोपाल प्रसाद, कटकमसांडी मुखिया कुमारी श्रीति पांडेय, रोजगार सेवक लखन रविदास, पंचायत सचिव प्रियंका कुमारी और अन्य प्रखंडकर्मी मौजूद थे।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, गुरुवार 30 जनवरी 2025

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

मयनागुड़ी शहर में रंगारंग जुलूस का आयोजन

कोलकाता। ट्रैफिक सुरक्षा दिवस के अवसर पर बुधवार को मयनागुड़ी कस्बे में पुलिस द्वारा एक रंगारंग जुलूस का आयोजन किया गया। इस दिन जलपाईगुड़ी जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) समीर अहमद ने हर चौक-चौराहे पर लोगों को ट्रैफिक कानूनों के प्रति जागरूक किया। उनके अलावा डीएसपी क्राइम शांति नाथ पांजा, बीडीओ प्रसेनजीत कुंडू, मयनागुड़ी थाना के आईसी सुबल घोष, हाईवे ट्रैफिक ओसी स्वपन बर्मन, मयनागुड़ी थाना के ट्रैफिक ओसी अतुल चंद्र दास के साथ नगर पालिका चेयरमैन अनंत देव अधिकारी, वाइस चेयरमैन मनोज रॉय एवं अन्य पार्षदगण उपस्थित थे।

लूटे गए ऑटो के साथ चार अपराधी गिरफ्तार

भागलपुर। जिले के कहलगांव थाना अन्तर्गत ग्राम हरचन्दपुर नहर के पास हुए टेम्पू लूट कांड का पुलिस ने सफल उद्भेदन कर लिया है। इस मामले में 04 अपराधकर्मी को गिरफ्तार किया गया है, साथ ही झारखंड के साहिबगंज से ऑटो बरामद कर लिया गया है। उक्त आशय की जानकारी बुधवार को कहलगांव डीएसपी ने दी। डीएसपी ने बताया कि बीते 20 जनवरी को कहलगांव थाना अन्तर्गत ग्राम-हरचन्दपुर नहर के पास 04 अज्ञात अपराधकर्मियों द्वारा टेम्पू चालक का हाथ पैर बांधकर उसका टेम्पू, मोबाईल तथा 700 रू लूट लिया गया। इस संबंध में टेम्पू चालक के आवेदन के आधार पर कहलगाँव थाना में सुसंगत धाराओं में मामला पंजीकृत किया गया। वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देशन, पुलिस अधीक्षक नगर के निगरानी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, कहलगाँव के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। उक्त टीम द्वारा तकनीकी अनुसंधान एवं मानवीय सूत्रों के आधार पर साहिबगंज के राधानगर थाना क्षेत्र से लूटी गयी टेम्पू बरामद किया गया तथा इस घटना में संलिप्त 04 अपराधकर्मियों को विधिवत गिरफ्तार किया गया। उल्लेखनीय है कि गिरफ्तार सोनू कुमार एवं सुनील कुमार ने लूटी गई टेम्पू एजुल शेख एवं सैफुद्दीन को बेच दिया था, जिसे एजुल शेख के घर से बरामद किया गया है। इस कांड में संलिप्त शेष अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

सांसद और उसके समर्थकों ने पत्रकार को पीटा

भागलपुर। भागलपुर हवाई अड्डे के समीप सड़क किनारे बुधवार को भागलपुर के जदयू सांसद अजय मंडल और उनके समर्थकों की दबंगई देखने को मिली। सांसद और उनके समर्थकों ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के दो पत्रकारों के साथ मारपीट की ।साथ ही भद्दी भद्दी गालियां दी। जिसे खबर में नहीं लिखा जा सकता है। सांसद और उनके समर्थकों ने पत्रकारों को दौड़ा-दौड़ा कर सड़क पर लात घूसे से जमकर पीटा। इस दौरान वहां मौजूद पुलिस तमाशबीन बनी रही। पत्रकार कुणाल शेखर और सुमित कुमार का दोष इतना ही था कि उन्होंने संसद की गाड़ी में बैठे कार्यकताओं की वीडियो बनाने की कोशिश की। सांसद लिखे गाड़ी में सांसद खुद मौजूद नहीं थे। बल्कि उनके समर्थक और कुछ कार्यकर्ता मौजूद थे। इस घटना में चोटिल हुए पत्रकार कुणाल शेखर को मायागंज अस्पताल इलाज के लिए ले जाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे छुट्टी दे दी। कुणाल शेखर ने बताया कि मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर वह और सुमित हवाई अड्डा के समीप समाचार संकलन कर रहे थे। तभी हवाई अड्डे की गेट पर संसद की बोर्ड लगी गाड़ी आई। लेकिन उस गाड़ी में संसद नहीं थे। उसे गाड़ी को पुलिस ने रोक लिया। फिर वह गाड़ी वापस चली गई। कुछ देर बाद सांसद अपने समर्थकों के साथ आए और हम लोगों के साथ मारपीट की। उन्होंने गंदी-गंदी गालियां भी दी। जिसको हम बात नहीं सकते हैं। कुणाल ने कहा कि इस संबंध में हम लोग प्राथमिक की दर्ज कराएंगे। हालांकि इस घटना के बाद जिले के पत्रकारों में काफी रोष है। पत्रकारों का कहना है की इस तरह की घटना पत्रकारों के साथ नहीं होना चाहिए। वहीं विभिन्न राजनीतिक दलों के पद धारकों ने भी इस घटना की कड़ी निंदा की है।

नौ दिवसीय शतचंडी महायज्ञ की तैयारी अंतिम चरण में कल निकलेगी कलश यात्रा

महाराजगंज। अनुमंडल मुख्यालय के दुर्गा चौक नखास स्थित बड़ी देवी मंदिर के पंचम वार्षिकोत्सव पर नौ दिवसीय शतचंडी महायज्ञ का आयोजन किया गया है। महायज्ञ की तैयारी अंतिम चरण में है। महायज्ञ को ले बुधवार को भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। कलश यात्रा से प्रारंभ होकर महायज्ञ 8 फरवरी तक चलेगा। आयोजन समिति के अध्यक्ष रामबाबू प्रसाद ने बताया कि नौ दिवसीय शतचंडी महायज्ञ के दौरान प्रवचन होगा। वृन्दावन की कथावाचिका देवी राधा किशोरी जी श्रीमद भागवत कथा के साथ देवी महात्म्य का वर्णन करेंगी। महायज्ञ संत महात्माओं के सत्संग से ओतप्रोत होगा। बनारस के आचार्य मनीष तिवारी के बैदिक मंत्रोचार के साथ कलश यात्रा प्रारम्भ होंगी। आयोजन समिति के सदस्यों द्वारा तैयारियां युद्ध स्तर पर की जा रही है। महायज्ञ को ले बड़ी देवी मंदिर को अनोखे तरीके से सजाया जा रहा है। यज्ञ मंडप का निर्माण हो रहा है। वही पत्रकार नगर में प्रवचन को ले भव्य देव मंच निर्माण के साथ विशाल पुजा पंडाल तैयार हो रहा है। अध्यक्ष ने बताया कि कलश यात्रा सुबह आठ बजे निकाली जाएगी। जिसमें स्थानीय सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल, पूर्व विधायक हेमनारायण साह, नगर पंचायत मुख्य पार्षद शारदा देवी तथा उप मुख्य पार्षद गुड़िया देवी शामिल होंगी। कलश यात्रा के साथ नौ दिवसीय महायज्ञ का शुभारंभ किया जायेगा। कलश सह शोभा यात्रा मे हाथी, घोड़ा, बच्चों के द्वारा देवी देवताओं की झांकी आकर्षक का केंद्र होगा। महायज्ञ को ले भक्तों में काफी उत्साह देखा जा रहा है। यज्ञ स्थल के आसपास मेला का दृश्य हो गया है। झूला, मीना बाजार तथा बच्चों के मनोरंजन का साधन पहुंच गया है।

कटिहार जिला को मुख्यमंत्री ने दी 166.96 करोड़ की सौगात

145 विकास योजनाओं का लोकार्पण

- 56.50 करोड़ रुपये की योजनाओं का लोकार्पण एवं 110.46 करोड़ रुपये की योजना का शिलान्यास शामिल

एजेंसी

कटिहार। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार प्रगति यात्रा के तीसरे चरण में बुधवार को कटिहार पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कुल 166.96 करोड़ रुपये की योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया, जिसमें 56.50 करोड़ रुपये की योजनाओं का लोकार्पण एवं 110.46 करोड़ रुपये की योजना का शिलान्यास शामिल है।

नीतीश कुमार ने जिन 57 योजनाओं का शिलान्यास किया उनमें मुख्यरूप से अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय, मदरसों में अतिरिक्त वर्ग कक्ष एवं कम्प्यूटर लैब का निर्माण, विभिन्न प्रखंडों में होल-डे मिल्क बूथ का निर्माण, विभिन्न पंचायतों में पंचायत सरकार भवन का निर्माण आदि शामिल हैं।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार प्रगति यात्रा क्रम में सबसे पहले गोगबिल झील का हवाई सर्वेक्षण करते हुए कोढ़ा प्रखंड के रामपुर पंचायत पहुंचे। इस दौरान उन्होंने हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, मनरेगा भवन, के कुम्हरी में फुटबॉल स्टेडियम का निर्माण, हसनगंज में प्रथम वर्गीय पशु चिकित्सालय का निर्माण, नगरनिगम क्षेत्र अंतर्गत सड़क एवं नाला निर्माण आदि शामिल है।

मुख्यमंत्री ने जिन 88 योजनाओं का लोकार्पण किया उसमें मुख्यरूप से ग्रामीण क्षेत्र की सड़कों का निर्माण, कदवा प्रखंड पंचायत सरकार भवन आदि का निरीक्षण किया। रामपुर के बाद उन्होंने कटिहार नगर निगम स्थिति राजेन्द्र स्टेडियम में प्रस्तावित स्पोर्ट काम्प्लेक्स के निर्माण हेतु स्टेडियम का अवलोकन किया। इसके बाद नितीश कुमार ने शरीफगंज में अल्पसंख्यक बालक छात्रावास का भ्रमण एवं विभिन्न विभागीय शिलान्यास कार्यक्रम में भाग लिया।

नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा को लेकर निकाली गई कलश यात्रा

एजेंसी

भागलपुर। जिले के सन्हौला प्रखंड के साहुपाड़ा गांव में श्रीश्री 108 नर्मदेश्वर महादेव मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर बुधवार को भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई। इस कलश शोभायात्रा यात्रा में 501 कुमारी कन्याओं एवं महिलाओं ने भाग लिया। महादेव स्थान के शिव गंगा से पवित्र जल भरने के बाद यह यात्रा पूरे साहुपाड़ा गांव का भ्रमण करते हुए पुनः मंदिर परिसर पहुंची। संध्या 4 बजे से अष्टयाम संकीर्तन का शुभारंभ हुआ, जो पूरे श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ 24 घंटा जारी रहेगा। अष्टयाम समापन होने के भजन संध्या का आयोजन होगा, जबकि शुक्रवार को पूरे गांव में शिवलिंग की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसके बाद प्राण प्रतिष्ठा संपन्न होगी।

मंदिर निर्माण के संयोजक पुणेंद्र कुमार ने बताया कि मेरी पत्नी महादेव की अनन्य भक्त थीं और प्रतिदिन भागलपुर बूढ़ानाथ मंदिर में पूजा-अर्चना करती थीं। दुर्भाग्यवश एक गंभीर बीमारी के कारण उनका निधन हो गया। अपनी पत्नी के नाम से किए गए बीमा की राशि का उपयोग इस मंदिर के निर्माण में किया। परिवार के अन्य सदस्यों ने भी इसमें कुछ सहयोग किया है। कुल मिलाकर इस मंदिर के निर्माण में एक करोड़ से अधिक की लागत आई।

अवैध रूप से सीमा पार करने के आरोप में एक बांग्लादेशी गिरफ्तार, सुरक्षा कारणों से क्षेत्र में सीसीटीवी लगाया गया

संवाददाता

कोलकाता। तीस वर्ष से अधिक आयु का एक युवक बांग्लादेश से सीमा पार करके भारत में घुस आया था। लेकिन यह अंतिम उपाय नहीं था। नजरदारी कर रहे बीएसएफ जवानों ने उसे गिरफ्तार कर लिया। यह घटना मंगलवार रात उत्तर 24 परगना के सीमावर्ती इलाके बनगांव में घटी। यह पता लगाने के प्रयास चल रहे हैं कि युवक सीमा पार कर भारत क्यों आया। बीएसएफ सूत्रों के अनुसार, व्यक्ति का नाम इमरान हसन है। वह कल रात दोबरपाड़ा सीमा बाड़ फांदकर अवैध रूप से भारत में प्रवेश कर रहा था। उसी समय सैनिकों ने उसे गिरफ्तार कर लिया। प्रारंभिक पूछताछ के दौरान उसने खुद को भारत का नागरिक बताया। उसका नाम सुमन सरकार है, उसके पिता का नाम संजीत सरकार है। जब सैनिकों ने उससे पहचान पत्र दिखाने को कहा तो वह नहीं दिखा सका। जब उनके बयानों में

कई विसंगतियां पाई गईं तो आगे की पूछताछ शुरू हुई। इस बार उसने सच कहा। गिरफ्तार व्यक्ति का असली नाम इमरान हसन है। वह बांग्लादेश के जेस्सोर जिले के पुटखली उत्तरपाड़ा का निवासी है। इसके तुरंत बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। बाद में उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। उन्हें बनगांव अदालत ले जाया गया। वह व्यक्ति इस देश में किस उद्देश्य से आया था? क्या उसकी कहीं और छिपने की योजना थी? इसका पता लगाने के प्रयास जारी हैं।

बांग्लादेश में अशांति के बीच बनगांव सीमा के जरिए अवैध घुसपैठ की घटनाएं हो रही हैं। पुलिस ने कई लोगों को गिरफ्तार भी किया है। बेहतर निगरानी के लिए बांग्लादेश से सटे सीमा क्षेत्र में 55 सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं। ये सीसीटीवी कैमरे बनगांव प्रखंड के घाटबाओर ग्राम पंचायत द्वारा सुरक्षा कारणों से लगाए जा रहे हैं। ग्राम पंचायत के मुखिया अनिसुर जमान मंडल ने कहा, यह कदम सीमावर्ती निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और प्रशासन की निगरानी बढ़ाने के लिए है। इन सीसीटीवी कैमरों की निगरानी बनगांव थाने की पुलिस कर रही है।

जमीन कब्जा को लेकर तनाव, गोलीबारी में मौत

संवाददाता

कोलकाता। दोनों परिवारों के बीच जमीन दखल को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। बुधवार सुबह भूमि विवाद और बढ़ गया। इसी कारण बम विस्फोट और गोलीबारी शुरू हो गई। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक का नाम अलहमदु शेख (52) है। यह सनसनीखेज घटना नादिया के नकाशीपारा में घटी। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस और स्थानीय सूत्रों के अनुसार, छपरा के महेशनगर के शिवपुर में एक जमीन को लेकर अलहमदु शेख और हुमी मल्लिक के परिवारों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। अलहम्दु शेख और उनका परिवार बुधवार की सुबह उस जमीन पर खेती कर रहे थे। आरोप है कि उसी समय हुमी मलिक और उसके गिरोह ने जमीन पर कब्जा कर लिया और उस पर खेती करने लगे। इस घटना से बहुत बड़ी समस्या शुरू हो गई।

झड़प के दौरान बम और बंदूकें निकल आईं। दोनों पक्षों पर एक दूसरे पर हमला करने का आरोप है। कई बम और गोलियां चलाई गईं। उन पर धारदार हथियारों से भी हमला किया गया है। इस घटना में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की खबर मिलते ही छपरा थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंच गई। तीन घायलों को बचा लिया गया और छपरा ग्रामीण अस्पताल भेज दिया गया। वहां अल्हम्दु शेख को मृत घोषित कर दिया गया। बाकी लोगों को गंभीर हालत के कारण कृष्णानगर शक्तिनगर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

इस घटना से क्षेत्र में व्यापक दहशत फैल गई है। बताया जा रहा है कि घटनास्थल पर बड़ी संख्या में पुलिस तैनात की गई है। लेकिन बम और बंदूकें आम लोगों के हाथों में कैसे आईं? यह प्रश्न मन में आया है। घटना के बाद से निवासी अवाक हैं। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। गांव के अंदर हथियारों की तलाश भी चल रही है। घटना के बाद से दोनों परिवारों के आरोपी फरार हैं। उनकी तलाश जारी है।

तृणमूल नेता का शव मिला, हत्या या आत्महत्या, पुलिस ने जांच शुरू की

संवाददाता

कोलकाता। मुर्शिदाबाद जिला तृणमूल कांग्रेस के पूर्व शीर्ष नेता और बहरमपुर पंचायत समिति के पूर्व अध्यक्ष सुकुमार अधिकारी का निहत शव बुधवार की सुबह बहरमपुर शहर के राणीबागान इलाके में मिलने से भारी हड़कंप मच गया है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, उनको प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि तृणमूल नेता ने तेजाब पीकर आत्महत्या की है। पुलिस ने मृतक के शव के पास से एसिड की एक बोतल बरामद की। मौत के कारण की पुष्टि के लिए शव को पोस्टमार्टम के लिए मुर्शिदाबाद मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया है। सुकुमार बाबू की मृत्यु के समय उनकी आयु 68 वर्ष थी। तृणमूल कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, सुकुमार पिछले कुछ वर्षों से अपने परिवार के साथ राणीबागान इलाके में एक मकान में रह रहे थे। इस दिन सुबह स्थानीय लोगों ने सुकुमार बाबू को उनके घर से कुछ दूरी पर एक प्रसिद्ध होटल के बगल में एक संकरी गली में बेहोशी की हालत में बचाया। जब उन्हें अस्पताल ले जाया गया तो डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हालांकि, जिले का शीर्ष तृणमूल नेतृत्व इस बात से उलझन में है कि सुकुमार बाबू ने आत्महत्या क्यों की। नाम न बताने की शर्त पर कई तृणमूल नेताओं ने बताया कि सुकुमार लंबे समय से बीमार थे।

मालदा में फिर गोलीबारी, एक की मौत, घायल की हालत गंभीर

संवाददाता

कोलकाता। मालदा में एक और गोलीबारी। इस बार शराब को लेकर हुए विवाद में एक ठेका मजदूर आपूर्तिकर्ता की हत्या कर दी गई। उनके एक दोस्त को गोली लगी है और उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह घटना मंगलवार को वैष्णवनगर थाना अंतर्गत बीरनगर-1 ग्राम पंचायत के राधानाथटोला इलाके में घटी। मृतक प्रदीप कर्मकार (50) और उनके घायल दोस्त निरंजन दास (40) एक ही इलाके के निवासी हैं। पता चला है कि प्रदीप उस दिन शाम करीब साढ़े चार बजे निरंजन के घर शराब पीने गया था। पांच अन्य स्थानीय लोगों ने वहां पहले से ही पार्टी आयोजित कर रखी थी। कथित तौर पर, शराब पीते समय जब उनमें बहस हुई तो उन्होंने अचानक निरंजन के सीने में गोली मार दी। उसे बचाने की कोशिश में प्रदीप को गोली लग गई। इसके बाद बदमाशों ने उसे घर के अंदर छोड़ दिया और बाहर से दरवाजा बंद कर फरार हो गए।

स्थानीय लोगों ने निरंजन को बचाया और पहले उसे स्थानीय अस्पताल तथा बाद में मालदा मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। बताया जा रहा है कि वैष्णवनगर थाने की पुलिस ने दरवाजा तोड़कर प्रदीप को बाहर निकाला, लेकिन अस्पताल ले जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई। पुलिस पूरे इलाके में आरोपियों की तलाश कर रही है।

पता चला है की इस शूटआउट में 2 गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने घटना के मुख्य आरोपी निमाई घोष को मंगलवार शाम अटक किया गया था। उसे बुधवार को गिरफ्तार किया गया है। इसके साथ ही पांडव घोष नामक एक अन्य व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया गया। दूसरी ओर, गोली लगने से घायल निरंजन दास को आज गंभीर हालत में कोलकाता स्थानांतरित कर दिया गया।

सिउरी में पुलिस पर हमले में 20 गिरफ्तार, कई लोग गांव छोड़कर भागे

संवाददाता

कोलकाता। सिउरी में पुलिस पर हमले की घटना के बाद से बीरभूम प्रशासन सख्त कार्रवाई कर रहा है। मंगलवार की सुबह मल्लिकपुर पंचायत के मिनिस्ट्रील गांव में पुलिस की पिटाई कर दी गई। थाने के आईसी का कॉलर पकड़कर खींचने की तस्वीर सामने आने से भी हड़कंप मच गया। घटना के बाद से पुलिस इलाके में घरों की तलाशी ले रही है। अंतिम रिपोर्ट के अनुसार, इस घटना में 20 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गांव के अंदर हथियार कहां से आये पुलिस उस मामले की भी जांच कर रही है।

आरोप है कि मंगलवार सुबह बन्दुक लेकर दो युवक गांव में आये धमक दिए और हमला बोल दिया। पहले तो स्थानीय लोग डर गए, लेकिन बाद में उन्होंने पीछा कर दोनों को पकड़ लिया। हाथ-पैर बांधकर पिटाई शुरू कर दी गई। जब पुलिस उनकी मदद के लिए आई तो वे उग्र हो गए। उन पर पलटा हमला हुआ। दो युवकों को छुड़ाने का प्रयास किया गया। पुलिस अधिकारियों की पिटाई की गई। थाने के आईसी की कॉलर खींचना जारी रखा गया। हमला होने के बाद पुलिस थोड़ा पीछे हट गई। बाद में पुलिस अधिकारी बड़ी संख्या में पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया। घटना के बाद पूरे गांव में तलाश शुरू हो गई। बताया जाता है कि अनेक लोग बेघर हैं।

पारा चढ़ रहा है, सरस्वती पूजा के दौरान कैसा रहेगा मौसम?

संवाददाता

कोलकाता। कहावत है, माघ की सर्दी बाघ के शरीर पर! लेकिन कहां है! माघे में भी सर्दी जा रही है। सरस्वती पूजा इस महीने के अंत में है (बंगाली कैलेंडर के अनुसार)। क्या उस दिन पारा गिरेगा या 'बंगाली वैलेंटाइन डे' गर्मजोशी के साथ बीतेगा?

एक के बाद एक पश्चिमी तूफान आ रही हैं। एक और पश्चिमी तूफान 1 फरवरी को उत्तर-पश्चिम भारत में प्रवेश करेगा। अलीपुर मौसम विभाग का कहना है कि तापमान धीरे-धीरे बढ़ेगा। राज्य भर में पारा 2-3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। न्यूनतम तापमान के साथ-साथ अधिकतम तापमान भी बढ़ रहा है।

सरस्वती पूजा के दौरान तापमान सामान्य से थोड़ा अधिक रहेगा।

तिलोत्तमा में न्यूनतम तापमान में पहले ही करीब 3 डिग्री की बढ़ोतरी हो चुकी है। जनवरी के अंत या फरवरी की पहली

तारीख तक कोलकाता में पारा 19-20 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। हालाँकि, अगले सप्ताह के अंत तक तापमान में थोड़ी गिरावट आ सकती है। दार्जिलिंग में हल्की बर्फबारी की संभावना है। दार्जिलिंग के ऊंचे पहाड़ी इलाकों में ओलावृष्टि संभव है। दार्जिलिंग और कलिम्पोंग जिलों में हल्की बारिश की संभावना है। उत्तर बंगाल के बाकि जिलों में बारिश की कोई संभावना नहीं है। दक्षिण बंगाल में घने कोहरे की चेतावनी है। कल यानी गुरुवार को पश्चिम मेदिनीपुर, पश्चिम बर्दवान, बीरभूम, मुर्शिदाबाद, नादिया, उत्तर 24 परगना जिलों में घने से मध्यम कोहरा छाए रहने की संभावना है। शेष जिलों में सुबह के समय हल्की धुंध व कोहरा छा सकता है। फिलहाल बारिश की कोई संभावना नहीं है। दार्जिलिंग समेत उत्तर बंगाल के दो-तीन जिलों में मध्यम कोहरा छाए रहने की संभावना है। अगले 48 घंटों में उत्तर बंगाल के सभी जिलों में हल्का कोहरा छाए रहने की संभावना है। दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी, कूचबिहार और उत्तर दिनाजपुर जिलों में कोहरा छाया रहेगा।

आईआईटी बॉम्बे के तहत और भारतजेन पहल के साथ सोमवार को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

संवाददाता

कोलकाता। सनातन ज्ञान और परंपरा के अध्ययन को अधिक आधुनिक बनाने और इसे अगली पीढ़ी तक आसानी से पहुंचाने के लिए भक्ति वेदांत रिसर्च सेंटर आधुनिक तकनीक, विशेष रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की सहायता ले रहा है। इस उद्देश्य के लिए, उन्होंने आईआईटी बॉम्बे के तहत और भारतजेन पहल के साथ सोमवार को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। भारत में भाषाओं की अपार विविधता को एक छतरी के नीचे लाकर भाषा-संबंधी तकनीक के विकास में भारतजेन की महत्वपूर्ण भूमिका है। भक्ति वेदांत रिसर्च सेंटर के स्नातकोत्तर स्तर की डिग्री को

मुंबई विश्वविद्यालय ने मान्यता दी है, और उनकी शोध गतिविधियों को सावित्रीबाई फुले पुणे यूनिवर्सिटी ऑफ रिसर्च से भी स्वीकृति प्राप्त है।

यह केंद्र भारत की ऐतिहासिक समृद्धि, दर्शन और सांस्कृतिक विरासत पर शोध करता है और साथ ही इतिहास, संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण में भी उल्लेखनीय योगदान देता है। इस समझौते के माध्यम से पारंपरिक शोध प्रक्रियाओं और पद्धतियों को और अधिक उन्नत बनाया जाएगा और दक्षता बढ़ाने के लिए अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर टूल विकसित किए जाएंगे। इन सॉफ्टवेयरों को पारंपरिक शिक्षा, शिक्षण पद्धति और अनुसंधान को आधुनिक तकनीक की सहायता से उन्नत करने के उद्देश्य से विकसित किया जाएगा, जिससे प्राचीन ज्ञान आधुनिक पीढ़ी के लिए अधिक सुलभ हो सकेगा।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, गुरुवार 30 जनवरी 2025

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

किसान विकास पत्र के नॉमिनी ने राशि भुगतान की मांग की

हरिहरगंज। शहर के मेन रोड एनएच-139 के किनारे रहने वाले स्वर्गीय दीनानाथ सोनी के 25 वर्षीय पुत्र राम पुकार सोनी ने हरिहरगंज पोस्ट ऑफिस के अधिकारियों से अपने बड़े भाई दिलीप कुमार सोनी द्वारा जमा किसान विकास पत्र की राशि के भुगतान की मांग की है। राम पुकार सोनी ने बताया कि उनके बड़े भाई दिलीप सोनी के नाम से 10,000 रुपये के पांच किसान विकास पत्र हरिहरगंज पोस्ट ऑफिस में जमा हैं। लेकिन 14 सितंबर 2017 को ये प्रमाण पत्र गुम हो गए थे। इस संबंध में उन्होंने शपथ पत्र संख्या 256 में घोषणा भी की थी।उन्होंने बताया कि उनके बड़े भाई ने किसान विकास पत्र के नॉमिनी के रूप में उनका नाम दर्ज कराया था। इस आधार पर उन्हें 50,000 रुपये की राशि मिलनी चाहिए। लेकिन पोस्ट ऑफिस प्रशासन इस राशि का भुगतान करने में देरी कर रहा है। उन्होंने हरिहरगंज पोस्ट ऑफिस के पदाधिकारियों से जल्द से जल्द भुगतान करने की मांग की और कहा कि यदि उनकी मांग पूरी नहीं हुई, तो वे इस मामले को उच्च अधिकारियों तक ले जाएंगे।

गैस पाइपलाइन बिछाने के नाम पर बर्बाद हो रही सड़कें, प्रशासन से जांच की मांग

हरिहरगंज। हरिहरगंज नगर पंचायत क्षेत्र में घरेलू गैस पाइपलाइन बिछाने के दौरान सड़कों को बर्बाद किए जाने पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष अतहर हुसैन ने नाराजगी जताई। उन्होंने गैस पाइपलाइन बिछाने वाली एजेंसी पर कार्रवाई की मांग की और कहा कि इस कार्य में भारी अनियमितता की संभावना है। अतहर हुसैन ने कहा कि जिस एजेंसी द्वारा यह कार्य किया जा रहा है, उसका कोई बोर्ड तक नहीं लगाया गया है। इससे निर्माण कार्यों की पारदर्शिता पर सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि इस कार्य की जांच कराई जाए और अनियमितताओं के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएं। गैस पाइपलाइन बिछाने के दौरान कई इलाकों में हाल ही में बनी पीसीसी सड़कों को खोदकर बर्बाद कर दिया गया है। इनमें प्रमुख रूप से अररुआ खुर्द जमा मस्जिद, झामुमो कार्यालय अररुआ खुर्द और जग्गू चौक की सड़कें शामिल हैं। इसके अलावा, गैस पाइपलाइन बिछाने के दौरान नल जल योजना की पाइपलाइन भी क्षतिग्रस्त कर दी गई, जिससे आम जनता को भारी परेशानी हो रही है। इससे सरकार को भी लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। झामुमो नेता अतहर हुसैन ने पलामू उपायुक्त से इस मामले की जांच करने और दोषी एजेंसी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा कि जनहित में यह मुद्दा बहुत महत्वपूर्ण है और इस पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है। इस विरोध प्रदर्शन में मो. जमील अहमद, मो० सलीम, मो० जमील, मो० फिरोज आलम सहित कई अन्य लोग शामिल थे।

छतरपुर उप डाकघर में रेलवे काउंटर अब तक बंद

छतरपुर। छतरपुर उप डाकघर में स्थित रेलवे आरक्षण काउंटर को कुछ दिनों पहले रेलवे विभाग द्वारा बंद कर दिया गया था, जिससे यात्रियों को भारी असुविधा हो रही है। हालांकि, पलामू सांसद विष्णु दयाल राम के हस्तक्षेप के बाद इसे पुनः चालू करने की प्रक्रिया शुरू की गई थी, लेकिन अब तक रेलवे विभाग के अधिकारियों द्वारा इसे दोबारा बहाल नहीं किया गया है। रेलवे काउंटर के बंद होने के कारण दर्जनों यात्री रोजाना टिकट बुक कराने के लिए आते हैं लेकिन निराश होकर लौट जाते हैं। कई बार यात्री डाक कर्मियों से बहस करने लगते हैं, जिससे न केवल आम जनता बल्कि डाकघर के कर्मचारियों को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। रेलवे काउंटर की इस समस्या के कारण डाकघर का अन्य कार्य भी प्रभावित हो रहा है। खासकर इस समय जब महाकुंभ के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु यात्रा की योजना बना रहे हैं, रेलवे टिकट बुकिंग की सुविधा बहाल न होने से उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।स्थानीय लोग और यात्रियों ने रेलवे और डाक विभाग के अधिकारियों से जल्द से जल्द काउंटर को पुनः चालू करने की मांग की है, ताकि उन्हें टिकट बुकिंग के लिए दूर न जाना पड़े और उनकी यात्रा सुगम हो सके।

हेल्थ मैप सेंटर में सरकारी सुविधा उपलब्ध

मेदिनीनगर। हेल्थ मैप सेंटर में अब मरीजों का निशुल्क सीटी स्कैन,एक्स-रे और अल्ट्रासाउंड की सुविधा सुरू हो गई है। हेल्थ मैप सेंटर के मैनेजर शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि सरकार के पास हेल्थ मैप सेंटर का पैसा बकाया था। जिसके कारण अस्पताल के हेल्थ मैप सेंटर में सरकारी सुविधा बंद कर दिया गया था।वही बकाया पैसा मिल जाने के बाद फिर से हेल्थ मैप सेंटर में मरीजों के लिए सभी सरकारी सुविधा उपलब्ध हो गई है।बताते चले की कुछ महीने से अस्पताल के हेल्थ मैप सेंटर में निशुल्क सुविधा बंद रहने के कारण मरीज को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था।

2 लाख का इनामी नक्सली गिरफ्तार

संवाददाता

लातेहार। जिले में पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए झारखंड जनमुक्ति परिषद के कमांडर जितेंद्र सिंह को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार उग्रवादी सदर थाना क्षेत्र के सेमरीताड़ गांव का रहने वाला है. सरकार की ओर से इस पर 2 लाख रुपए का इनाम भी घोषित है। दरअसल, लातेहार एसपी कुमार गौरव को गुप्त सूचना मिली थी कि जेजेएमपी का एरिया कमांडर किसी घटना को अंजाम देने के लिए क्षेत्र में अपने सहयोगियों के साथ भ्रमणशील है। इस सूचना के बाद एसपी के निर्देश पर डीएसपी अरविंद कुमार और थाना प्रभारी दुलड़ चौड़े के नेतृत्व में पुलिस की एक टीम बनाई गई और नक्सलियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की गई।

पुलिस की टीम ने सूचना के आधार पर एक ईंट भट्टे के पास घेराबंदी कर उग्रवादी को गिरफ्तार कर लिया। छानबीन के बाद उसके पास से पुलिस ने एक देसी बंदूक और चार गोलियां भी बरामद की. हालांकि उसके अन्य सहयोगी घटनास्थल से भागने में सफल रहे। गुप्त सूचना पर हुई कार्रवाईइधर इस संबंध में एसपी कुमार गौरव ने मंगलवार को प्रेस वार्ता करते हुए बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि जेजेएमपी का एरिया कमांडर किसी घटना को अंजाम देने के लिए अपने सहयोगियों के साथ क्षेत्र में भ्रमणशील है। इसी सूचना पर पुलिस की टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया. एसपी ने बताया कि गिरफ्तार उग्रवादी पर लातेहार जिले के विभिन्न थाना क्षेत्र में एक दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार उग्रवादी से पुलिस को कई अन्य महत्वपूर्ण जानकारी भी प्राप्त हुई है, जिसके आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। एक सप्ताह पूर्व ही दिया था घटना को अंजामबता दें कि एरिया कमांडर ने अपने सहयोगियों के साथ एक सप्ताह पूर्व ही सदर थाना क्षेत्र के सेमरीताड़ गांव में एक पारा टीचर के घर में तोड़फोड़ की थी। पारा टीचर के द्वारा इस संबंध में पुलिस के समक्ष लिखित आवेदन भी दिया गया था। जिसके बाद पुलिस ने उग्रवादियों की गिरफ्तारी के लिए सघन छापेमारी आरंभ की थी।

बताया जाता है कि उग्रवादी फिर से किसी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहा था। लेकिन एसपी कुमार गौरव को मिली गुप्त सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई कर उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी में थाना प्रभारी दुलड़ चौड़े की अलावे एएसआई रविंद्र महली, उमापद महतो समेत अन्य की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

मजदूर को गोली मारने के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

मेदिनीनगर। सदर थाना क्षेत्र के जोरकट में टोल टैक्स प्लाजा पर 7 जनवरी को नेशनल हाइवे निर्माण कंपनी के कर्मी पर गोली चलाने के मामले में पुलिस को सफलता मिली है। एसडीपीओ मणिभूषण प्रसाद के नेतृत्व में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए घटना में शामिल दो आरोपी शुभम दुबे और आकाश कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही घटना में उपयुक्त हथियार को भी पुलिस ने बरामद कर लिया है। एसपी रीष्मा रमेशन ने बताया कि एनएच निर्माण कंपनी से रंगदारी लेने के उद्देश्य से कुख्यात अपराधी अमन साव गैंग के गुर्गे राहुल सिंह ने दोनों अपराधी शुभम दुबे और आकाश कुमार को गोली चलाने के लिए कहा था और 60 हजार रुपए भी दिया था। मामले में दोनों अपराधी को शहर के रेड़मा इलाके से घटना में उपयोग किए गए हथियार और पल्सर बाइक के साथ गिरफ्तार करते हुए जेल भेजा गया है।

व्यापार मंडल भवन खाली करने का अल्टीमेटम

24 घंटे में नहीं हटे तो होगी कानूनी कार्रवाई

संवाददाता

हरिहरगंज। हरिहरगंज शहर के सिनेमा रोड स्थित व्यापार मंडल भवन पर अवैध कब्जे को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। बुधवार को प्रशिक्षु आईएएस और छतरपुर एसडीओ आशीष गंगवार ने व्यापार मंडल भवन का निरीक्षण किया। इस दौरान पाया गया कि व्यापार मंडल का गोदाम, स्टोर और अध्यक्ष कार्यालय पिछले कई वर्षों से विमलेश यादव के अवैध कब्जे में है। इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रशिक्षु आईएएस आशीष गंगवार ने हरिहरगंज बीडीओ पारितोष प्रियदर्शी, अंचलाधिकारी मनीष कुमार सिन्हा और कृषि पदाधिकारी ब्रजेश कुमार के साथ मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के बाद एसडीओ ने स्पष्ट निर्देश दिया कि विमलेश यादव को 24 घंटे के भीतर व्यापार मंडल भवन खाली करना होगा, अन्यथा उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि व्यापार मंडल परिसर में अवैध रूप से लगाए गए गुमटी और ह्यूम पाइप को भी तुरंत हटाया जाए। यदि निर्धारित समय के भीतर आदेश का पालन नहीं किया जाता है, तो प्रशासन सख्त कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटेगा। इस निरीक्षण के दौरान व्यापार मंडल अध्यक्ष कपेश्वर सिंह, ढाब पैक्स अध्यक्ष मनोज सिंह उर्फ चंचल सिंह, शंकर सिंह समेत कई स्थानीय लोग उपस्थित थे।

पलामू से वाराणसी जा रही थी गांजा की खेप, तीन तस्कर हुए गिरफ्तार

संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले से वाराणसी ले जाई जा रही गांजा की एक बड़ी खेप को पुलिस ने बरामद किया है।

मौके से 9 किलो गांजा के साथ तीन तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार तस्करों का नेटवर्क झारखंड और उत्तर प्रदेश में फैला हुआ है। गिरफ्तार आरोपी, तस्करों के बीच पैडलर की भूमिका में थे। गिरफ्तार आरोपी पैसे लेकर गांजा की खेप को बाहर के राज्यों में पहुंचाया करते थे। गिरफ्त आरोपी में हबीस अंसारी जिले के डंडार कला, दिलीप कुमार और पिंटू कुमार पांकी थाना क्षेत्र के पकरिया के रहने वाले हैं। पलामू पुलिस को सूचना मिली थी कि गांजा की एक खेप बाहर जाने वाली है। इसी सूचना के आलोक में मेदिनीनगर टाउन थाना की पुलिस ने रेलवे स्टेशन के इलाके में छापेमारी की।

भूपेंद्र सुपरमार्केट ने 200 से अधिक गरीब महिलाओं को साड़ी वितरित की, समाजसेवा की अनूठी मिसाल

संवाददाता

हरिहरगंज। गरीबों की सहायता के लिए भूपेंद्र सुपरमार्केटिंग संस्थान ने समाजसेवा की एक और मिसाल पेश की है। संस्थान द्वारा हरिहरगंज प्रखंड के सेमरवार और ढाब गांव में 200 से अधिक गरीब महिलाओं के बीच साड़ी वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम बुधवार को संपन्न हुआ, जिसमें संस्थान की हरिहरगंज एजीएम आशा कुमारी ने स्वयं उपस्थित रहकर महिलाओं के बीच साड़ियां वितरित कीं। इस मौके पर एजीएम आशा कुमारी ने बताया कि भूपेंद्र सुपरमार्केटिंग संस्थान समाज के सभी वर्गों की सहायता के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि संस्थान सिर्फ जरूरतमंदों को कपड़े वितरित करने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह विभिन्न प्रकार की आर्थिक सहायता भी प्रदान करता है। भूपेंद्र सुपरमार्केटिंग संस्थान बिना ब्याज पर फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक सामान समेत कई अन्य आवश्यक वस्तुओं को फाइनेंस करता है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को सहायता मिल सके। इसके अलावा, संस्थान प्रत्येक महीने गरीब परिवारों को 2 से 10 किलोग्राम तक मुफ्त राशन भी प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि जरूरतमंद लोग इस संस्था से जुड़कर विभिन्न योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं। संस्था समाजसेवा को प्राथमिकता देते हुए लगातार ऐसे कार्यक्रम आयोजित कर रही है और आगे भी इस तरह के प्रयास जारी रहेंगे। इस कार्यक्रम के दौरान एजीएम ज्योति कुमारी, डीलर इंदु देवी, वार्ड सदस्य अखिलेश कुमार गुप्ता, क्रांति देवी, कुसुम देवी समेत कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग छेड़ेंगे: तिवारी

गढ़वा। रंका विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं सामान्य प्रयोजन समिति के सभापति सत्येंद्र नाथ तिवारी ने कड़े शब्दों में कहा है कि अगर वे जनता से किए वादे पर खरे नहीं उतरते, तो विधायक पद से इस्तीफा दे देंगे।श्री तिवारी ने आरोप लगाया कि पूर्व मंत्री ने अपने चहेतों को बैकडोर से सरकार के महत्वपूर्ण पदों पर बैठाकर भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया है। उन्होंने कहा कि रंका और मेराल थाना क्षेत्र में रातभर अवैध बालू उत्खनन जारी है। इसकी वीडियो रिकॉर्डिंग भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं ने उन्हें भेजी है। वे इस गोरखधंधे का घोर विरोध करते हुए कहा कि बालू निशुल्क और पारदर्शी तरीके से लोगों को मिलना चाहिए।विधायक ने घोषणा की कि वे भ्रष्ट पदाधिकारियों और उनके सगे-संबंधियों की संपत्ति की जांच कराने के लिए विधानसभा में प्रस्ताव रखेंगे। इसके अलावा, इनकम टैक्स, सीबीआई, ईडी और गृह मंत्रालय को भी कार्रवाई के लिए पत्र लिखेंगे।

भूटान में अपनी काबिलियत साबित कर चुके संत मरियम के रौनक को चेयरमैन ने किया सम्मानित

संवाददाता

मेदिनीनगर। फुंटशोलिंग, भूटान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कराटे चैम्पियनशिप के फाइट इवेंट में स्वर्ण पदक और एक लाख रुपये का नकद पुरस्कार जीतने वाले रौनक कुमार को संत मरियम विद्यालय के चेयरमैन अविनाश देव ने विद्यालय की प्रार्थना सभा में सम्मानित किया। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षकों और छात्रों ने रौनक को बधाई दी और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सम्मान समारोह के दौरान विद्यालय के चेयरमैन अविनाश देव ने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ आत्मरक्षा की कला सीखना भी बेहद जरूरी है। उन्होंने सुझाव दिया कि इसे शिक्षा का एक अनिवार्य विषय बनाया जाना चाहिए, ताकि छात्र विषम परिस्थितियों में आत्मरक्षा कर सकें। उन्होंने यह भी कहा कि पलामू जिले में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, लेकिन उन्हें सही मार्गदर्शन और अवसरों की आवश्यकता होती है। यदि बच्चों को सही प्रशिक्षण और प्रेरणा मिले, तो वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं।विद्यालय प्रशासन ने घोषणा की कि रौनक को मलेशिया में आयोजित होने वाली अंतरराष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पूरी तरह से आर्थिक सहायता दी जाएगी। विद्यालय उसकी यात्रा, ठहरने और प्रतियोगिता से संबंधित सभी खर्चों को वहन करेगा। इस अवसर पर विद्यालय के उप प्रधानाचार्य एस.बी. शाहा, समन्वयक अचला सिंह, मुख्य कराटे प्रशिक्षक शिहान संतोष कुमार, गायत्री दत्त, फरवीन खातून, एकता सहाय, रेखा सिन्हा, चाँदनी कुमारी, पल्लवी कुमारी, अंशु कुमारी, पूजा कुमारी, प्रिया सिन्हा, सुमित समेत कई शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

रेड क्रॉस सोसायटी की गतिविधियों को बढ़ाने का निर्देश, जनकल्याण कार्यों में आएगी तेजी

संवाददाता

मेदिनीनगर। उपायुक्त सह रेड क्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष शशि रंजन की अध्यक्षता में रेड क्रॉस सोसायटी की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें सोसायटी के पदाधिकारियों की उपस्थिति रही। इस बैठक में उपायुक्त ने रेड क्रॉस की गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने तथा जनकल्याण के कार्यों में गति लाने पर जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से निर्देश दिया कि रेड क्रॉस सोसायटी को आम जनता के लिए अधिक सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए और विभिन्न समाजसेवी कार्यक्रमों का आयोजन करना चाहिए। बैठक के दौरान उपायुक्त ने ब्लड बैंक को समृद्ध करने के लिए नियमित रूप से रक्तदान शिविर आयोजित करने का निर्देश दिया, ताकि जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराया जा सके। इसके अलावा, आदिम जनजातियों एवं दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविर लगाने की बात भी कही गई, ताकि वहां के लोगों को बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त हो सकें। इसके साथ ही, उन्होंने गरीब और जरूरतमंदों के लिए कपड़ा बैंक स्थापित करने का सुझाव दिया, जिससे बेसहारा और गरीब व्यक्तियों को कपड़े उपलब्ध कराए जा सकें। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों के लिए बुक बैंक तैयार करने का भी निर्देश दिया गया, ताकि उन्हें शिक्षा के लिए आवश्यक पाठ्य सामग्री निःशुल्क उपलब्ध कराई जा सके।बैठक में रेड क्रॉस के पदाधिकारियों ने मोक्ष यात्रा वाहन का किराया पुनः निर्धारित करने की मांग की, जिस पर उपायुक्त ने प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने रेड क्रॉस के डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में कदम बढ़ाते हुए यूपीआई सुविधा शुरू करने और अगले तीन महीनों के लिए एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने की बात भी कही। उपायुक्त शशि रंजन ने कहा कि जनहित में किए गए सकारात्मक कार्य समाज में व्यापक बदलाव लाते हैं और रेड क्रॉस सोसायटी को इसी भावना से काम करना चाहिए। इस दौरान उन्होंने आश्वासन दिया कि रेड क्रॉस द्वारा किए जाने वाले सभी लोकहितकारी कार्यों में प्रशासन भी पूर्ण सहयोग प्रदान करेगा।

पलामू के कारीगरों को प्रधानमंत्री विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना का मिलेगा लाभ

336 योग्य आवेदनों को स्वीकृति, 337 आवेदन हुए अस्वीकृत

संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले के कारीगरों और शिल्पकारों को प्रधानमंत्री विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना का लाभ देने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है। उपायुक्त शशि रंजन ने इस योजना की समीक्षा बैठक आयोजित कर अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे इस योजना को जल्द से जल्द लागू करें, ताकि पात्र लाभुकों को इसका फायदा मिल सके।बैठक के दौरान बताया गया कि जिले के विभिन्न प्रखंडों से कुल 673 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 336 आवेदन त्रुटिरहित पाए गए और इन्हें राज्य सरकार को भेजने की सहमति बनी। वहीं, 337 आवेदन त्रुटिपूर्ण पाए जाने के कारण अस्वीकृत कर दिए गए। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे पात्र लाभुकों की पहचान कर योजना के क्रियान्वयन में तेजी लाएं। उन्होंने कहा कि यह योजना कारीगरों और शिल्पकारों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है और इससे उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूती मिलेगी। इस समीक्षा बैठक में जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक राजकुमार पासवान, जिला नियोजन पदाधिकारी धनंजय कुमार, अग्रणी जिला बैंक प्रबंधक के प्रतिनिधि विनोद तिवारी, जेएसएलपीएस की डीपीएम अनिता केरकेट्टा और मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड के जिला समन्वयक चंद्रकांत पांडेय सहित कई अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे लाभुकों तक योजना का लाभ पहुंचाने में किसी भी प्रकार की लापरवाही न करें और अधिक से अधिक कारीगरों को इस योजना से जोड़ने के लिए जागरूकता अभियान चलाएं।

कृषि विभाग को मिला प्रथम पुरस्कार

मेदिनीनगर। गणतंत्र दिवस के मौके पर स्थानीय पुलिस लाइन स्टेडियम में आयोजित राजकीय सम्मान समारोह में वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर, पलामू उपायुक्त शशि रंजन के समक्ष विभिन्न विभागों की ओर से झांकी निकाली गयी। जिसमे जिला स्तरीय चयन समिति की ओर से कृषि विभाग की झांकी को प्रथम पुरस्कार के लिए चयनित किया गया।कृषि विभाग की झांकी में मुख्य रूप से फसल को सुरक्षित रखने तथा जैविक खेती को बढ़ावा देने सहित कई तरह की जानकारी उपलब्ध करायी गयी थी। कृषि एवं इससे संबद्ध क्षेत्र पलामू की अधिकांश जनता खासकर ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों, के लिए आजीविका का मुख्य साधन है।

हरिहरगंज में 'सौर्य भारत सैनिक स्कूल एंड डिफेंस एकेडमी' का हुआ भव्य उद्घाटन

छात्रों को सैन्य व प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए किया जाएगा तैयार

संवाददाता

हरिहरगंज। हरिहरगंज शहर के टंडवा रोड स्थित सौर्य भारत सैनिक स्कूल एंड डिफेंस एकेडमी का उद्घाटन बुधवार को राजद प्रदेश महासचिव रवि कुमार यादव और बिहार राज्य अनुसूचित जाति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक ललन भुइयां ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। उद्घाटन समारोह में बड़ी संख्या में गणमान्य लोग, शिक्षक, अभिभावक और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। अतिथियों ने विद्यालय परिसर का निरीक्षण किया और कहा कि यहां बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराया गया है। विद्यालय की निदेशक कुसुम सिन्हा और प्रधानाध्यापक पिंटू कुमार ने बताया कि यहां नर्सरी से लेकर कक्षा नौवीं तक की शिक्षा दी जाएगी। साथ ही, छात्रों को सैनिक स्कूल, नवोदय विद्यालय, नेतरहाट, मिलिट्री स्कूल, आर्मी स्कूल और आरआईएमसी देहरादून जैसी प्रतिष्ठित परीक्षाओं की तैयारी कराई जाएगी।विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि बच्चों के व्यक्तित्व विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि वे न केवल शिक्षित बनें बल्कि अनुशासित और आत्मनिर्भर भी बन सकें।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, गुरुवार 30 जनवरी 2025
E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com
Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

अंतरराष्ट्रीय टेनिस प्रतियोगिता में उपविजेता रहे मुरादाबाद के यशपाल अरोड़ा

मुरादाबाद। मुरादाबाद निवासी टेनिस खिलाड़ी यशपाल अरोड़ा ने अंतरराष्ट्रीय टेनिस प्रतियोगिता की डबल्स श्रेणी में उपविजेता का खिताब हासिल किया। 18 जनवरी से 28 जनवरी हरियाणा के झज्जर जिले में (एमटी-400) टेनिस टूर्नामेंट-2025 का आयोजन हुआ था। मुरादाबाद लौटे टेनिस खिलाड़ी यशपाल अरोड़ा ने बुधवार को बताया कि अंतरराष्ट्रीय टेनिस प्रतियोगिता में उन्होंने 60 प्लस से अधिक आयु वर्ग में सिंगल एवं डबल्स श्रेणी में भाग लिया। सिंगल्स में चंडीगढ के एसएन वशिष्ठ खिलाड़ी को हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। क्वार्टर फाइनल में उन्हें नंबर एक खिलाड़ी चंद्र भूषण से शानदार मुकाबले में 1-6 और 4-6 के स्कोर से हार का सामना करना पड़ा। वहीं डबल्स में उन्होंने लकपा शेरपा (दार्जलिंग) के साथ जोड़ी बनाई। क्वार्टर फाइनल में शंकर देव मिश्रा और शिबू मैथ्यूज की जोड़ी को 6- 3 और 6-2 के स्कोर से पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सेमीफाइनल मैच जीतने के बाद यह जोड़ी फाइनल में पहुंची। फाइनल में मुकाबला शरद टाक एवं अरुण की जोड़ी से हुआ और 3-6 और 3-6 के स्कोर से यशपाल व शेरपा को हार मिली। उन्हें उपविजेता ट्रॉफी से संतोष करना पड़ा। यशपाल ने बताया कि अगला टूर्नामेंट 29 जनवरी से मुंबई में आयोजित हो रहा है। इसमें भी वह प्रतिभाग करेंगे।

हांसी फ्लिक ने स्जेसनी को बार्सिलोना में पहली पसंद का गोलकीपर बनाया

मैड्रिड। एफसी बार्सिलोना के मुख्य कोच हांसी फ्लिक ने मंगलवार को पुष्टि की कि वोइशिएक स्जेसनी अब इनाकी पेना से आगे उनकी पहली पसंद के गोलकीपर बन गए हैं। आर्सेनल, रोमा और जुवेंटस के पूर्व गोलकीपर स्जेसनी अक्टूबर में बार्सिलोना से जुड़े थे, जब मार्क-आंद्रे टेर स्टेगन घुटने की चोट के कारण बाहर हो गए थे। हालांकि, फिटनेस संबंधी चिंताओं और इनाकी पेना के अच्छे फॉर्म के कारण स्जेसनी का डेब्यू 4 जनवरी को हुआ, जब उन्होंने कोपा डेल रे में बारबास्ट्रो पर बार्सा की 4-0 से जीत में हिस्सा लिया। इसके बाद उन्होंने स्पेनिश सुपरकप के दोनों मैच खेले, जिसमें बार्सिलोना ने खिताब जीता, हालांकि फाइनल में उन्हें लगभग आधे घंटे शेष रहते बाहर भेज दिया गया। इनाकी पेना ने बेतिस के खिलाफ बार्सा की 2-0 कोपा डेल रे जीत और गेटाफे के खिलाफ 1-1 ला लीगा ड्रॉ में बेहतरीन प्रदर्शन किया।

टाटा स्टील शतरंज: राउंड 9 में गुकेश ने मेंडोंका को हराकर बढ़त बनाई

नई दिल्ली। नीदरलैंड के विज्क आन जी में चल रहे टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट के नौवें दौर में भारतीय ग्रैंडमास्टर डी. गुकेश ने हमवतन लियोन ल्यूक मेंडोंका को मात देकर एकमात्र लीडर के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर ली। गुकेश, जो हाल ही में सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चैंपियन बने हैं, ने 43 चालों में अपनी चौथी जीत दर्ज की। इस जीत के साथ, वे 10वें दौर में प्रवेश करने वाले एकमात्र लीडर बने, जिनके पास संभावित नौ में से 6.5 अंक हैं। दूसरी ओर, आर. प्रज्ञानानंद, जो नौवें राउंड में लीडर के रूप में आए थे, स्थानीय दिग्गज अनीश गिरी से हार गए।

आईसीसी में बड़ा बदलाव : मुख्य कार्यकारी ज्योफ एलार्डिस ने छोड़ा पद

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) में चल रहे उथल-पुथल के बीच एक बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) ज्योफ एलार्डिस ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। आईसीसी ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की और कहा कि नए सीईओ की नियुक्ति की प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। आईसीसी में पिछले साल नवंबर से ही प्रशासनिक बदलाव का दौर चल रहा था, जब दो शीर्ष अधिकारियों को हटाया गया था।

महिला अंडर-19: श्रीलंका ने ऑस्ट्रेलिया और नाइजीरिया ने आयरलैंड को हराया

बांगी। एजेंसी

महिला अंडर-19 टी-20 विश्वकप के सुपर सिक्स मुकाबलों में बुधवार को श्रीलंका ने ऑस्ट्रेलिया को 12 रनों से हराया। वहीं दिन के एक अन्य मुकाबले में नाइजीरिया की टीम ने शानदार प्रर्शन करते हुए आयरलैंड को छह रनों से शिकस्त दी। श्रीलंका की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट पर 98 रन बनाये।

सलामी बल्लेबाज संजना काविंदी ने टीम के लिए सर्वाधिक (19) रन बनाये। सुमुदु निसानसाला (18), कप्तान मनुडी नानायक्कारा (15) और हिरुनी हंसिका (14) रन बनाकर आउट हुई। इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण के आगे श्रीलंका का कोई भी बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक नहीं पहुंचा सका। ऑस्ट्रेलिया की ओर से लिली बैसिंगथवेइट ने तीन विकेट लिये। हसरत गिल और टेगन विलियमसन ने दो-दो बल्लेबाजों को आउट किया। इसके बाद 99 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरूआत बेहद खराब रही और उसने 23 के स्कोर तक अपने तीन विकेट गवां दिये। केट पेले (एक) , इनेस मैक्किनन (10) और कप्तान लुसी हैमिल्टन (10) रन बना कर आउट हुई। काओइमहे ब्रे ने टीम के लिए सर्वाधिक (27) रन बनाये। एलेनोर लारोसा (18) रन बनाकर आउट हुई। ग्रेस लियोन्स ने (नाबाद 10) रनों की पारी खेली। श्रीलंका की कसी हुई गेंदबाजी के आगे ऑस्ट्रेलिया की टीम निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 87 रन ही बना सकी और 12 रन से मुकाबला हार गई। श्रीलंका की ओर से चामोदी प्रबोदा, प्रमुदी मेथसारा और असेनी थलागुने ने दो-दो विकेट लिये।

वहीं दिन के एक अन्य मुकाबले में नाइजीरिया की महिला टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आयरलैंड को छह रनों से हराया। नाइजीरिया की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में सात विकेट पर 94 रन बनाये। क्रिस्टाबेल चुक्वुओनी ने (25), ओमोसिघो एगुआकुन और पी अगबोया ने (17-17) रन बनाये। लक्की पेटी ने (12) रन बनाकरआउट हुई। आयरलैंड की ओर से किआ मेकार्टनी ने दो विकेट लिये। एली मैक्गी, नियाम मैकनल्टी, लारा मैकब्राइड और फ्रेया सार्जेंट ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

95रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आयरलैंड की टीम नाइजीरियाई गेंदबाजी आक्रमण के आगे 18.4 ओवरों में 88 रन पर ढ़ेर हो गई। आयरलैंड के लिए रेबेका लोवे ने (21), फ्रेया सार्जेंट, मिल्ली स्पेंस ने (14-14) रन बनाये। शेष कोई भी बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक नहीं पहुंच सका। नाइजीरिया की ओर से लिलियन उडेह ने तीन विकेट लिये। उसेन पीस और ए अखिगबे ने दो-दो बल्लेबाजो को आउट किया।

स्टीव स्मिथ ने पूरे किए 10,000 टेस्ट रन

गाले। ऑस्ट्रेलिया के कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ टेस्ट क्रिकेट में 10,000 रन पूरे करने वाले चौथे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने यह उपलब्धि श्रीलंका के खिलाफ गाले इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के पहले दिन बुधवार को हासिल की। स्मिथ से पहले रिकी पोंटिंग, एलन बॉर्डर और स्टीव वॉ इस ऐतिहासिक क्लब में शामिल हो चुके हैं। उन्होंने अपने 115वें टेस्ट में यह मील का पत्थर छुआ, जिससे तेजी से यह आंकड़ा पार करने के मामले में वह ब्रायन लारा के बाद दूसरे स्थान पर हैं। सक्रिय खिलाड़ियों में स्मिथ जो रूट (12,972 रन) के बाद दूसरे सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। समाचार लिखे जाने तक ऑस्ट्रेलिया ने 2 विकेट के नुकसान पर 239 रन बना लिए थे। उस्मान ख्वाजा 102 रन और स्टीव स्मिथ 59 रन बनाकर नाबाद हैं। वहीं, ट्रेविस हेड ने 57 रनों की अहम अर्धशतकीय पारी खेली।

10 मीटर एयर राइफल क्वालीफिकेशन में रमिता जिंदल का शानदार प्रदर्शन

देहरादून। एजेंसी

● गुरप्रीत सिंह ने 574-574 का स्कोर कर फाइनलिस्टों की सूची में जगह बनाई

त्रिशूल शूटिंग रेंज में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों की महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल क्वालीफिकेशन प्रतियोगिता में हरियाणा की रमिता जिंदल ने बुधवार को शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 634.9 का स्कोर बनाकर शीर्ष स्थान हासिल किया, जो कि कोरिया की बान ह्योजिन के पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों में बनाए गए 634.5 के स्कोर से बेहतर रहा। इसके साथ ही उन्होंने 2023 विश्व चैंपियनशिप के दौरान मेहुली घोष द्वारा बनाए गए 634.5 के स्कोर को भी पीछे छोड़ दिया। रमिता जिंदल ने महिलाओं के एयर राइफल फाइनल के लिए आठ क्वालीफायर का नेतृत्व किया।

उनके शानदार प्रदर्शन ने उन्हें महाराष्ट्र की आर्या बोरसे पर 0.4 अंकों की बढ़त दिलाई। वहीं तमिलनाडु की नर्मदा राजू 0.1 अंकों के अंतर से तीसरे स्थान पर रहीं। केरल की विदरसा के विनोद, जो एक समय पर स्कोर चार्ट में सबसे आगे थीं, 633.0 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहीं। अन्य क्वालीफायर में मध्य प्रदेश की श्रेया अग्रवाल (632.0), गुजरात की एलावेनिल वलारिवन (631.9), कर्नाटक की मेघना सज्जनार (631.2) और ओडिशा की मान्याता सिंह (630.1) शामिल हैं। ये आठों फाइनलिस्ट गुरुवार को खिताबी मुकाबले में हिस्सा लेंगी, जहां हर निशानेबाज की हिम्मत और कौशल की कड़ी परीक्षा होगी। पंजाब के विजयवीर सिंह सिद्धू ने रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में 587 का शानदार स्कोर बनाकर अपनी दावेदारी मजबूत की। हरियाणा के अनीश भानवाला ने 582, सर्विसेज के नीरज कुमार ने 579, राजस्थान के भावेश शेखावत ने 577, सर्विसेज के ओमकार सिंह और गुरप्रीत सिंह ने 574-574 का स्कोर कर फाइनलिस्टों की सूची में जगह बनाई।

लंदन 2012 ओलंपिक के रजत पदक विजेता हिमाचल प्रदेश के विजय कुमार भी फाइनल में पहुंचने की दौड़ में थे, लेकिन अंतिम सीरीज में औसत प्रदर्शन के कारण उन्हें निराशा हाथ लगी। अगर उन्होंने क्वालिफिकेशन के दूसरे चरण में चार सेकंड की सीरीज में 90 के बजाय 94 का स्कोर बनाया होता, तो उन्हें छठे स्थान के लिए शूट-ऑफ का सामना करना पड़ सकता था। राष्ट्रीय खेलों की यह प्रतियोगिता रोमांचक मोड़ पर पहुंच गई है और फाइनल मुकाबले में कड़ा संघर्ष देखने को मिलेगा।

विश्वा फर्नांडो ने अल्पकालिक चैम्पियनशिप सौदे पर वारविकशायर के साथ किया करार

नई दिल्ली। एजेंसी

श्रीलंका के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज विश्वा फर्नांडो ने इस सत्र में काउंटी चैम्पियनशिप अभियान की शुरुआत के लिए वारविकशायर के साथ करार किया है। फर्नांडो ने 79 टेस्ट विकेट लिए हैं, जिसमें दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका में अपने आखिरी मैच में चार विकेट शामिल हैं, और वे अप्रैल में वारविकशायर के डिवीजन वन खेलों के लिए उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने पिछली गर्मियों में वॉर्कशायर के साथ तीन मैचों की पारी में प्रभावित किया था, जिसमें डबीर्शायर के खिलाफ मैच में नौ विकेट सहित 17 विकेट लिए थे, और श्रीलंका के इंग्लैंड दौरे के टेस्ट मैचों में भी शामिल रहे, जिसमें तीसरे टेस्ट में किआ ओवल में उनकी जीत में महत्वपूर्ण भूमिका भी शामिल है। वह 4 अप्रैल से शुरू होने वाले ससेक्स के खिलाफ अपने सीजन के पहले मैच में वारविकशायर के लिए पदार्पण कर सकते हैं, और एक अन्य पूर्व क्लब, डरहम के खिलाफ खेलने के लिए भी उपलब्ध होंगे, और 18 अप्रैल से नॉटिंघमशायर के खिलाफ वारविकशायर के घरेलू मैच में भी खेलेंगे। फर्नांडो ने क्लब की ओर से जारी एक बयान में कहा मैं सीजन के शुरूआती चरणों के लिए वारविकशायर में शामिल होने के लिए रोमांचित हूँ। पिछले दो वर्षों में काउंटी क्रिकेट खेलना मेरे लिए बेहद आनंददायक रहा है।

आदिल राशिद बने नंबर 1 गेंदबाज, तिलक वर्मा बल्लेबाजी सूची में दूसरे स्थान पर

नई दिल्ली। एजेंसी

इंग्लैंड के अनुभवी लेग स्पिनर आदिल राशिद ने भारत के खिलाफ तीन मैचों की टी20 श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के दम पर आईसीसी पुरुष टी20आई गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। 36 वर्षीय राशिद इससे पहले 2023 के अंत में नंबर 1 बने थे, लेकिन कुछ समय बाद वेस्टइंडीज के अकील होसेन ने उनकी जगह ले ली थी। हालांकि, भारत के खिलाफ हालिया श्रृंखला में शानदार गेंदबाजी करते हुए उन्होंने फिर से शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। राजकोट में तीसरे टी20 मैच में 1/15 के प्रदर्शन के साथ, इंग्लैंड की 26 रन की जीत में उन्होंने अहम भूमिका निभाई। राशिद ने तीन मैचों में कुल तीन विकेट झटके हैं। भारत के मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने राजकोट में पांच विकेट लेकर 25 स्थानों की छलांग लगाते हुए पांचवां स्थान हासिल कर लिया है।

वहीं भारतीय उपकप्तान अक्षर पटेल भी पांच स्थान ऊपर चढ़कर 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जिससे वह टॉप-10 में प्रवेश करने के करीब हैं।

लीजेंड 90 लीग : सभी टीमों की घोषणा रायपुर में 6 फरवरी से होगी भिड़ंत

रायपुर। एजेंसी

रायपुर में 6 से 18 फरवरी तक होने वाली लीजेंड 90 लीग में हिस्सा लेने वाली सभी टीमों की घोषणा कर दी गई है। इस अनूठे टी-10 प्रारूप की लीग में पूर्व भारतीय दिग्गजों के साथ-साथ विदेशी क्रिकेट सितारे भी खेलते नजर आएंगे। इस रोमांचक टूर्नामेंट में हरभजन सिंह, शिखर धवन, सुरेश रैना, न्यूजीलैंड के रॉस टेलर, ऑस्ट्रेलिया के आरोन फिंच, वेस्टइंडीज के ड्वेन ब्रावो और बांग्लादेश के शाकिब अल हसन जैसे कई अनुभवी खिलाड़ी मैदान पर उतरेंगे। छत्तीसगढ़ वारियर्स, हरियाणा ग्लेडिएटर्स, दुबई जॉइंट्स, गुजरात सैम्प आर्मी, दिल्ली रॉयल्स, बिग बॉयज और राजस्थान किंग्स। छत्तीसगढ़ वारियर्स में सुरेश रैना, अंबाती रायडू और मार्टिन गुप्टिल जैसे विस्फोटक बल्लेबाज शामिल हैं, तो दिल्ली रॉयल्स में शिखर धवन और रॉस टेलर के अनुभव का फायदा मिलेगा। हरियाणा ग्लेडिएटर्स की कप्तानी फिरकी मास्टर हरभजन सिंह करेंगे, जबकि वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो राजस्थान किंग्स का नेतृत्व करेंगे। शाकिब अल हसन दुबई जॉइंट्स के लिए खेलते नजर आएंगे। लीजेंड 90 लीग के निदेशक शिवेन शर्मा ने कहा हम इस रोमांचक और तेज-तर्रार 90 गेंदों वाले टूर्नामेंट की मेजबानी को लेकर उत्साहित हैं।

व्यापार

ऊर्जा क्षेत्र में स्टार्टअप्स की नई क्रांति

मुंबई। एजेंसी

भारत में ऊर्जा क्षेत्र में नवाचार और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए सरकार और स्टार्टअप्स मिलकर एक नई दिशा में काम कर रहे हैं। 'एनर्जाइज इंडिया' जैसे कार्यक्रम न सिर्फ नए विचारों को प्रोत्साहन देते हैं, बल्कि देश के ऊर्जा भविष्य को और भी मजबूत बनाते हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने ओएनजीसी मुख्यालय में 'एनर्जाइज इंडिया' कॉन्क्लेव के दौरान अविन्या'25 और वसुधा स्टार्टअप चैलेंज के विजेताओं की घोषणा की।

भारत की प्रमुख ऊर्जा स्टार्टअप प्रतियोगिता, अविन्या'25 के विजेता उजानीवासी प्राइवेट लिमिटेड थे। उपविजेता ब्रीथ ईएसजी प्राइवेट लिमिटेड, एग्रीविजय, एपीरो एनर्जी और यूग्रीन टेक्नोलॉजी थे। अपस्ट्रीम तेल एवं गैस क्षेत्र में वैश्विक स्टार्टअप चैलेंज, वसुधा के लिए विजेता लैटिन एनर्जी पार्टनर्स आई.एन.सी., पैराग्वे था तथा उपविजेता अल्ट्रासाउंड प्रोसेस कंसल्टिंग एलएलसी, यूएसए था। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा हम स्टार्टअप्स के लिए 547.35 करोड़ रुपए का फंड उपलब्ध करा रहे हैं। ये नवाचार न सिर्फ रोजगार के नए अवसर प्रदान करेंगे, बल्कि भारत को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी ले जाएंगे। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के सचिव श्री पंकज जैन ने कहा भारत में ऊर्जा का भविष्य उज्जवल है। हम स्टार्टअप्स को डेटा एनालिसिस में समाधान विकसित करने के लिए आमंत्रित करते हैं।

'एनर्जाइज इंडिया' कॉन्क्लेव ने स्टार्टअप्स को नवाचार, अवसर और ऊर्जा क्षेत्र में योगदान देने का मंच प्रदान किया है। विजेताओं को इंडिया एनर्जी वीक 2025 में अपने नवाचार प्रस्तुत करने का मौका मिलेगा। यह आयोजन 11-14 फरवरी तक नई दिल्ली में होगा, जिसमें 700 से अधिक प्रदर्शनकारी कम्पनियाँ, 500 वक्ता और 6,000 से अधिक प्रतिनिधि शामिल होंगे।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में सीमित कारोबार

नई दिल्ली। एजेंसी

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ कारोबार करके बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में सीमित कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ब्याज दरों पर फैसला लेने वाला है। फेडरल रिजर्व के फैसले के पहले अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.88 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,065.20 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 377.28 अंक यानी 1.95 प्रतिशत उछल कर 19,719.11 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया।

डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल 0.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 44,892.40 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद आखिरी वक्त में हुई बिकवाली के कारण मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए।

लगातार दूसरे दिन शेयर बाजार में मजबूती बढ़त के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

नई दिल्ली। एजेंसी

मजबूत ग्लोबल संकेतों और आईटी सेक्टर में आई तेजी के कारण घरेलू शेयर बाजार बुधवार को लगातार दूसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ। इंडेक्स शेयरों के अलावा मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी जोरदार तेजी का रुख बना रहा, जिसके कारण निवेशकों को एक दिन में ही करीब 8 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। हालांकि, शुरुआती कारोबार में मुनाफा वसूली का दबाव बनने के कारण कुछ देर के लिए सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में गिरावट भी आई, लेकिन थोड़ी ही देर बाद खरीदारी का सपोर्ट मिल जाने के कारण इन दोनों सूचकांकों ने रफ्तार पकड़ ली। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.83 प्रतिशत और निफ्टी 0.90 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

कारोबार के दौरान आईटी, मेटल और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में जम कर खरीदारी होती रही। इसी तरह बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, फार्मास्यूटिकल, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर, एफएमसीजी सेक्टर में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 2.54 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 3.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार का अंत किया। शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 8 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, गुरुवार 30 जनवरी 2025

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली मेरठ एक्सप्रेस-वे पर 25 वाहन आपस में टकराये, कई घायल

गाजियाबाद। जनपद में दिल्ली मेरठ एक्सप्रेस-वे पर बुधवार सुबह कोहरे के कारण 25 वाहन आपस में टकरा गए। हादसे में 12 से ज्यादा लोग घायल हो गए, जिनमे चार की हालत गम्भीर है। दुर्घटना के बाद एक्सप्रेस-वे पर भीषण जाम लग गया। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद जाम खुलवाया। यह दुर्घटना मसूरी थाना क्षेत्र में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बुधवार की सुबह तड़के सड़क पर घना कोहरा होने के कारण वाहन चालकों को आगे का रास्ता साफ नजर नहीं आ रहा था। इसी दौरान एक वाहन के अचानक ब्रेक लगाने से पीछे आ रहे कई वाहन एक-दूसरे से टकरा गए। दुर्घटना इतनी भयानक थी कि कई गाड़ियों के आगे और पीछे के हिस्से पूरी तरह टूट-फूट गए। कुछ कार एक-दूसरे के ऊपर चढ़ गईं, जिससे ट्रैफिक जाम हो गया। सूचना पर पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची।

श्रीलंकाई नौसेना ने 13 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया, दो के पैर में गोली लगी

कोलंबो। श्रीलंका की नौसेना ने 13 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है। इन पर श्रीलंका के समुद्री जलक्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ने का आरोप जड़ा गया है। इनको जापना के पास कांकेसंथुराई में 28 जनवरी को पकड़कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। डेली न्यूज के अनुसार, इनकी न्यायिक हिरासत अवधि 10 फरवरी को पूरी होगी। एक नौसेना अधिकारी ने 27 जनवरी को कांकेसंतुरई पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी कि श्रीलंकाई जल क्षेत्र में भारतीय मछुआरे अनधिकृत रूप से मछली पकड़ने की गतिविधियों में संलिप्त हैं। इस शिकायत के बाद नौसेना ने अपने जल क्षेत्र में निगरानी तंत्र को सक्रिय किया। शिकायत दर्ज कराने के 24 घंटे बाद 13 भारतीय मछुआरों को पकड़ा गया। खबर में यह भी कहा गया है कि धरपकड़ के दौरान एक भारतीय मछुआरा नौसेना के अधिकारी से उलझ गया। इस अधिकारी की बंदूक गलती से चल गई।

कैथल में ईटीओ रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

कैथल। एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने बुधवार सुबह कैथल के एक्साइज एंड टैक्सेशन अफसर दिनेश काजल को 1.40 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। ईटीओ ने शराब के ठेके की किश्त न चुकाने पर गारंटर की जमीन अटैच करने की धमकी देकर चीका के एक व्यक्ति से आठ लाख रुपए की रिश्वत की मांग की थी। इससे पहले वह शिकायतकर्ता से 60 हजार रुपए ले चुका था। कैथल एंटी करप्शन ब्यूरो टीम के इंस्पेक्टर महेंद्र सिंह ने बताया कि चीका निवासी शिकायतकर्ता ऋषिपाल की शिकायत पर यह कार्रवाई की गई है।

शॉर्ट सर्किट से दो दुकानों में लगी आग

झांसी। प्रेमनगर थाना क्षेत्र के कस्तूरबा मार्केट में बुधवार तड़के आस-पास बनी दो दुकानों में अचानक धुंआ निकलने लगा। देखते ही देखते आग की भीषण लपटें उठने लगी। घटना की सूचना पुलिस व अग्निशमन विभाग को दी गई। सूचना पर पहुंची दमकल की गाड़ियों ने काफी मशक्कत के बाद आग की लपटों पर काबू पाया। तब तक दोनों दुकानों में रखा लाखों की कीमत का सामान जलकर राख हो गया। इसमें एक दुकान में दो वर्ष पूर्व भी आग लगने की घटना हो चुकी है। प्रेमनगर थाना क्षेत्र के रतनपुरा निवासी कमलजीत सिंह और भूपेंद्र सिंह की कस्तूरबा मार्केट में आस-पास में ही रेडीमेड कपड़े ओर मैचिंग सेंटर की दुकानें हैं।

सड़क हादसे में बाइक चालक की मौत,जांच शुरू

राजगढ़। राष्ट्रीय राजमार्ग-52 पर देहात ब्यावरा थाना क्षेत्र में ग्राम खुरी जोड़ स्थित स्पीड ब्रेकर के समीप बुधवार अल्सुबह 40 वर्षीय युवक मृत अवस्था में मिला। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा और मर्ग कायम कर मामले में जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार हाइवे स्थित खुरी जोड़ के समीप स्पीड ब्रेकर पर बाइक चालक देवीलाल(40)पुत्र रामलाल जाटव निवासी हयातपुरा थाना सुठालिया मृतअवस्था में मिला। सूचना पर पहुंचे 108 एम्बूलेंस वाहन की मदद से शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।

नमकीन-गजक बनाने वाली फैक्टरी में लगी आग

फरीदाबाद। फरीदाबाद में मंगलवार देर रात एक फैक्ट्री में आग लग गई। उस वक्त अंदर 3 कर्मचारी थे। आग लगने के बाद धुआं देखते ही उन्होंने फैक्ट्री से दौडकर जान बचाई। इस दौरान फैक्ट्री में रखे गैस सिलेंडर भी तुरंत बाहर निकाले गए, अन्यथा फैक्ट्री में धमाके भी हो सकते थे। आग लगने के बाद फायर ब्रिगेड बुलाई गई। फिर फायर ब्रिगेड की 10 गाड़ियों ने 4 घंटे की मशक्कत से आग पर काबू पाया। आग लगने से कोई जानी नुकसान नहीं हुआ, लेकिन लाखों रुपए की गजक और नमकीन जल गई। अभी आग लगने के कारणों का भी पता नहीं चल पाया है।

कोल्ड ड्रिंक लदा कंटेनर पलटने से तीन की मौत

लखनऊ। लखनऊ में मंगलवार रात को इंटौजा–कुर्सी मार्ग पर कोल्ड ड्रिंक लदे कंटेनर के अनियंत्रित हो कर पलटने से बड़ा हादसा हो गया। कंटेनर के पलटने से उसके नीचे दबकर तीन दुकानों सहित वहां मौजूद दुकानदार व ग्राहक दब गये। इसमें तीन लोगों संजू, दिनेश व शिवा की मौके पर ही मौत हो गयी। मनीष और सूरज घायल हो गये। घटना के बाद वहां पहुंची इंटौजा पुलिस ने तत्काल घायलों को स्थानीय चिकित्सालय पहुंचाया।

सरस्वती नदी प्राचीन भारतीय सभ्यता की जननी है : नायब

● वैदिक संस्कृति भी इसी नदी के किनारे पनपी थी
● राज्यों का और श्रद्धालुओं का आना-जाना रहता है

यमुनानगर। एजेंसी

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने यमुनानगर के आदिबद्री स्थित सरस्वती उद्गम स्थल पर पहुंचकर बुधवार को पांच दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सरस्वती महोत्सव का शुभारंभ किया। उन्होंने इस अवसर पर हवन यज्ञ में भाग लिया और सरस्वती सरोवर में पूजा अर्चना की। बुधवार को इस अवसर पर अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा की सरस्वती को धरातल पर लाने के लिए हरियाणा सरकार सभी तरह के कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि अभी तक सरस्वती नदी पर कुरुक्षेत्र, यमुनानगर और कैथल में 18 पुलों का निर्माण किया गया है। हिमाचल सरकार से मिलकर हरियाणा- हिमाचल सीमा पर एक बांध बनाया जा रहा है, ताकि सरस्वती का जल उसमें इकठ्ठा करके पूरा साल सरस्वती नदी में पानी बहता रहे।

उन्होंने कहा कि सरस्वती नदी प्राचीन भारतीय सभ्यता की जननी है, इसके बारे में सभी शंकाओ का समाधान हो चुका है। ऋग्वेद में इसका जिक्र आता है। वैदिक संस्कृति भी इसी नदी के किनारे पनपी थी। इसी कारण हमें विश्व गुरु भी माना जाता है। उन्होंने कहा कि 1600 किलोमीटर का इलाका सरस्वती नदी का है, जो हरियाणा, राजस्थान और गुजरात तक जाता है। बाद में यह नदी अरब सागर में मिल जाती थी। उन्होंने कहा कि यह भी सौभाग्य का विषय है की गंगा यमुना और सरस्वती के संगम स्थल प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन हो रहा है। यह उत्सव हमारी विरासत हमारी पहचान है। जहां राज्यों का और श्रद्धालुओं का आना-जाना रहता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जब वह गुजरात के मुख्यमंत्री थे तो सरस्वती, नर्मदा और साबरमती के जल से इन्हें जोड़ने का प्रयास भी किया था। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने आप पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल का नाम लिए बिना कहा कि हम जहां नदियों की पूजा करते हैं वही देश में ऐसे लोग भी हैं जो नदियों में जहर मिलाकर भेजने की बात करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों की अपनी सोच हो सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली सरकार ने अपने यहां व्यवस्था ठीक नहीं कि जिस कारण ऐसी स्थितियां पैदा हुई है।

इस अवसर पर हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा, हरियाणा के समाज कल्याण मंत्री कृष्ण बेदी, पूर्व मंत्री कंवरपाल गुर्जर, भाजपा के हिमाचल प्रदेश के अध्यक्ष राजीव बिंदल, एडवोकेट मुकेश गर्ग,गोपी चंद गणगौरी लाडवा, धर्म पाल मेहरा किसान सेल, उपाध्यक्ष भाजपा लाडवा ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

अभी धान खरीद की तिथि बढ़ाने की जरूरत नहीं है : विष्णु देव

रायपुर। एजेंसी

छत्तीसगढ़ में समर्थन मूल्य पर धान खरीद 14 नवंबर से जारी है। खरीद की अंतिम तारीख 31 जनवरी रखी गई है। इसी बीच कुछ क्षेत्रों में कुछ किसानों के धान नहीं बेच पाने संबंधी खबरें मिलने पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने पात्र किसानों को एक और टोकन देने के आदेश जारी किए हैं। यह आदेश बुधवार को खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा जारी किया गया है। धान खरीद की तिथि बढ़ाने को लेकर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि अभी धान खरीद की तिथि बढ़ाने की जरूरत नहीं है। न हीं अभी तक किसानों की ओर से ऐसी कोई मांग आई है। उनहोंने कहा कि, 31 जनवरी तक धान खरीद होनी है, आज 29 जनवरी है दो दिन और है।

पिछले साल का रिकॉर्ड था उससे भी अधिक खरीद हुई है। राज्य के कुछ क्षेत्रों में धान बेचने से वंचित किसानों के परेशान होने की खबरों पर तुरंत एक्शन लेते हुए खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण विभाग के सचिव ने आदेश पात्र किसानों को अतिरिक्त टोकन आवंटन के आदेश जारी किए हैं। इस आदेश के बाद माना जा रहा है कि, अब किसी भी किसान को अपना धान बेचने में कोई परेशानी नहीं होगी।

पूर्व राष्ट्रपति महिंदा के पुत्र नमल के खिलाफ सरकार ने हाई कोर्ट में अभियोग किया प्रस्तुत

कोलंबो। एजेंसी

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के बड़े पुत्र 38 वर्षीय नमल राजपक्षे के खिलाफ भारतीय निवेश से हेराफेरी के आरोप में सरकार ने कोलंबो हाई कोर्ट में अभियोग प्रस्तुत किया है। श्रीलंका के अटॉर्नी जनरल के अनुसार यह पूरा 'खेल' रग्बी खेल को विकसित करने के नाम पर हुआ। इसमें कृष होटल परियोजना में हुए सात करोड़ रुपये के भारतीय निवेश का दुरुपयोग किया गया। श्रीलंका के उपाली मीडिया समूह के सिंहली भाषा के समाचार पत्र 'दिवैना' के अनुसार अटॉर्नी जनरल ने 12 साल पहले हुए इस आर्थिक अपराध के दुरुपयोग के आरोप में संसद सदस्य नमल राजपक्षे के खिलाफ कोलंबो हाई कोर्ट में अभियोग प्रस्तुत किया है। इस अभियोग में अटॉर्नी जनरल की ओर से डिप्टी सॉलिसिटर जनरल वासंथा परेरा के हस्ताक्षर हैं। पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने इससे पहले 2016 में फोर्ट मजिस्ट्रेट कोर्ट के समक्ष एक मामला दायर किया था।

इस मामले में नमल राजपक्षे को संदिग्ध के रूप में नामित किया था। इसी मामले में जून, 2016 में नमल राजपक्षे की गिरफ्तारी भी हुई थी। नमल राजपक्षे श्रीलंका के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रह चुके हैं। कोलंबो वाणिज्यिक जिले के मध्य स्थित कृष होटल परियोजना को निरस्त किया जा चुका है, लेकिन निर्माण कार्य अब भी जारी है। हाल ही में एक अदालत में राहगीरों के लिए खतरे के कारण इस परियोजना की असुरक्षित स्थिति पर सवाल उठाया गया था। इसके बाद अनुरा कुमारा दिसानायके के नेतृत्व वाली नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) सरकार ने कृष परियोजना मामले की दोबारा जांच कराने का आदेश दिया। पुलिस ने नमल राजपक्षे से पूछताछ भी की।

इसके एक सप्ताह बाद नमल के छोटे भाई योशिता राजपक्षे को भी इसी तरह के एक संदिग्ध संपत्ति मामले में गिरफ्तार किया गया। उन्हें सोमवार को जमानत पर रिहा कर दिया गया। इस पूरे घटनाक्रम पर नमल राजपक्षे का कहना है कि मौजूदा सरकार ने उनके परिवार के खिलाफ अभियान शुरू किया है।

पूरे देश में लागू हो कौमन सिविल कोड, जनसंख्या नियंत्रण कानून भी बने: शांता

शिमला। एजेंसी

पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व केंद्रीय मंत्री शांत कुमार ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को कौमन सिविल कोड को राज्य में लागू करने के लिए बधाई और धन्यवाद दिया। उन्होंने इसे एक ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि उत्तराखंड भारत का पहला राज्य बन गया है, जहां यह कानून लागू हुआ है। इसके साथ ही शांता कुमार ने देश के वर्तमान संकट पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्यवश हमारी प्यारी मातृभूमि के तीन टुकड़े हो चुके हैं-पहले पाकिस्तान और फिर बांग्लादेश, जो अब एक और पाकिस्तान बनने की ओर बढ़ रहा है।

उनका कहना था कि इस संकट का समाधान सिर्फ कानून के माध्यम से ही संभव है। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ लोगों और नेताओं की यह सलाह कि प्रत्येक नागरिक तीन बच्चे पैदा करें, इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकता। वह मानते हैं कि बढ़ती जनसंख्या और घुसपैठ से निपटने के लिए सख्त कानून की आवश्यकता है।

शांता कुमार ने सरकार से अपील की कि वह पूरे देश में कॉमन सिविल कोड लागू करने के साथ-साथ एक सख्त जनसंख्या नियंत्रण कानून भी बनाए। उनका सुझाव था कि दो से अधिक बच्चों वाले परिवारों को सरकारी सुविधाओं से वंचित किया जाए।

उप मुख्यमंत्री ने की स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की समीक्षा

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने बुधवार को मंत्रालय वल्लभ भवन में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की वृहद समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने चिकित्सा शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि चिकित्सा शिक्षकों के प्रमोशन के लिये आवश्यक कार्यवाही की जाये और भर्ती का वार्षिक कैलेंडर जारी किया जाए। उन्होंने मेडिकल कॉलेजों की कार्यकारी परिषद (एग्जीक्यूटिव काउंसिल) की नियमित बैठकें सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उल्लेखित समस्याओं और आवश्यकताओं की प्राथमिकता से पूर्ति की जाये। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने विशेषज्ञ डॉक्टरों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सेवा शर्तों और वित्तीय प्रावधानों पर गहन विमर्श किया। प्रमुख सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा संदीप यादव, तरुण राठी, मयंक अग्रवाल, संचालक प्रोजेक्ट एवं सीईओ आयुष्मान भारत डॉ. योगेश भरसट सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बस और टेंपो की भिड़ंत, एक की मौत

देहरादून। नैनीताल जिले के रामनगर में नेशनल हाईवे पर रोडवेज बस और टेंपो की आमने—सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में टेंपो सवार एक दिव्यांग की मौत हो गई, जबकि चार गंभीर घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए नजदीकी राजकीय चिकित्सालय में भर्ती करवाया गया है। टेंपो में चालक समेत कुल छह लोग सवार थे। मंगलवार देर शाम नेशनल हाईवे-309 पर रामनगर काशीपुर मार्ग पर ग्राम तेलीपुरा के समीप रोडवेज बस और यात्रियों से भरे टेंपो की भिड़ंत हो गई। हादसे में टेंपो चालक समेत पांच लोग गंभीर घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए रामनगर के सरकारी अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने सफीक को मृत घोषित कर दिया। रामनगर के ग्राम टांडा मल्लू निवासी 45 वर्षीय सफीक, सुहैल व उसका छोटा भाई सगीर निवासी ग्राम लुटाबढ, आरती निवासी ग्राम टांडा, टेंपो चालक वसीम निवासी ग्राम टांडा, तरन्नुम निवासी खताड़ी टेंपो में रामनगर के ग्राम टांडा जा रहे थे।

अमेरिका ने निर्वासित किए जाने वाले 14 लाख लोगों से अधिक का आंकड़ा किया सार्वजनिक

काठमांडू। एजेंसी

अमेरिकी सरकार ने वहां रह रहे अवैध प्रवासियों की एक सूची प्रकाशित की है जिनको जल्द ही डिपोर्ट किया जाना है। इस नई सूची में अफ्रीकी देशों के नागरिकों की संख्या सर्वाधिक है जबकि चीन और भारत के नागरिकों की संख्या भी हजारों में है। अमेरिका के होमलैंड सिक्योरिटी की तरफ से बुधवार को डिपोर्ट किए जाने वाले विदेशी नागरिकों की एक सूची प्रकाशित की गयी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अवैध विदेशी नागरिकों को वापस भेजने की नीति के तहत अमेरिकी प्रशासन ने इस सूची को सार्वजनिक किया है। होमलैंड सिक्योरिटी विभाग के मुताबिक अब तक विभिन्न देशों से कुल 14,45,549 प्रवासियों को अमेरिका से निर्वासित किए जाने की तैयारी है। इस सूची के मुताबिक सबसे अधिक संख्या होंडुरास, ग्वाटेमाला, मेक्सिको और अल सल्वाडोर के नागरिकों की है जो अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश कर वहां रह रहे हैं। इनमें होंडुरास के 2,61,651, ग्वाटेमाला के 2,53,413, मेक्सिको के 2,52,044 और अल सल्वाडोर के 203,822 नागरिक हैं। इसके अतिरिक्त 37,908 चीनी नागरिक और 17,940 भारतीय नागरिकों का भी निर्वासन किए जाने की जानकारी दी गई है। इसमें 1,365 नेपाली नागरिक भी निर्वासन सूची में हैं।

कमलनाथ ने मप्र हाई कोर्ट के फैसले पर भाजपा को घेरा, कहा

27 फीसदी ओबीसी आरक्षण पर मेरी सरकार का निर्णय सही

भोपाल। एजेंसी

मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण के फैसले पर रोक लगाने वाली जनहित याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट के फैसले पर पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता कमलनाथ ने भाजपा को घेरा है। कमलनाथ ने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने उस जनहित याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें राज्य शासन द्वारा प्रदेश में 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण देने के फैसले का विरोध किया गया था। यह कांग्रेस पार्टी की नीतियों की जीत है। मार्च 2019 में मैंने अपने मुख्यमंत्री कार्यकाल में मध्य प्रदेश के ओबीसी समुदाय को 27 फीसदी आरक्षण देने का प्रावधान किया था। हाई कोर्ट के फैसले ने मेरी तत्कालीन सरकार के निर्णय को एक बार फिर सही साबित किया है। अब मध्य प्रदेश सरकार को तत्काल सभी स्तर पर 27% ओबीसी आरक्षण देना सुनिश्चित करना चाहिए। ओबीसी आरक्षण को लेकर भाजपा ने हमेशा षड्यंत्रकारी रवैया अपनाया है। अगर पिछले 6 साल की घटनाक्रम को देखें तो यह बात और ज्यादा स्पष्ट हो जाती है। मार्च 2019 में मेरी तत्कालीन सरकार ने प्रदेश में ओबीसी को 27% आरक्षण देने का फैसला किया। कमलनाथ ने आगे कहा कि 19 मार्च 2019 को हाईकोर्ट ने पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल कोर्सेज के लिए 27% ओबीसी आरक्षण पर स्थगन दिया। यहां उल्लेखनीय है कि स्थगन सिर्फ कुछ नौकरियों के लिए था।

महाकुंभ संगम में हुई भगदड़ की घटना दुखद, सामान्य हुई प्रयागराज की स्थिति

उत्तराखंड के चार धाम सहित मानस खंड मंदिर श्रृंखला का हो रहा प्रचार : सतपाल

● अभी तक साठ लाख लोग उत्तराखंड पैवेलियन का भ्रमण कर चुके है

महाकुम्भ नगर। एजेंसी

उत्तरखंड के पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ में बनाए गए उत्तराखंड पवेलियन विकास की गाथा लिख रहा है। उन्होंने संगम में हुई भगदड़ की घटना को दुखद बताया। वह बुधवार को महाकुम्भ के सेक्टर-सात कैलाशपुर में स्थित उत्तराखंड पवेलियन परिसर में पहुंचे थे। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा स्थापित जल जीवन मिशन नमामि गंगे के शिविर एवं प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। पर्यटन मंत्री ने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ के माध्यम से उत्तराखंड सरकार ने प्रदेश की धार्मिक - सांस्कृतिक पहचान को देश-विदेश तक पहुंचा दिया है। अभी तक साठ लाख लोग उत्तराखंड पैवेलियन का भ्रमण कर चुके है। प्रयागराज में मंगलवार रात को हुई भगदड़ की घटना पर दुःख व्यक्त किया। साथ ही उत्तराखंड से प्रयागराज यात्रा पर आये यात्रियों की सहायता के लिए उत्तराखंड सरकार द्वारा जारी टोल फ्री नंबर के विषय में भी बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन तथा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड विकास की गाथा लिख रहा है।

पवेलियन में उत्तराखंड चार धाम बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री सहित मानस खंड मंदिर श्रृंखला के अंतर्गत गोलू देवता मंदिर, जागेश्वर धाम, कैंची धाम को प्रदर्शित किया गया है। हाउस ऑफ हिमालय, उद्योग विभाग उत्तराखंड, पर्यटन -आयुष एवं गढ़वाल मंडल विकास निगम (जीएमवीएन) सहित श्री बदरीनाथ - केदारनाथ मंदिर समिति, खादी ग्रामोद्योग सहित सूचना विभाग उत्तराखंड के स्टॉल लगे है। सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर उत्तराखंड के लोक कला संस्कृति को उजागर किया जा रहा है। श्री बद्रीनाथ - केदारनाथ समिति के शीतकालीन यात्रा प्रचार प्रसार का कार्य हो रहा है। इस मौके पर सतपाल महाराज तथा पूर्व मंत्री अमृता रावत को श्री बद्रीनाथ तथा केदारनाथ धाम का मोमेंटो भेंट किया गया।

इस अवसर पर उद्योग विभाग के संयुक्त निदेशक एवं उत्तराखंड पैवेलियन प्रभारी अनुपम द्विवेदी, नोडल अधिकारी जीएमवीएन दीपक सिंह रावत, ओएसडी अभिषेक शर्मा, बीकेटीसी प्रचार प्रसार स्टाल प्रभारी एवं मीडिया प्रभारी डा हरीश गौड़, सहायक प्रबंधक जीएमवीएन एलपी जोशी, सहायक नोडल अधिकारी कुंवर सिंह बिष्ट, डा विपिन, सुरेन्द्र सिंह सरियाल आदि मौजूद रहे।

श्रद्धालुओं के लिए मप्र-उप्र सीमा पर की गई है पुख्ता व्यवस्था : डॉ. मोहन

भोपाल। एजेंसी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रयागराज में श्रद्धालुओं की संख्या अधिक होने से रीवा जिले के चाकघाट थाना अंतर्गत सीमा पर पहुंच रहे हजारों श्रद्धालुओं के लिए पुख्ता इंतजाम किये गये है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स के माध्यम से सभी श्रद्धालुओं से प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करने और संयम बनाए रखने की अपील की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिये प्रदेश के अधिकारी मौके पर मौजूद हैं, जो श्रद्धालुओं के खाने-पीने से लेकर ठहरने की समुचित व्यवस्था का ध्यान रख रहे हैं। साथ ही स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों के लिए डॉक्टर्स की टीम भी मौके पर उपलब्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रयागराज महाकुंभ में मौनी अमावस्या के महापर्व पर तीर्थराज प्रयाग में देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालु पवित्र स्नान करने पहुंच रहे हैं। स्नान पर्व को दृष्टिगत रखते हुए श्रद्धालुओं को रीवा जिले में मध्यप्रदेश-उत्तरप्रदेश की सीमा पर रूकने का सुझाव दिया गया है।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, गुरुवार 30 जनवरी 2025

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

पब्लिक रिलेशन में बनाना है कॅरियर

अगर आप पीआर में अपना कॅरियर देख रहे हैं तो 12वीं के बाद, आप मास मीडिया, पत्रकारिता, या यहां तक कि जन संचार में स्नातक की डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। ये आपको कम्युनिकेशन, समाजशास्त्र, डिजिटल विज्ञापन आदि जैसे विषयों में एक मुख्य आधार प्रदान करेंगी।

आज के समय में युवा कई अलग-अलग क्षेत्रों में अपने भविष्य की तलाश करते हैं। अगर आपको लोगों से मिलना अच्छा लगता है और आप हमेशा कुछ नया करना चाहते हैं तो ऐसे में आप पब्लिक रिलेशन में अपना करियर तलाश कर सकते हैं। यह एक ऐसा करियर ऑप्शन है, जिसे सबसे प्रतिष्ठित और अच्छी तनख्वाह वाली कंपनियों में से एक माना जाता है। हालांकि, पब्लिक रिलेशन में करियर बनाने के लिए आपको कई बातों का ध्यान रखना होता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि आप पीआर में अपना करियर कैसे शुरू कर सकते हैं-

एजुकेशन पर दें ध्यान

अगर आप पीआर में अपना कॅरियर देख रहे हैं तो 12वीं के बाद, आप मास मीडिया, पत्रकारिता, या यहां तक कि जन संचार में स्नातक की डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। ये आपको कम्युनिकेशन, समाजशास्त्र, डिजिटल विज्ञापन आदि जैसे विषयों में एक मुख्य आधार प्रदान करेंगी। यदि आप किसी विशिष्ट उद्योग क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं, तो यह एक पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा करें। उदाहरण के लिए, यदि आप पीआर के बारे में जानने के लिए सब कुछ सीखना चाहते हैं, तो अपने कौशल को अगले स्तर तक ले जाने के लिए एमआईबीए और अपग्रेड के जनसंपर्क एमए प्रोग्राम देखें। इस कार्यक्रम के साथ, आप सोशल मीडिया मार्केटिंग, कंटेंट मार्केटिंग, ब्रांडिंग, मार्केटिंग विश्लेषण और उद्योग से संबंधित कई अन्य स्किल्स को सीख सकते हैं।

लें अनुभव

यह सच है कि किसी भी क्षेत्र अपना कॅरियर स्थापित करने के लिए अनुभव होना बेहद आवश्यक है। इसलिए, जब आप कॉलेज में हों तो इंटर्नशिप करना अच्छा रहेगा। यह न केवल आपको अपने पाठ्यक्रम में सीखी गई बातों को लागू करने में मदद करता है, बल्कि यह आपको उद्योग के कामकाज को समझने में भी सक्षम बनाता है। इस तरह, आपको पता चल जाएगा कि आपको किन स्किल्स को विकसित करने की आवश्यकता है। इतना ही नहीं, इंटर्नशिप करने के बाद आपके लिए एक अच्छी नौकरी प्राप्त करना भी अधिक आसान हो जाएगा।

प्रोफेशनल नेटवर्क करें बिल्डअप

अगर आप पीआर फील्ड में खुद को स्थापित करना चाहते हैं तो पहले आपको प्रोफेशनल नेटवर्क भी बिल्डअप करना होगा। शुरू में आप सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने प्रोफेशनल से संबंधित समूहों में शामिल हों जो आप कर सकते हैं। लिंक्डइन और यहां तक कि फेसबुक पर भी ऐसे कई ग्रुप हैं। आपको बस इतना करना है कि अपने आप को नियमित रूप से अपडेट रखें कि कौन अक्सर पोस्ट कर रहा है। ऐसा करने से, आप नवीनतम समाचारों पर भी अप-टू-डेट रहेंगे, कुछ नया सीखेंगे और उपयोगी व्यावसायिक संबंध विकसित करेंगे।

रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन की ऐसे करें तैयारी

परीक्षाओं की तैयारी में लगे जो छात्र अच्छा स्कोर करना चाहते हैं, वे रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन की तैयारी पर ध्यान दे सकते हैं।

बैंकों व सरकारी संस्थानों में भर्ती का दौर शुरू हो गया है। इसमें रुकी हुई पुरानी भर्तियों के अलावा नई भर्तियां भी शामिल हैं। अब आप में से अधिकतर छात्र इन अवसरों का लाभ उठाने का प्रयास कर रहे होंगे, और अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के बारे में योजनायें बना रहे होंगे। परीक्षा के दौरान अधिकतर छात्र असमंजस की स्थिति में होते है कि रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन को हल करने का प्रयास करें या न करें। यह आपका समय नष्ट कर सकता है साथ ही अगर किसी आर्थिक विषय पर आधारित गद्यांश आ जाएं तो यह छात्रों के लिए और मुसीबत वाला हो जाता है। हालांकि आपको यह समझना होगा कि रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन ही है जो आपको परीक्षा में अच्छे अंक प्रदान कर सकता है, क्योंकि इसमें व्याकरण से सम्बंधित नियम लागू नहीं होते और आपको उत्तर का अनुमान नहीं लगाना होता, आपको केवल गद्यांश को समझना होता है और आप सभी प्रश्नों का सही उत्तर दे सकते है। आज हम आपको बतायेंगे इसे हल करने के कुछ स्ट्रैटेजी व टिप्स।

पैसेज पर एक सरसरी निगाह डालें

परीक्षा के दौरान सबसे पहले आप पैसेज को सरसरी निगाह से देख लें। यहां पर आपको पूरे पैसेज को पढ़ने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि यहां पर आपका हर सेकंड कीमती होता है। देखने के बाद आप उस प्रश्न का उत्तर दे जिसके लिए आप पूरी तरह निश्चित हो।

पहले प्रश्न पढ़ें, फिर उत्तर दें

परीक्षा के दौरान जब एक एक सेकेंड मायने रखता है, तब एक रणनीति आपको सकल बनाने में सहायता कर सकती है। अपना समय पूरा पैसेज पढ़ने में नष्ट न करें, पैसेज पढ़ने के स्थान पर पहले प्रश्नों को पढ़ने का प्रयास करें और फिर उसी के अनुसार पैसेज को पढ़ें। जब आप टए में आवश्यक पंक्ति को देख लेंगे तो प्रश्न के अनुसार उत्तर देना आपके लिए आसान हो जायेगा। यदि आप अब भी उत्तर नहीं जान पा रहे है तो उस प्रश्न को तुरंत छोड़कर अगले प्रश्न की ओर बढ़ जाइये, किसी भी प्रश्न पर समय नष्ट मत कीजिए। इस तरह से प्रयास करने पर आप कम समय में गद्यांश के विषय और झुकाव के बारे में जान पायेंगे।

शब्दावली आधारित प्रश्नों को हल करें

अगर आप कम समय में ज्यादा अंक अर्जित करना चाहते है, तो आपको शब्दावली आधारित प्रश्नों को हल करने का प्रयास करना चाहिए। इसके लिए आपको पूरे पैसेज को भी पढ़ने की आवश्यकता नहीं है। इन्हें हल करने में भी समय कम लगता है क्योंकि या तो आप शब्द का अर्थ जानते हो या नहीं जानते हो, यहां पर आप सही शब्द चुनने का प्रयास कर सकते है।

लेखक का दृष्टिकोण समझें

रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन में स्कोर करने के लिए लेखक का दृष्टिकोण समझना बहुत जरूरी है। आप यह समझने का प्रयास कीजिए कि लेखक क्या कहना चाहता है जैसे प्रश्नों से दूर रहने का प्रयास कीजिये, चूंकि ये सवाल आम तौर पर विवादास्पद और समय लेने वाले हैं और इसके लिए आपको पूरा पैसेज पढ़ना होगा।

अपना ध्यान केन्द्रित रखो

रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन में विषय सामग्री पर ध्यान दें। अपने दिमाग को भटकने से बचाए, क्योंकि यह दिन में सपने देखने से शुरू होता है। इसे वास्तविक जीवन पर केन्द्रित करें। अपने आप को समझाए कि यह सपने आप परीक्षा देने के बाद देख सकते है। जब तक आप दृढ़ता से अध्ययन नहीं करेंगे तब तक आप अपने लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर सकते है।

पैसेज के मुख्य आइडिया को समझे

सभी पैसेज का एक ऐसा मुख्य आइडिया होता है, जिस पर पूरा पैराग्राफ लिखा जाता है। कभी-कभी ऐसे प्रश्न भी पूछे जाते हैं जिससे पता चल सके कि आप पैराग्राफ में दिए गए मुख्य आइडिया को समझने में सक्षम हैं या नहीं। इसलिए, सबसे पहले पैसेज के आईडिया को समझें तभी आप अन्य प्रश्नों को जवाब दे पाएंगे।

निरंतर अभ्यास जरूरी

जो छात्र खुद को रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन में कमजोर समझते हैं, वे अभ्यास नहीं करते है। अधिकतर छात्र इसे घर पर हल नहीं करते है और न ही कोशिश करते हैं, इसकी जगह वे बहुत से बहाने बनाते है। परन्तु यह बहाने आपको सफल नहीं बना सकते। सफलता आपको तब तक नहीं प्राप्त होगी जब तक आप अपने डर और कमजोरी को हरा ना दें।

पढ़ने की स्पीड बढ़ाएं

यह ध्यान रखे कि पैसेज पढ़ने के दौरान अपने होंठों को मत चलाइए, यह आपकी गति को धीमा कर देती है। रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन के लिए आपको स्मार्ट होने की आवश्यकता है और यह आपको अभ्यास से ही प्राप्त हो सकता है। आप मन में पढ़े और अपनी स्पीड बढ़ाए।

नौकरीपेशा लोगों के लिए बेहतर विकल्प है डिस्टेंस एजुकेशन

अगर आप किसी कारणों से नियमित कॉलेज नहीं जा सके हो तो डिस्टेंस एजुकेशन एक बेहतर विकल्प साबित हो सकता है। डिस्टेंस एजुकेशन से मिलने वाली डिग्री भी रेगुलर की तरह ही होती है जिसका इस्तेमाल आप अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिए कर सकते हैं।

भारत जैसे देश में जहां आज भी बहुत सारे जिलों में कॉलेज या यूनिवर्सिटीज नहीं हैं, वहां डिस्टेंस एजुकेशन का माध्यम खासा लोकप्रिय है। यह एक लचीला माध्यम है, जो छात्रों को पढ़ाई के दौरान दूसरे शौक को भी पूरा करने की छूट देता है। सबसे बड़ी बात यह कि यह कामकाजी और नौकरीपेशा वाले लोगों को भी उच्च शिक्षा की राह दिखा रहा है। इन डिस्टेंस लर्निंग सेंटर में डिप्लोमा, बैचलर डिग्री और पीजी व मैनेजमेंट कोर्स चलाए जाते हैं। कई डिस्टेंस लर्निंग सेंटर प्रोफेशनल कोर्स भी संचालित करते हैं जो रोजगारोन्मुख होते हैं। इनमें जर्नलिज्म एंड मास निकेशन, लाइब्रेरी साइंस, कम्प्यूटर कोर्सेस आदि शामिल है।

ओपन यूनिवर्सिटी में दाखिला लेना मुश्किल नहीं है। ये यूनिवर्सिटीज अपने नियमों के मामले में काफी लचीली होती हैं। यहां कोर्स की फीस भी अमूमन सामान्य संस्थानों के मुकाबले कम होती है। अकादमिक जानकारियों के लिए इन यूनिवर्सिटीज के कोर्स बेस्ट माने जाते हैं। कई यूनिवर्सिटीज में वीकएंड क्लासेज होती हैं, जिससे कामकाजी लोगों को सहूलियत होती है। पढ़ाई और नौकरी के बीच के समय का इस्तेमाल करने वालों के लिए ये यूनिवर्सिटीज ई-क्लास से लेकर छोटी अवधि वाली रेगुलर क्लासेज तक चला रही हैं।

इग्नू और डिस्टेंस एजुकेशन

जो युवा नियमित कॉलेज नहीं जा सकते हैं, उनके लिए पढ़ाई करने और करियर बनाने के लिए एक बेस्ट यूनिवर्सिटी है। इग्नू की पढ़ाई का तरीका अन्य पारंपरिक यूनिवर्सिटीज से अलग है। इग्नू ने पढ़ाई का एक मल्टीमीडिया नजरिया अपनाया है। विज्ञान, कम्प्यूटर, नर्सिंग, इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी में पाठ्यक्रम भी शामिल है। यहां बीए जनरल कोर्स के साथ ही बीएससी जनरल की पढ़ाई भी होती है, जिसमें गणित, भौतिकी, रसायन, बॉटनी और जूलॉजी जैसे विषय भी पढ़ाए जाते हैं। यहां बीकॉम भी है। इसके अलावा बीबीए इन रिटेलिंग, बैचलर ऑफ टूरिज्म स्टडीज, बैचलर ऑफ सोशल वर्क और बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लिकेशन जैसे कोर्स हैं। इसके अलावा वोकेशनल ट्रेनिंग के रूप में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स भी है। यहां बीएड और डिप्लोमा इन एजुकेशन यानी डीएड कोर्स भी अब डिस्टेंस एजुकेशन में शामिल हो गया है।

डिस्टेंस एजुकेशन की विशेषताएं

- डिस्टेंस एजुकेशन में स्टूडेंट को नियमित तौर पर किसी संस्थान में जाकर पढ़ाई करने की जरूरत नहीं होती।
- सूचना क्रांति और इन्टरनेट के कारण डिस्टेंस एजुकेशन और आसान एवं प्रासंगिक हो गयी है।
- विजुअल क्लासरूम लर्निंग, इंटरैक्टिव ऑनसाइट लर्निंग और वीडियो कंप्रेसिंग के जरिए स्टूडेंट्स देश के किसी भी राज्य में रहकर घर बैठे पढ़ाई कर सकते हैं।
- डिस्टेंस एजुकेशन से पढ़ाई करने की फीस काफी कम है।
- जॉब करने के साथ-साथ पढ़ाई की जा सकती है।
- कम अंक आने पर भी मनपसंद कोर्स में दाखिला मिल जाता है।
- किसी भी कोर्स के लिए उम्र बाधा नहीं होती है।
- साधारण कोर्स के साथ ही वोकेशनल कोर्स तथा प्रोफेशनल कोर्स भी किये जा सकते हैं।

प्रमुख डिस्टेंस एजुकेशन सेंटर्स

- इग्नू, दिल्ली
- सिम्बायोसिस सेंटर फॉर डिस्टेंट लर्निंग, पुणे
- कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी, कुरुक्षेत्र
- दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली
- अन्नामलाई यूनिवर्सिटी, तमिलनाडु
- पांडिचेरी यूनिवर्सिटी, पुडुचेरी
- हिमाचल यूनिवर्सिटी, शिमला
- गुरु जंभेश्वर, हिसार
- एमडीयू, रोहतक
- पंजाब टेक्निकल यूनिवर्सिटी
- सिक्किम मणिपाल यूनिवर्सिटी

हर प्रोफेशनल्स के लिए जरूरी है ये फोन एटिकेट्स

आज हम किसी से भी, कभी-भी और कहीं भी बात करने के लिए अपने सेलफोन का यूज करते हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हमें जैसे चाहें वैसा फोन का उपयोग कर करें। प्रोफेशनल सेटिंग में फोन के उपयोग को लेकर समय और जगह को ध्यान रखना जरूरी होता है। आज हर प्रोफेशनल्स को इन 8 फोन एटिकेट्स को फॉलो करना जरूरी है:

- पहले अभिनवादन करें और अपना पूरा नाम बताएं। केवल अपना पहला नाम बताना हर प्रोफेशनल कॉल में बहुत अनौपचारिक लगता है, वहीं केवल आखिरी नाम बताना भी अशिष्टता है।
- कुछ लोगों को यह अंदाजा नहीं होता है कि वे कितना तेज बोलते है, विशेष रूप से जब उनका पूरा ध्यान फोन पर बात कर रहे व्यक्ति पर होता है। अपने आसपास के माहौल के प्रति जागरूक रहें। आप कभी भी नहीं जानते कि आपकी बातों पर कौन ध्यान दे रहा है। सामने बैठे किसी व्यक्ति से आप बात कर रहे हैं, इतने में आपका फोन बज उठता है और फोन पर बात करने लगते हैं। यह एटिकेट्स नहीं है। अगर आप किसी महत्वपूर्ण कॉल के इंतजार में है और इसे रीशेड्यूल करना संभव न हो तो आप जिस शख्स से आप मिल रहे हैं, इसके बारे में उन्हें जानकारी दे दें।
- दूसरों से मीटिंग टेबल पर बात कर रहे हो तो अपना फोन टेबल पर न रखें। भले ही आप मीटिंग के दौरान फोन का जवाब न दें लेकिन यह ध्यान भटकाने के लिए काफी है।
- अगर आप मीटिंग या कॉन्फ्रेंस के बीच में है और ऐसे में आपका फोन बज उठता है तो यह अच्छी बात नहीं है इसे साइलेंट मोड पर रखें या बंद कर दें।
- प्रोफेशनल सेटिंग में यह बात भी मायने रखती है कि आपने अपने सेल का रिंगटोन क्या रखा है। लाउड और ब्लास्टिंग टोन रखने से पहले सोच लें कि इसे लेकर दूसरे क्या रिएक्ट करेंगे।
- अगर किसी प्रोफेशनल कॉल में आपको अपना फोन स्पीकर मोड पर रखना पड़ा ही तो आपको यह ध्यान रखना होगा कि उन्हें बता दें कि आप किसी के साथ बैठे हैं।
- लंबे वॉइसमेल्स न भेजें। छोटे और स्पष्ट संदेश छोड़ें। साफ बोलें और व्यक्ति को यह बताएं कि आपने क्यों कॉल किया था। अगर आप फोन नंबर छोड़ रहे हैं तो इसे ये नंबर्स धीरे-धीरे बोलें।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक निमिषा कुमारी द्वारा शिवा सांई पब्लिकेशन प्रा० लि० काठीटांड़, रातू रांची, झारखंड 835222 से मुद्रित व 364, को ऑपरेटिव कालोनी, बोकारो स्टील सिटी, बोकारो, 827003 से प्रकाशित।
प्रबंध संपादक विनय कुमार तिवारी* (* पी आर बी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) आर एन आई न०- JHA/HIN/ 2018/ 76658 फोन न०8340571405, 9955023741